शनिवार
06 जून
वर्ष-1
अंक-24

रफ्तार मीडिया

RANCHI, चैत्र कृष्ण पक्ष-12
₹04
RNI No.-JHHIN/26/A3481
www.raftaarmedia.com

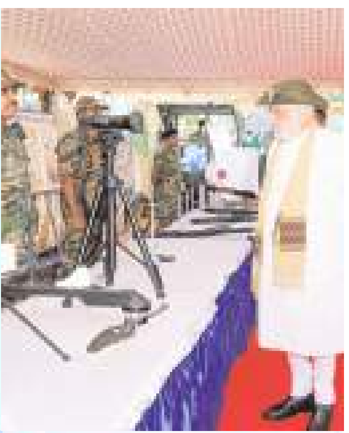

अराजकता में अवसर खोजने की सियासत नहीं चलेगी: पीएम मोदी

हिमाचल, हरियाणा और पंजाब की जनता ने भी कांग्रेस को नकारा, कांग्रेस पर साधा निशाना, सूरत में एलएंडटी के आर्म्ड सिस्टम्स कॉम्प्लेक्स पहुंचे पीएम

सूरत/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात दौरे पर 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत चल रही विकास परियोजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने सूरत के हजीरा के अलावा अंतरराज्यीय रोड नेटवर्क का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ लोग देश में निराशा का माहौल बनाने में लगे हैं। पीएम मोदी ने विपक्षी राजनीतिक दलों को आड़े हाथों लिया और बिना किसी का नाम लिए कहा कि ये लोग निराशा का माहौल बनाने के अलावा आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक भी बनाते हैं। उन्होंने कांग्रेस या राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा, कुछ लोग भारत को नीचा दिखाना चाहते हैं।

कांग्रेस ने कर्नाटक में बदला मुख्यमंत्री, पीएम मोदी क्या बोले?

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली सफलता का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विदेश यात्रा के दौरान भी उन्हें बंगाल के जनादेश का जिक्र सुनने को मिला। हाल ही में कर्नाटक में बदले मुख्यमंत्री का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस राज्य में भी कांग्रेस को लेकर जनता में भारी आक्रोश है।

स्वदेशी लाइट टैंक जोरावर को रोलआउट कर दिया

भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए अपने पहले स्वदेशी लाइट टैंक जोरावर को आधिकारिक तौर पर रोलआउट कर दिया है। महज 19 महीनों में विकसित किया गया यह टैंक विशेष रूप से हिमालयी और ऊंचाई वाले दुर्गम इलाकों में युद्ध के लिए डिजाइन किया गया है। इस स्वदेशी टैंक को भारत-चीन सीमा यानी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बढ़ते तनाव और पूर्वी लद्दाख में चीनी सेना द्वारा तैनात लाइट टैंकों को करारा जवाब देने के लिए इसे विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। महज 19 महीनों के रिकॉर्ड समय में विकसित हुआ यह 25 टन का टैंक अत्यधिक ऊंचाई, कम ऑक्सीजन और कठिन बर्फीले रास्तों पर भी 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकता है। **जनरल जोरावर सिंह के नाम पर रखा गया नाम:** इस टैंक का नाम डोगरा सेना के प्रसिद्ध सेनापति जनरल जोरावर सिंह के नाम पर रखा गया है।

हिमाचल, हरियाणा और पंजाब की जनता ने भी कांग्रेस को नकारा

हिमाचल में हुए निकाय चुनाव का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, वहां की जनता ने भी कांग्रेस के कुशासन को नकार दिया। पिछले साल हरियाणा और पंजाब की जनता ने भी कांग्रेस को स्पष्ट संदेश दिया है। जनता ने साफ कर दिया है कि कांग्रेस की अराजकता में अवसर खोजने की राजनीति नहीं चलेगी।

जम्मू के राजा गुलाब सिंह की सेना में सेवाएं देने वाले जोरावर सिंह को लद्दाख का विजेता कहा जाता है। उन्होंने हिमालयी क्षेत्रों में कई सैन्य अभियानों का नेतृत्व किया था। भारत ने इस नाम के जरिए स्पष्ट संदेश दिया है कि यह टैंक विशेष रूप से लद्दाख और ऊंचाई वाले सीमावर्ती इलाकों में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए बनाया गया है।

क्या है इसकी खासियत?

जनता ने कांग्रेस को हाशिए पर धकेला

पीएम मोदी ने भाजपा को मिलने वाली राजनीतिक सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि देश अराजकता, अनिश्चितता और निराशा को पसंद नहीं करता। कांग्रेस पिछले 12 वर्षों से अराजकता और अनिश्चितता फैला कर अपने लिए अवसर तलाश रही है, लेकिन देश की जनता बार-बार करारा जवाब दे रही है। आप लोगों ने तो कांग्रेस को हाशिए पर धकेल दिया है। जहां कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां की जनता कांग्रेस के कुशासन से तंग आ चुकी है।

1987 में राजनीति में आया, तब से जनता का प्यार मिल रहा: मोदी

हजीरा (गुजरात)

गुजरात दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राजनीति के अपने शुरूआती दिनों को याद किया। उन्होंने सूरत के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि वे इस बात को लेकर खास उत्साहित हैं कि यहां के लोगों ने उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया। पीएम मोदी ने कहा, सूरत से 1987 में शुरू हुई उनकी राजनीतिक विजय की यात्रा लगातार जारी है। प्रधानमंत्री ने भाषण के दौरान और किन बातों पर को रेखांकित किया?

पीएम मोदी ने क्यों कहा- मेरे रिकॉर्ड भी आप सबने तोड़ दिए

गत दिनों गुजरात के स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा को मिली सफलता का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, गुजरात के लोगों ने भाजपा का इतना समर्थन किया कि पुराने सारे रिकॉर्ड टूट गए। पीएम मोदी ने कहा, मैं आज ज्यादा खुश इसलिए भी हूं कि मेरे रिकॉर्ड भी आप सबने तोड़ दिए। मैं राजनीति में बहुत देर से आया था। शायद 1987 में मैं पॉलिटिक्स में आया। उसके बाद सूरत, अहमदाबाद में निकाय चुनाव मेरा पहला चुनाव था।

गुजरात की जनता ने हमारे सेवाभाव को अपना समर्थन दिया: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा, दुनिया के लोकतांत्रिक समाज में ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि किसी दल को इतने लंबे समय तक जनता जनार्दन का आशीर्वाद मिले। सेवा का अवसर मिलना बहुत बड़ी बात है। सूरत और नवसारी के अनेक चुने हुए जनप्रतिनिधि आज इस कार्यक्रम में मौजूद हैं। सभी को शुभकामनाएं। गुजरात की जनता ने हमारे सेवाभाव को अपना समर्थन दिया है, ये बात सभी को याद रखनी चाहिए। ये प्रचंड विजय सेवा के मिशन को विस्तार देने के लिए है। हम सभी को और अधिक परिश्रम करना है। हमारा संकल्प विकसित गुजरात, विकसित भारत है। इस संकल्प को सेवा के भाव से समर्पित होकर सिद्ध करना है। पीएम मोदी ने कहा, 'जब मैं कहता हूं कि सूरत मात्र शहर नहीं स्पिरीट है तो इसके पीछे मेरा दृढ़ विश्वास है। जो शहर हिंदुस्तान में लगातार स्वच्छता के अवॉर्ड हासिल कर रहा है, उसके मन में भी स्वाभाविक रूप से आ सकता है कि यार बहुत हुआ, बहुत अवॉर्ड जीत लिए।

सीमा पर हर चुनौती का कर रही है सामना : अमित शाह

लंकामुड़ा (त्रिपुरा)/एजेंसी

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को त्रिपुरा के लंकामुड़ा स्थित सीमा सुरक्षा बल की लंकामुड़ा सीमा चौकी का निरीक्षण किया और सीमा प्रहरियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने अगरतला में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमें देश को स्मगलिंग, मानव तस्करी, देश के युवाओं को नशे से सुरक्षित करना होगा। नारकोटिक्स हो, मानव तस्करी, हथियारों की स्मगलिंग या ड्रोन की चुनौती, बीएसएफ त्रिपुरा से बंगाल और बिहार तक, सीमा पर हर चुनौती का सफलतापूर्वक सामना कर रही इस दौरान त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, केन्द्रीय गृह सचिव, सीमा प्रबंधन और महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अमित शाह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सामाजिक समरसता, अखंडता और आत्मसम्मान के प्रति समर्पित गुरुजी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भले ही नई पीढ़ी को गुरुजी के प्रत्यक्ष दर्शन का अवसर नहीं मिला, लेकिन उनके विचार आज भी राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए अमित शाह ने कहा कि पौरोपण को केवल सरकारी अभियान नहीं बल्कि जन-आंदोलन और जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा।

वर्ष 2019 से अब तक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा 7.5 करोड़ से अधिक वृक्ष लगाए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 40 से 60 लाख वृक्ष लगाए जाएंगे, जबकि अगले वर्ष 2 करोड़ वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया है। भारत ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर उदाहरण प्रस्तुत किया है और पेरिस समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को समय से पहले पूरा किया है।

अनुमान से ज्यादा रही 2025-26 की जीडीपी, 7.7 फीसदी की दर से बढ़ी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली/एजेंसी

देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को नई दिल्ली में नए आंकड़े पेश करके कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार विकास दर हासिल की है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में 7.7 फीसदी की दर से जीडीपी बढ़ी है, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 7.1 फीसदी के मुकाबले ज्यादा है। सीईए वी. अनंत नागेश्वरन ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की (जनवरी-मार्च) चौथी तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ 7.8 फीसदी रही है। उन्होंने बताया कि इस तिमाही के दमदार प्रदर्शन की वजह से पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए देश की आर्थिक विकास दर 7.7 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई है। आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 7.8 फीसदी रहने का अनुमान है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कहा कि स्थिर कीमतों पर जीडीपी का आकार वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 323.12 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2024-25 के पहले संशोधित अनुमान 299.89 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

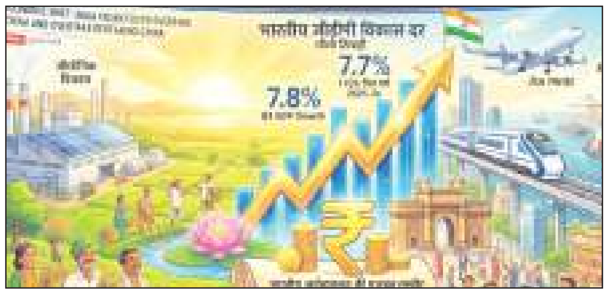

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें अभी भी परेशान कर रही

वहीं, मौजूदा कीमतों पर जीडीपी का आकार वित्त वर्ष 2025-26 में 346.36 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2024-25 के 318.07 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 8.9 फीसदी की वृद्धि को दशार्ता है। जीडीपी के आंकड़ों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि यह आंकड़ां अर्थव्यवस्था के विभिन्न घटकों के बीच एक संतुलित तस्वीर पेश करता है। इसके साथ ही वैश्विक चुनौतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने ये स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें अभी भी एक बड़ा सवालिया निशान बनी हुई हैं। हालांकि, इन अनिश्चितताओं के बावजूद अप्रैल में भारतीय निर्यात ने शानदार लचीलापन दिखाया है। मंत्रालय के सचिव डॉ. सौरभ गर्ग ने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था ने 7.7 फीसदी की दर से विस्तार किया है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की 7.1 फीसदी की विकास दर के मुकाबले काफी बेहतर है। यह गति स्पष्ट करती है कि देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी बनी हुई है,

सीबीएसई ने रिजल्ट पोर्टल पर साइबर हमलों के संबंध में शिकायत दर्ज कराई

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपने पोस्ट-रिजल्ट सर्विसेज पोर्टल पर साइबर हमलों के संबंध में दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) यूनिट में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। सीबीएसई का कहना है कि उसके पोर्टल से देशभर के लाखों छात्रों के परीक्षा परिणाम घोषित किये जाते हैं, इसलिए इसके कामकाज में किसी भी प्रकार की बाधा से बड़ी संख्या में छात्रों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। जनता को भारी असुविधा हो सकती है। सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित हो सकती है और छात्रों में बोर्ड के प्रति असंतोष पैदा हो सकता है। बोर्ड के अनुसार 2 जून को 12वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए उम्मीदवारों के लिए उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन जैसी सेवाएं प्रदान करने के लिए लॉन्च किए गए इस पोर्टल पर पिछले तीन दिनों से लगातार और समन्वित साइबर हमले हो रहे हैं।

मणिपुर में हथियारबंद बदमाशों का हमला, तीन लोगों की हत्या, सात घर जला दिए

इंफाल/एजेंसी

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शुक्रवार तड़के हुए हमले में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। सैतू-गामफाजोल उपखंड के लोइबोल खुल्लेन गांव में सुबह करीब चार बजे हथियारबंद हमलावरों ने हमला किया। इस दौरान सात घर भी जला दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि दो गुटों के बीच कई मिनट तक गोलीबारी हुई। गोलीबारी शुरू होते ही गांव के लोग जान बचाने के लिए पास के जंगलों में शरण लेने को मजबूर हो गए। मारे गए लोगों की पहचान लेटखोंगम हाओकिप, टिनमैरी हाओकिप और जांगमिनलाल हाओकिप के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, तीनों की मौत गोलीबारी के दौरान हुई।

जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा- सीएम सिंह

सीएम वाई. खेमचंद सिंह ने हमले को घिनौना और कायराना बताया। निहत्थे नागरिकों को निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है और इसके जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। सिंह ने राज्य पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को हमलावरों को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ाने और प्रभावित परिवारों को जरूरी राहत उपलब्ध कराने को कहा है।

वहीं, उपमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन ने कहा कि सरकार इस घटना को गंभीरता से ले रही है। जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं और दोषियों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और डर व विभाजन फैलाने की कोशिश करने वालों के बहकावे में नहीं आने की अपील की।

KIM ने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की

इसी बीच, राज्य में कुकी जनजातियों के शीर्ष संगठन डक्ट (कुकी इनपी मणिपुर) ने भी हमले की निंदा की और दोषियों की गिरफ्तारी के लिए जांच की मांग की।

RAFTAAR MEDIA
Satellite News Channel 24X7
Also Available on All Leading MSO & OTT Platform
RAFTAAR MEDIA
सच के साथ
airtel 658
Jio TV 276
TATA sky coming soon
airtel xstream
PLAYBOX TV
GET IT ON Google Play
Download on the App Store
dailyhunt
Prime max
JoyTV
Also Available on cable network
net vision 271
MCN 231
NXT DIGITAL 132
ALLIANCE DIGITAL 295
DEN 894
GTPL 280
RANCHI DIGITAL TV 28
ABPL 324
ADN 15
Jio Fiber
JioNews
www.raftaarmedia.com

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने हटिया मंडल पहुंचकर किया पौधारोपण

पर्यावरण दिवस पर दिया संदेश

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया

रांची: पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा द्वारा "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत शुक्रवार को रांची के विभिन्न मंडलों में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में हटिया मंडल में केंद्रीय महिला और बाल विकास विभाग की मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

पर्यावरण को संरक्षित करना बेहद आवश्यक- अन्नपूर्णा देवी

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने आमजनमानस को संदेश देते हुए कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करना बेहद आवश्यक है और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाकर हर किसी को जोड़ा है लोगों का भावनात्मक जुड़ाव इस अभियान से हो रहा है। उन्होंने जिस प्रकार से ग्लोबल वार्मिंग का शिकार विश्व हो रहा है इसलिए आज हमें वृक्ष लगाकर पर्यावरण को बचाने है और आने वाले पीढ़ी के भविष्य को भी बचाना है। अन्नपूर्णा देवी ने वर्तमान की परिस्थिति को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि इन दिनों पानी की किल्लत यानी कि वॉटर लेवल नीचे जा रहा है इसके साथ साथ वातावरण प्रदूषित हो रहा है इसलिए सभी से अपील करते हैं कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए क्योंकि एक पेड़ से बहुत सारे फायदे हैं।

प्रत्येक दिन प्रयास करे एक पेड़ अवश्य लगाए

वहीं, रफ्तार मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता से अपील भी किया है कि प्रत्येक दिन एक पेड़ लगाने का प्रयास अवश्य करें ऐसा करने से हमारा पर्यावरण निश्चित तौर पर संरक्षित होगा। उन्होंने सभी से आह्वान करते हुए कहा कि अगर हमारे घर के समीप कोई खाली जमीन है वहां हम पेड़ लगाए और लोगों को भी अपने साथ जोड़े अगर कोई सरकारी जमीन है वहां समाज के लोगों के साथ एक कमिटी का गठन करें और सामुदायिक सहभागिता के साथ हम हर एक कार्य को सफल बना सकते हैं निश्चित तौर पर हम सब मिलकर पेड़ लगाएंगे पर्यावरण को बचाएंगे और अपने भविष्य को सुरक्षित करेंगे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में इनकी रही सहभागिता

पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा रांची महानगर के अंतर्गत हटिया मंडल में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम को सफल बनाने में मंडल अध्यक्षा सुप्रिया दुबे , राम मनोज साहू, महावीर महतो, गणेश साहू, प्रवीण झा, चंद्रमा प्रसाद, पारस सोनी, अर्चना सिंह, सोनाली, मोहन सिंह, कृपाल महतो और झरिया उरांव की सहभागिता रही।

जनगणना में डाक विभाग की ऐतिहासिक भूमिका को दशार्ती प्रदर्शनी

रांची: अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की ओर से ऑड्रे हाउस में गिनती में आओः भारत में जनगणना का डाक इतिहास शीर्षक प्रदर्शनी आयोजित की गई।

प्रदर्शनी में 1951 से 2011 तक की अवधि में जनगणना कार्यों में भारतीय डाक विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका को डाक टिकटों, सर्विस पोस्टकार्ड, प्रथम दिवस आवरण, अंतदेर्शीय पत्रों और विभिन्न सरकारी दस्तावेजों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। झारखंड के जनगणना संचालन निदेशक प्रभात कुमार ने प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए इस अनूठी पहल की सराहना की। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु के प्राध्यापक विकास कुमार द्वारा संयोजित इस प्रदर्शनी में यह दिखाया गया है कि डिजिटल तकनीकों के प्रचलन से पहले जनगणना के प्रचार-प्रसार, सामग्री वितरण, जनजागरूकता और प्रगणकों तथा अधिकारियों के बीच संवाद स्थापित करने में डाक विभाग की कितनी अहम भूमिका थी। उद्घाटन के बाद आयोजित परिचर्चा में इतिहासकारों, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों ने जनगणना के महत्व, नीति निर्माण, विकास योजनाओं और प्रशासनिक निर्णयों में उसकी उपयोगिता पर चर्चा की। प्रदर्शनी के माध्यम से यह भी बताया गया कि छह दशकों से अधिक समय तक भारतीय डाक व्यवस्था ने देश के करोड़ों लोगों तक जनगणना का संदेश पहुंचाने और उन्हें इस राष्ट्रीय प्रक्रिया में भागीदारी के लिए प्रेरित करने का काम किया। यह प्रदर्शनी इससे पहले जम्मू, बेंगलुरु और लखनऊ में भी आयोजित की जा चुकी है तथा 6 जून तक आम लोगों के लिए खुली रहेगी।

भाजपा मांडू मंडल की मासिक बैठक संपन्न, संगठन मजबूती व राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत पर हुई चर्चा

आशीष कुमार मुखर्जी/रफ्तार मीडिया

कुजू /रामगढ़: कुजू पूर्वी पंचायत सचिवालय के सभागार में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मांडू मंडल की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मांडू मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार ने की। बैठक में मुख्य रूप से प्रो. संजय सिंह तथा रामगढ़ जिला के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में कोडरमा जिला प्रभारी प्रवीण मेहता उपस्थित रहे। इस दौरान संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में आत्मनिर्भर मंडल की अवधारणा को लेकर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के प्रस्तावित आगमन एवं उनके भव्य स्वागत की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कार्यकताओं से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनसंपर्क अभियान को गति देने का आह्वान किया।

बैठक में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया। नेताओं ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएं।

बैठक में अखिलेश्वर प्रसाद, बिरेंद्र कुमार सिन्हा, रवि साहू, सूरज महतो, राजेश प्रसाद, डिंपल प्रजापति, शुभम कुमार सिंह, दशरथ प्रसाद केसरी, प्रकाश केसरी, रतन प्रसाद साहू, महेश महतो, निर्मल करमाली सहित मंडल के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बालूमाथ तेतरियाखाड़ पीओ कार्यालय में हुआ पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

रफ्तार वीडियो बालूमाथ

बालूमाथ/लातेहार: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को तेतरियाखाड़ परियोजना पदाधिकारी (पीओ) कार्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति जागरूकता को लेकर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाप्रबंधक (जीएम) श्री मनीष कुमार के दिशा-निदेर्शानुसार तथा परियोजना पदाधिकारी श्री जे.पी. रावत की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।इस अवसर पर अधिकारियों, यूनियन प्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए पौधारोपण किया तथा प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए सतत प्रयास का विषय है।परियोजना पदाधिकारी श्री जे.पी. रावत ने कहा कि स्वच्छ एवं हरित वातावरण मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने की अपील की।

भाजपा युवा नेता बाबूधन मुर्मू अमड़ापाड़ा में भाजपा कार्यकताओं संग बैठक, जनसमस्याओं के समाधान पर जोर

रफ्तार मीडिया, रिपोर्टर- धनंजय साहा

पाकुड़: अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र के डुमरचीर स्थित वैष्णवी दुर्गा मंदिर प्रांगण में शुक्रवार को लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व भाजपा प्रत्याशी बाबूधन मुर्मू ने पार्टी कार्यकताओं के साथ बैठक कर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं की समीक्षा की।

बैठक में बिजली, पेयजल, सड़क, राशन एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बाबूधन मुर्मू ने कार्यकताओं से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों का नियमित भ्रमण कर आम लोगों की समस्याओं को चिन्हित करें तथा उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि जिन समस्याओं का समाधान प्रखंड स्तर पर नहीं हो पा रहा है, उसकी जानकारी जिला स्तर के वरीय अधिकारियों को दी जाए।उन्होंने मंडल अध्यक्ष को क्षेत्र की सभी प्रमुख समस्याओं का लिखित संकलन तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि यदि जिला स्तर पर भी समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो भारतीय जनता पार्टी जनता के हित में सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगी।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बाबूधन मुर्मू ने वैष्णवी दुर्गा मंदिर परिसर के समीप आम का पौधा लगाकर वृक्षारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष आशीष हेंब्रम, जिला उपाध्यक्ष सुनील पहाड़िया, अजीत भगत, अनील पहाड़िया, रमेश पहाड़िया, संजय भगत, मुंशी मुर्मू, मधुसूदन पंडित सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बीजीआर माइनिंग ने किया 78,500 पौधों का रोपण, 3,400 फलदार पौधों का वितरण एवं धुआँरहित बायोमास चूल्हों का शुभारंभ

रफ्तार मीडिया संवाददाता, पाकुड़

पाकुड़: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बीजीआर माइनिंग एंड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पचवारा नॉर्थ कोल माइंस परियोजना क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक विकास को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत वृक्षारोपण अभियान के साथ हुई, जिसका नेतृत्व मुख्य अतिथि अमुल कुमार सोरेन, क्षेत्रीय पदाधिकारी, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (खरढउइ) ने किया।

इस अवसर पर परियोजना प्रभावित नौ गांवों के ग्राम प्रधानों, आलूबेड़ा पंचायत की मुखिया एवं प्रमुख तथा अन्य चयनित ग्रामीण नेताओं के बीच 20 थर्मल एफिशिएंट लकड़ी एवं बायोमास चूल्हों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को चूल्हे के संचालन एवं उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई तथा इसका प्रदर्शन भी किया गया।

यह अभिनव चूल्हा पारंपरिक मिट्टी के चूल्हों की तुलना में 65 प्रतिशत कम लकड़ी की खपत करता है तथा 70 प्रतिशत कम धुआँ उत्सर्जित करता है। इसके अतिरिक्त इस चूल्हे में भोजन कम समय में पकता है, जिससे समय एवं ईंधन दोनों की बचत होती है। चूल्हे की विशेषताओं को देखकर ग्रामीण अत्यंत प्रभावित एवं उत्साहित दिखाई दिए। कंपनी ने भविष्य में प्रत्येक परियोजना प्रभावित परिवार को एक-एक चूल्हा उपलब्ध कराने की घोषणा भी की।

विश्व पर्यावरण दिवस के पूर्व आयोजित सामुदायिक वृक्षारोपण एवं आजीविका सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत कंपनी द्वारा परियोजना प्रभावित परिवारों के बीच 3,400 फलदार पौधों का वितरण किया गया। प्रत्येक परिवार को आम, कटहल, सीताफल, चीकू, आंवला एवं नींबू सहित पाँच फलदार पौधे प्रदान किए गए। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों की पोषण सुरक्षा, आय संवर्धन तथा हरित आवरण में वृद्धि करना है।

इस अवसर पर बीजीआर माइनिंग ने यह संकल्प भी दोहराया कि वह आगामी वर्षों में प्रतिवर्ष 50,000 फलदार पौधों का वितरण कर क्षेत्र में हरित क्रांति को बढ़ावा देती रहेगी।

कंपनी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सशक्त करते हुए कार्यक्रम से पूर्व लगभग 50 हेक्टेयर क्षेत्र में 78,500 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण भी किया गया है। यह प्रयास क्षेत्र में जैव विविधता संरक्षण एवं पर्यावरणीय संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री अमुल कुमार सोरेन ने कंपनी की पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक विकास संबंधी पहलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण, स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन से ही आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

कार्यक्रम में श्री रामाशीष चटर्जी, महाप्रबंधक, डब्ल्यूबीपीडीसीएल अन्य डब्ल्यूबीपीडीसीएल अधिकारीगण, श्री दिलीप तामन, उपाध्यक्ष, शार प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड श्री संजय बेसरा, महाप्रबंधक (सीएसआर), बीजीआर माइनिंग एंड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड सुश्री सारती मरांडी, मुखिया, आलूबेड़ा पंचायत जूहीप्रिया मरांडी, प्रमुख, आलूबेड़ा पंचायत, परियोजना प्रभावित नौ गांवों के ग्राम प्रधान तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण विस्तार तथा सतत विकास के लिए सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

पीएम आवास प्लस सूची के सत्यापन को लेकर गांडेय में ग्राम सभा शुरू

रफ्तार मीडिया सवाददाता राजु मंडल गांडेय।

गांडेय :प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत आवास प्लस 2024 के सर्वे के तहत लाभुकों की प्रतीक्षा सूची के सत्यापन और अनुमोदन को लेकर गांडेय प्रखंड में सरगर्मी तेज हो गई है। ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार के पत्रांक 1603 (दिनांक 29.05.2026) के आलोक में प्रखंड की सभी पंचायतों में 5 जून से 8 जून तक विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है।

इस संबंध में गांडेय प्रखंड विकास पदाधिकारी ने ज्ञापांक 861 दिनांक 04.06.2026 के माध्यम से पत्र जारी कर प्रखंड के सभी मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, प्रमुख, जिला परिषद सदस्य, वार्ड सदस्य, उप-मुखिया और वीएलई को अपने-अपने क्षेत्रों में अनिवार्य रूप से ग्राम सभा आयोजित करने का सख्त निर्देश दिया है। ग्राम सभाओं को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए कई विलेज लाइवलीहुड वर्कर्स (वीएलडब्लू) और पंचायत सेवकों को तैनात किया गया है।

पंचायतवार ग्राम सभाओं का शेड्यूल

बीडीओ द्वारा जारी पत्र के अनुसार, प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में तिथिवार ग्राम सभाओं का निर्धारण कुछ इस प्रकार किया गया है.

5 जून.अहिल्यापुर, बरमसिया वन, बरमसिया टू, बुधुडीह, डोकीडीह, गंजकुडा, घाटकुल, जामजोरी, झरघट्टा, मेदनीसारे, पर्वतपुर और फुलची।

6 जून बडकीटांड, बाकीकला, चंपापुर, दासडीह, गांडेय, करीबांक, पंडरी, फुलझरिया और उदयपुर।

8 जून बदगुदा, ताराटांड, रसनजोरी, फुलजोरी और कुडलवादांह।

जामजोरी पंचायत सचिवालय में जुटी ग्रामीणों की भीड़, सूची को दिया जा रहा अंतिम रूप

इसी कड़ी में शुक्रवार (5 जून) को अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के जामजोरी पंचायत सचिवालय में एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता स्थानीय मुखिया सहनाज बेगम ने की।

ग्राम सभा के दौरान उपस्थित पंचायत सचिव फूल कुमारी ने बताया कि प्रखंड विकास पदाधिकारी के आदेशानुसार प्रधानमंत्री आवास प्लस के तहत तैयार की गई प्रतीक्षा सूची को अंतिम रूप देने और पात्र लाभुकों के भौतिक सत्यापन के लिए इस विशेष सभा का आयोजन किया गया है। मुखिया की मौजूदगी में सूची की बारीकी से जांच कर इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटिहीन सूची तैयार कर समय पर प्रखंड मुख्यालय को सौंपी जा सके।

मौके पर उप-मुखिया गुड़िया देवी, पंचायत समिति सदस्य, मुन्ना मंडल, मो. कलाम, मो. मंजर, राम प्रसाद मंडल, बिनोद मंडल सहित भारी संख्या में ग्रामीण और पंचायत प्रतिनिधि मौजूद थे।

अवैध निर्माण का विरोध: रैयती जमीन पर बिना जन प्रतिनिधियों के स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास, ग्रामीणों में आक्रोश

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद। गोविंदपुर अंचल के अंतर्गत आने वाले मौजा करमाटांड़ में उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब एक विवादित भूमि पर स्वास्थ्य उप-केंद्र के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। खास बात यह रही कि इस शिलान्यास कार्यक्रम में किसी भी स्थानीय जनप्रतिनिधि को आमंत्रित नहीं किया गया। ग्रामीणों के अनुसार, संवेदक (ठेकेदार) ने खुद अपने हाथों से नारियल फोड़कर आनन-फानन में निर्माण कार्य की शुरूआत कर दी, जिसका स्थानीय रैयतों ने कड़ा विरोध किया है।अंचल अधिकारी ने किया मुआयना मामले की गंभीरता को देखते हुए अंचल अधिकारी धर्मेंद्र दुबे ने स्वयं मौके पर पहुंचकर भूमि का जायजा लिया। जमीन के रिकॉर्ड को लेकर अंचल अधिकारी का कहना है कि हालिया खाता (वर्तमान सरकारी अभिलेखों) के अनुसार यह भूमि सरकारी (बिहार/झारखंड सरकार द्वारा अधिकृत) दर्ज है। वहीं दूसरी ओर, भूमि पर अपना दावा ठोक रहे दावेदारों का कहना है कि यह उनकी पुश्तैनी और रैयती जमीन है।100 वर्षों से कब्जे और सिविल कोर्ट का हवालाभू मि के दावेदारों (वैध उत्तराधिकारियों) ने अंचल अधिकारी को एक लिखित आवेदन सौंपकर कार्य रोकने की मांग की है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि मौजा-करमाटांड़ (मौजा संख्या-175, हल्का संख्या-06) के खाता संख्या-86 और प्लॉट संख्या-168 (रकबा-87 डिसमिल) की यह भूमि उनके पूर्वजों को तत्कालीन राजा द्वारा 01.01.1946 से पूर्व ही प्रदान की गई थी। इस भूमि पर उनका परिवार पिछले लगभग 100 वर्षों से लगातार खेती-बाड़ी कर रहा है।दावेदारों ने सिविल कोर्ट के कानूनी प्रक्रिया का हवाला देते हुए प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि त्रुटिवश इस रैयती भूमि को सरकारी दस्तावेज में दर्ज कर लिया गया है, जिसकी सुधार प्रक्रिया और जांच लंबित है। बिना उनकी सहमति और बिना किसी कानूनी भूमि अधिग्रहण के उनकी पुश्तैनी जमीन पर जबरन निर्माण कराया जा रहा है, जो पूरी तरह अनुचित है।भू-धारियों ने खुद को बताया भूमिहीन विरोध कर रहे परिवारों का कहना है कि उनके पास इसके अलावा कोई अन्य भूमि नहीं है। उन्होंने दावा किया कि वे भूमिहीन हैं और इसी जमीन पर वे अपने रहने के लिए घर, मकान और शौचालय निर्माण की योजना बना रहे थे। ऐसे में अस्पताल का निर्माण उनके जीवनयापन के अधिकार को छीन रहा है।प्रशासन के रुख पर टिकी नजरें जनता और रैयतों के इस भारी विरोध के बाद अब यह देखना दिलचस्प होगा कि स्थानीय प्रशासन जनता के हित और कानूनी साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए क्या कदम उठाता है। क्या प्रशासन रैयतों के दावों और कोर्ट के हवाले का सम्मान करते हुए जांच कराएगा, या फिर सरकारी आदेशों के तहत निर्माण कार्य जारी रहेगा? यह आने वाला समय ही बताएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस किया पौधा रोपण , पर्यावरण संरक्षण के लिए युवाओं को जागरूक करना जरूरी : अभिषेक कुमार डीएफओ।

देवघर,: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देवघर वन विभाग द्वारा ए.एस. महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत वन प्रमंडल पदाधिकारी डीएफओ अभिषेक कुमार द्वारा पौधारोपण कर की गई। उन्होंने पौधे की सिंचाई कर लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संदेश दिया।

इसके बाद आयोजित सम्मान समारोह का उद्घाटन डीएफओ अभिषेक कुमार, वन क्षेत्र पदाधिकारी एस.डी. सिंह, ए.एस. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. टी पी सिंह एवं पर्यावरणविद् रजत मुखर्जी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम के दौरान वन विभाग द्वारा पिछले एक सप्ताह से आयोजित चित्रांकन, निबंध लेखन एवं प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डीएफओ अभिषेक कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वन विभाग बच्चों और युवाओं में प्रकृति के प्रति लगाव बढ़ाने के लिए लगातार रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब आने वाली पीढ़ी पर्यावरण के प्रति जागरूक होगी, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित और संरक्षित रह सकेगा।

कार्यक्रम में शिक्षकों, विद्यार्थियों, वन विभाग के अधिकारियों एवं पर्यावरण प्रेमियों ने भाग लिया तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

नेशनल हाईवे में नागफेनी स्थित कोईल नदी के पुल के पास से दिनदहाड़े हो रही है बालू की चोरी,दोबारा पुल टूटने का खतरा

गुमला:-गुमला जिले के नेशनल हाईवे में नागफनी स्थित कोईल नदी के पुल के पास से दिनदहाड़े बालू की चोरी हो रही है।बालू माफिया नदी के बालू को ट्रैक्टर में भरकर उठा रहे हैं और पास के ईंट भट्ठे के नजदीक में डंप करके बेच रहे हैं। पुल के पास से लगातार हो रही बालू की चोरी के कारण पुल के टूटने का खतरा बढ़ जा रहा है। ज्ञात हो कि लगभग 1 साल से नवनिर्मित कोईल नदी का पुल प्रयोग नहीं लाया जा रहा है। इसका एक पिलर धंसने के कारण उसमें से आवाजाही बंद कर दी गई है। लेकिन उसके बावजूद उसके पास से ही लगातार बालु का उठाव और चोरी होने से पुल के दोबारा टूटने का खतरा बढ़ जा रहा है। जबकि बालू माफिया दिनदहाड़े नेशनल हाईवे के बगल से ही बेधड़क बालु को उठाव कर रहे हैं अगर जल्द ही प्रशासन के द्वारा इस पर कोई कदम नहीं उठाया गया तो कोईल नदी के पुल पर खतरा फिर से मंडराने लगेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन

शिकारीपाड़ा/दुमका/ रफ्तार मीडिया। ललित कुमार पाल।

दिनांक 5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस की महत्ता को देखते हुए ग्रीष्मावकाश के बावजूद शिकारीपाड़ा महाविद्यालय परिवार के अनेक सदस्य इस दिवस को मनाने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ अनुराधा की देखरेख में महाविद्यालय के प्रांगण में एकत्रित हुए हैं। इस अवसर पर प्राचार्य की अध्यक्षता में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य श्री सिकंदर प्रसाद सिंह ने बतलाया कि यह दिवस हर वर्ष 5 जून को मनाया जाता है।इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है और आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण को सुरक्षित और स्वास्थ्य के अनुकूल बना कर रखना है क्योंकि सुरक्षित और स्वस्थ पर्यावरण ही हमारे जीवन का आधार है। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ.अनुराधा ने बतलाया कि पर्यावरण दिवस मनाने का हमारा मुख्य उद्देश्य पर्यावरण और प्रकृति के प्रति हम सबों में जिम्मेदारी का भाव विकसित करना है तथा लोगों में पर्यावरण की समस्या तथा इसके समाधान के प्रति सचेत करना है।स्वच्छ वायु ,शुद्ध जल, उपजाऊ भूमि ,वन तथा जैव विविधता हमारे जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु तीव्र औद्योगिकरण, शहरीकरण ,प्रदूषण तथा प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण हमारा पर्यावरण गंभीर संकट का सामना कर रहा है ।विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण की रक्षा प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण ,जल संरक्षण, प्लास्टिक के उपयोग में कमी , स्वच्छता ,तथा प्रदूषण के रोकथाम का प्रयास आदि छोटे-छोटे कदम भी पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।इस अवसर पर प्राचार्य महोदय ने परिसर में औषधीय पौधा लगाकर,डॉ अनुराधा ने फलदार वृक्ष लगाकर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प दोहराया। अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार साझा किए।इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के प्रो.सपन दान,प्रो. प्रवीण सिन्हा,हबीब अंसारी,दीपक पाल,मेरी आदि तथा छात्र छात्राओं में सुषमाकुमारी,तापस पाल,विकाश पाल,अनमोल रवि टुडू,अरुण मरांडी, ब्यूटी मरांडी, लीलमुनि हेम्ब्रम आदि ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

दुमका के होटलों में सुरक्षा भगवान भरोसे, दिल्ली अग्निकांड से भी नहीं लिया सबक

दुमका- दिल्ली के हालिया भीषण होटल अग्निकांड के बाद भी दुमका के होटल संचालक सबक लेने को तैयार नहीं हैं। जिला प्रशासन और अग्निशमन विभाग की संयुक्त जांच में शहर के दो प्रमुख होटलों में सुरक्षा संबंधी गंभीर लापरवाही उजागर हुई है, जिससे यहां ठहरने वाले यात्रियों की जान सीधे तौर पर जोखिम में है।थाना रोड स्थित होटल रॉयल मैजिस्टिक के निरीक्षण में पाया गया कि वहां लगे फायर अलार्म सिस्टम और अग्निशामक यंत्र एक्सपायर्ड हो चुके थे। इसके अलावा, आपात स्थिति में सतर्क करने वाला स्मोक डिटेक्टर भी बंद पड़ा था। वहीं, होटल सूर्या की स्थिति और भी खराब मिली, जहां आग बुझाने के लिए जरूरी स्प्रिंकलर सिस्टम ही गायब था। इस होटल के पास न तो फायर अलार्म था, न विभाग की एनओसी और न ही कोई सुरक्षा एडवाइजरी।आपात स्थिति से निपटने के पुख्ता इंतजाम न होने के कारण प्रशासन ने इसे बेहद गंभीर माना है। इस औचक निरीक्षण के दौरान एसडीओ कौशल कुमार, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी शीतांशु खलको, सदर डीएसपी दिलीप खालको और अग्निशमन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन अब इन लापरवाह होटल संचालकों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी में है।

धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प: विश्व पर्यावरण दिवस पर चित्तरंजन-मिहिजाम में पुलिस-प्रशासन से लेकर संस्थाओं तक ने चलाया पौधरोपण व स्वच्छता अभियान

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
मिहिजाम

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को चित्तरंजन और मिहिजाम क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक पौधरोपण और स्वच्छता अभियान चलाया गया। पुलिस-प्रशासन से लेकर सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। चित्तरंजन और मिहिजाम के विभिन्न थानों, चौकियों, रेल नगरी और प्रशासनिक कार्यालय परिसरों में पुलिस प्रशासन, अधिकारी, पदाधिकारी द्वारा सामूहिक पौधरोपण किया गया। अधिकारियों और जवानों ने नीम, पीपल, आम और गुलमोहर के दर्जनों पौधे लगाकर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया। थानाध्यक्षों ने कहा कि हरियाली ही जीवन है और हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। दूसरी ओर, कई सरकारी स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संगठनों और क्लबों ने भी कार्यक्रम आयोजित किए। संस्थाओं के सदस्यों ने आसपास के सार्वजनिक स्थलों, पार्कों और सड़क किनारे सफाई अभियान चलाया। प्लास्टिक कचरा हटाकर झाड़ू लगाई गई और स्वच्छता से ही स्वस्थ पर्यावरण का नारा दिया गया। इसके बाद सभी ने मिलकर फलदार और छायादार पौधे रोपे। कुछ जगहों पर स्कूली बच्चों ने पोस्टर-बैनर के साथ पर्यावरण जागरूकता रैली भी निकाली। बच्चों ने पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ और प्लास्टिक हटाओ, धरती बचाओ जैसे नारे लगाकर लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने एक स्वर में कहा कि केवल एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करना होगा। वृक्षारोपण और साफ-सफाई को अपनी दिनचर्या में शामिल कर ही आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य दिया जा सकता है।

साइक्लोथॉन रैली से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, बच्चों व युवाओं ने दिखाई जागरूकता

झुमरी तिलैया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कौंडिन्या पब्लिक स्कूल, झुमरी तिलैया के इको क्लब द्वारा साइक्लोथॉन-2026 का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस रैली में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक रोड स्थित चिल्ड्रन पार्क से हुआ। विद्यालय के अध्यक्ष एवं पूर्व डीआईजी राजीव रंजन सिंह ने एक नन्हे बच्चे के हाथों हरी झंडी दिखाकर साइक्लोथॉन रैली को रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य लोगों को साइकिल अपनाओ, तेल बचाओ, पर्यावरण बचाओ और युवा पीढ़ी को मजबूत बनाओ का संदेश देना है। कार्यक्रम की थीम राइड टुडे फॉर ए बेटर टुमॉरो रखी गई थी। राजीव रंजन सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में पूरा विश्व प्रदूषण, पर्यावरणीय असंतुलन और जीवाश्म ईंधनों पर बढ़ती निर्भरता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में साइकिलिंग को बढ़ावा देना समाज को जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाना शर्म नहीं, बल्कि गर्व और सम्मान की बात है। विश्व के कई देशों में साइकिलिंग को सम्मानजनक जीवनशैली माना जाता है और भारत के युवाओं में भी ऐसी सोच विकसित होनी चाहिए। रैली चिल्ड्रन पार्क से प्रारंभ होकर झंडा चौक और स्टेशन रोड होते हुए लगभग 10 किलोमीटर की दूरी तय कर विद्यालय परिसर पहुंची। विशेष बात यह रही कि राजीव रंजन सिंह स्वयं भी प्रतिभागियों के साथ साइकिल चलाते नजर आए। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली से जुड़े संदेश दिए।इको क्लब द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में "बी फिट, बी ग्रीन, बी रिस्पॉन्सिबल" का नारा दिया गया। प्रतिभागियों ने साइकिल चलाकर स्वच्छ, हरित और स्वस्थ भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।विद्यालय के प्राचार्य संजय सिन्हा ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य ईंधन की खपत कम करना, वायु प्रदूषण को घटाना तथा साइकिल को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोग साइकिल का उपयोग करें तो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ बेहतर स्वास्थ्य भी प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान राजीव रंजन सिंह ने लोगों से एक स्वच्छ, हरित और स्वस्थ कल के लिए पैडल चलाने" का आह्वान किया। विद्यालय प्रबंधन ने अभिभावकों, स्थानीय नागरिकों एवं प्रशासन से पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज ने विश्व पर्यावरण दिवस 2026 को जागरूकता कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के साथ मनाया

ENVIRONMENT DAY

गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, बड़े उत्साह के साथ विश्व पर्यावरण दिवस 2026 मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करना और एक हरे-भरे एवं स्वस्थ भविष्य के लिए जिम्मेदार कार्यों को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य डॉ. शिबा नारायण साहू और संस्थान के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अजीत कुमार शुक्ल द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। बेसिक साइंस एवं ह्यूमैनिटीज (BSH) विभाग के प्रमुख शुभम झा ने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व, पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों और सतत जीवनशैली अपनाने के उपायों पर विस्तृत पावरपॉइंट प्रस्तुति दी। अपनी प्रस्तुति में, उन्होंने जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जैव विविधता के नुकसान और पर्यावरण संरक्षण के आवश्यक कदमों के बारे में जागरूकता फैलाई। सभा को संबोधित करते हुए, प्राचार्य डॉ. शिबा नारायण साहू ने पर्यावरण की देखभाल की आवश्यकता पर बल दिया और छात्रों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया, जो पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

संस्थान के निदेशक श्री अभिजीत कुमार ने ऑनलाइन कार्यक्रम में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर अपना संदेश दिया। उन्होंने पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों के आयोजन और उनमें भाग लेने के प्रयासों की प्रशंसा की। इस अवसर पर, सामान्य ज्ञान, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनका उद्देश्य छात्रों को पर्यावरणीय मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करने और जागरूकता फैलाने का अवसर प्रदान करना था। विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेता:
प्रथम पुरस्कार: आयुष कुमार (सिविल)
द्वितीय पुरस्कार: आशुतोष कुमार (सिविल)
तृतीय पुरस्कार (संयुक्त विजेता): स्नेहल आर्यन श्रीवास्तव (बीसीए) और विवेक बाराइक (मैकेनिकल)

चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता:
प्रथम पुरस्कार: नूतन कुमारी (मैकेनिकल)
द्वितीय पुरस्कार: आशीष किंडो (सिविल)
तृतीय पुरस्कार (संयुक्त विजेता): राजनंदनी कुमारी (सिविल) और विवेक बाराइक (मैकेनिकल)

भाषण प्रतियोगिता के विजेता:
प्रथम पुरस्कार: स्नेहल आर्यन श्रीवास्तव (बीसीए)
द्वितीय पुरस्कार: विवेक बाराइक (मैकेनिकल)
तृतीय पुरस्कार (संयुक्त विजेता): राजनंदनी कुमारी (सिविल) और रोहिणी बेक (सिविल)

प्रतिभागियों की रचनात्मकता और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के प्रति उनके समर्पण की भी सराहना की गई। इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन सार्थक और प्रभावशाली बना।

स्पेशल पाक्सो कोर्ट ने मिथुन रजवार को रिहा किया

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

बोकारो के स्पेशल पाक्सो कोर्ट के न्यायाधीश देवेश कुमार त्रिपाठी ने पोक्सो केस 06/2025 के आरोपी अभियुक्त मिथुन रजवार को साक्ष्य के अभाव में रिहा कर दिया। अभियुक्त मिथुन रजवार पर उसके गाँव के ही किशोरी ने पेटरवार थाना क्षेत्र के कोहे गांव में मारपीट, धमकी और अकेले पाकर छेड़खानी का आरोप लगाते हुए पेटरवार थाना कांड संख्या 182/24 दर्ज कराई थी।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के साथ भाजपा ने किया पौधारोपण, भाजपा कार्यकताओं ने पर्यावरण संरक्षण का लिया प्रण

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिला अध्यक्ष सुमित शरण ने किया, जिसमें मुख्य रूप से जिला प्रभारी प्रदीप साहू उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यालय परिसर में फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रभारी प्रदीप साहू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने एक पेड़ मां के नाम अभियान को पूरे देश में चलाने का संकल्प लिया है। इसी के तहत जामताड़ा जिला कार्यालय से इस अभियान की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण आवश्यक है। आज जो पर्यावरण दूषित हो रहा है, उसे सुधारने के लिए हर नागरिक को आगे आकर पेड़ लगाना और उनका संरक्षण करना चाहिए। जिलाध्यक्ष सुमित शरण ने कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता को लेकर पार्टी लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि जिला कार्यालय के साथ-साथ सभी मंडलों और बूथ स्तर पर भी कार्यकताओं द्वारा वृक्षारोपण किया जा रहा है।

गांडेय थाना परिसर में पुलिस ने किया पौधारोपण

रफ्तार मीडिया सवाददाता राजु मंडल गांडेय।

गांडेय.विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को गांडेय पुलिस प्रशासन द्वारा थाना परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और जवानों ने संयुक्त रूप से विभिन्न प्रकार के फलदार और छायादार पौधे लगाए और आम लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। ?पौधरोपण कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित इंस्पेक्टर कमलेश पासवान, थाना प्रभारी आनंद प्रकाश सिंह, प्रभारी थाना प्रभारी अमित कुमार चौधरी और एसआई मणीलाल सिंह समेत पुलिस बल के जवानों ने मिट्टी खोदकर पौधे रोपे और उन्हें सींचा। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। पुलिस प्रशासन की इस सराहनीय पहल की स्थानीय लोगों ने खूब सराहना की है। दिखावे का न बने पौधरोपण, सुरक्षा घेरा भी है जरूरी। दूसरी ओर, पौधरोपण की इस मुहिम की सराहना करते हुए रफ्तार मीडिया ने एक बेहद महत्वपूर्ण और व्यावहारिक मुद्दे की ओर ध्यान आकर्षित किया है। रफ्तार मीडिया के प्रतिनिधि ने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि पर्यावरण दिवस या अन्य अवसरों पर बड़े उत्साह के साथ पौधे तो लगा दिए जाते हैं, लेकिन उचित घेराबंदी (ट्री-गार्ड) न होने के कारण वे पौधे लावारिस पशुओं का चारा बन जाते हैं। उन्होंने पौधरोपण करने वाली तमाम संस्थाओं, प्रशासनिक अधिकारियों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे केवल पौधा लगाकर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री न कर लें। पौधा तभी लगाएं, जब उसकी सुरक्षा के लिए पुख्ता घेराबंदी की व्यवस्था हो या वे खुद इसकी जिम्मेदारी लें।

जामताड़ा में आत्मनिर्भरता की नई उड़ान बिरसा हरित ग्राम योजना के उत्पादों को मिला सीधा बाजार

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :

जामताड़ा ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण, महिला सशक्तिकरण और किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलाने की दिशा में जामताड़ा जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी , मनरेगा और किसान उत्पादक संगठनों के संयुक्त प्रयास से जिला समाहरणालय परिसर में दीदी कैफे के समीप आम विक्रय केंद्र एवं लेयर बर्ड यूनिट से उत्पादित अंडों की बिक्री हेतु विशेष स्टॉल का उद्घाटन किया गया। शुक्रवार को उपायुक्त आलोक कुमार एवं उप विकास आयुक्त असीम किस्पोट्टा ने फीता काटकर इस केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर समाहरणालय परिसर में लगाए गए अंडा विक्रय कैनोपी ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। प्रशासन की ओर से बताया गया कि बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत लाभुक किसानों द्वारा उत्पादित आम को पलाश और अपना मार्ट के माध्यम से सीधे बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है।इसके तहत आम्रपाली, मालदा और मल्लिका जैसी प्रमुख किस्मों को जिले के छह प्रखंडों में स्थापित स्टॉलों के माध्यम से बेचा जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बिचौलियों की भूमिका समाप्त कर किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। इस पूरे अभियान में सखी मंडल की दीदियां अहम भूमिका निभा रही हैं, जो सीधे किसानों और स्वयं सहायता समूहों से उत्पाद खरीदकर उपभोक्ताओं तक पहुंचा रही हैं।इससे जहां उपभोक्ताओं को ताजे और शुद्ध उत्पाद मिल रहे हैं, वहीं सखी मंडल की महिलाओं को विपणन, व्यवसाय प्रबंधन और उद्यमिता का व्यावहारिक अनुभव मिल रहा है, जिससे उनका आत्मविश्वास और आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ रही है।कार्यक्रम को सफल बनाने में जेएसएलपीएस टीम, बीपीएम शफीक अंसारी, समन्वयक इकबाल अहमद और अन्य कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह पहल जामताड़ा में ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर मानी जा रही है।

हरित भविष्य की ओर हजारीबाग का कदम

रफ़्तार मिडिया हजारीबाग सुमन सिन्हा

हजारीबाग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शहर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस क्रम में विधायक प्रदीप प्रसाद के जनसेवा कार्यालय परिसर में हरियाली महोत्सव-2026 का आयोजन किया गया, जहां जिले को और अधिक हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से व्यापक पौधारोपण अभियान की शुरूआत हुई। कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रदीप प्रसाद ने आगामी दिनों में जिले भर में एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए नागरिकों से भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि हजारीबाग अपनी प्राकृतिक संपदा और हरियाली के लिए देशभर में अलग पहचान रखता है। इस पहचान को बनाए रखने और मजबूत करने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी उठानी होगी। उनके अनुसार केवल पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक अपने जीवन में कम से कम एक पौधे का संरक्षण सुनिश्चित करे तो पर्यावरण संबंधी कई समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता पर भी बल दिया। विधायक श्री प्रसाद लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनके नेतृत्व में जिले के विभिन्न हिस्सों में नियमित रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं, जिससे लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी है और हरित क्षेत्र का विस्तार हुआ है। कार्यक्रम में पर्यावरणविदों, सामाजिक कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। सभी ने पौधारोपण कर हजारीबाग को स्वच्छ, हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने का संकल्प लिया।

नन्हे हरित प्रहरी बने पर्यावरण के रक्षक, डीएवी पब्लिक स्कूल गुमो सतपुलिया में विश्व पर्यावरण दिवस पर विविध कार्यक्रम

PUBLIC SCHOOL

झुमरी तिलैया विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डीएवी पब्लिक स्कूल, गुमो सतपुलिया में पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता को लेकर विविध कार्यक्रमों का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम, जिम्मेदारी और संरक्षण की भावना विकसित करना था।इस अवसर पर नन्हे विद्यार्थियों ने औषधीय पौधे, स्नेक प्लांट, पुष्पीय पौधे तथा अन्य सजावटी वृक्षों का रोपण किया। बच्चों ने अपने अभिभावकों के सहयोग से घरों के आसपास भी पौधे लगाकर हरित एवं स्वच्छ वातावरण का संदेश दिया। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने के लिए विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर वृक्षों की रक्षा एवं वनों की कटाई रोकने का संकल्प लिया। सभी बच्चों ने पृथ्वी को हरा-भरा और प्रदूषणमुक्त बनाने की शपथ भी ली।

कक्षा तृतीय से पंचम तक के विद्यार्थियों के लिए स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण, पृथ्वी बचाओ, वृक्ष बचाओ और हरित भविष्य जैसे विषयों पर प्रेरणादायक स्लोगन लिखकर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने आकर्षक एवं संदेशपूर्ण चित्रों के माध्यम से प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया।सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत यूकेजी के छात्र स्वयम, याशिका और मानवी तथा कक्षा द्वितीय की छात्रा दिव्यांशी ने पर्यावरण संरक्षण पर सुंदर कविताओं की प्रस्तुति दी। वहीं आदर्श कुमार चौधरी, हर्ष कुमार एवं अन्य विद्यार्थियों ने प्रभावशाली भाषण देकर वृक्षों के महत्व और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

विद्यार्थियों ने अपने आसपास की साफ-सफाई कर स्वच्छता एवं प्रदूषण नियंत्रण का संदेश दिया तथा पर्यावरण अनुकूल आदतें अपनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी डॉ. प्रबीर हाजरा ने कहा कि बच्चों द्वारा प्रकृति की रक्षा के लिए उठाया गया प्रत्येक छोटा कदम पृथ्वी के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में बड़ा योगदान है। उन्होंने अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। साथ ही विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।विद्यालय के प्रबंधक कृष्ण कुमार सिंह ने विद्यार्थियों के पर्यावरण संरक्षण संबंधी प्रयासों और संकल्पों की सराहना करते हुए उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने तथा प्रकृति संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा दी।शिक्षिका प्रभारी श्वेता सिंह ने सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के सफल संचालन में संध्या कुमारी, पवन कुमार एवं कुमार आदित्य का विशेष योगदान रहा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जामताड़ा रेलवे परिसर में आरपीएफ अधिकारियों और जवानों ने लगाए पौधे, लिया पर्यावरण बचाने का संकल्प

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को रेलवे सुरक्षा बल जामताड़ा द्वारा रेलवे परिसर में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आरपीएफ थाना परिसर एवं जामताड़ा रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर चीफ हेल्थ इंस्पेक्टर पी.सी. भास्कर, स्टेशन प्रबंधक सुरेंद्र पासवान, आरपीएफ सब इंस्पेक्टर सौरभ कुमार, आईओडब्ल्यू कर्मी सुधीर कुमार सहित बड़ी संख्या में आरपीएफ के अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। सभी ने मिलकर परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चीफ हेल्थ इंस्पेक्टर पी.सी. भास्कर ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ, सुरक्षित और संतुलित बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि बदलते पर्यावरणीय हालात हमें प्रकृति के प्रति अधिक गंभीर होने की आवश्यकता का संकेत देते हैं।उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी देखभाल सुनिश्चित करें। उन्होंने वृक्षारोपण को पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए पीपल के वृक्ष का विशेष रूप से उल्लेख किया। भास्कर ने कहा कि पीपल का वृक्ष निरंतर ऑक्सीजन प्रदान कर जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है, इसलिए इसका संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि वे जीवनभर पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के कार्यों से जुड़े रहने का संकल्प लेते हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोगों को हरित वातावरण के निर्माण के लिए प्रेरित किया और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया है।

बेलगड़िया पुनर्वास स्थल में नए उपडाकघर का उद्घाटन, सांसद ढुल्लू महतो ने गिनाईं उपलब्धियां

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादः झरिया अग्नि प्रभावित क्षेत्र से विस्थापित होकर बेलगड़िया पुनर्वास स्थल में रह रहे परिवारों को बेहतर सुविधाएं देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। बेलगड़िया में नए उपडाकघर का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि धनबाद सांसद ढुल्लू महतो और डाक विभाग के प्रमंडलीय अध्यक्ष राजीव रंजन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर विस्थापित परिवारों ने सांसद का जोरदार स्वागत किया।स्थानीय स्तर पर मिलेंगी बैंकिंग और डाक सेवाएंः सांसदसमारोह को संबोधित करते हुए सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि बेलगड़िया में उपडाकघर खोलने की मांग को लेकर उन्होंने केंद्रीय मंत्री से कई बार व्यक्तिगत आग्रह किया था। उन्होंने कहा, "अब डाकघर शुरू होने से स्थानीय लोगों को डाक एवं बैंकिंग संबंधी सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्हें अपने क्षेत्र में ही सभी जरूरी सुविधाएं मिल सकेंगी।"सांसद ने गिनाईं दो वर्षों की उपलब्धियांइस अवसर पर सांसद ने अपने दो वर्षों के कार्यकाल का लेखा-जोखा भी जनता के सामने रखा। उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों से धनबाद लोकसभा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास योजनाएं धरातल पर उतरी हैं। इनमें प्रमुख रूप से गया पुल का निर्माण, मटकुरिया फ्लाईओवर का तेजी से चलता काम, रेडियो स्टेशन की शुरूआत, गोविंदपुर और निरसा में जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए एलिवेटेड फ्लाईओवर की पहल तथा धनबाद को सात नई ट्रेनों की सौगात मिलना शामिल हैं।बचत योजनाओं का मिलेगा लाभः राजीव रंजनडाक विभाग के प्रमंडलीय अध्यक्ष राजीव रंजन ने कहा कि बेलगड़िया में एक बड़ी आबादी निवास करती है। इस उपडाकघर के खुलने से लोगों को बुनियादी डाक सेवाओं के साथ-साथ केंद्र सरकार की विभिन्न बचत योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा, जिससे स्थानीय लोगों में बचत के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।

हरित संकल्प के साथ संपन्न हुआ चिरेका का पर्यावरण अभियानः महाप्रबंधक मोहित चंद्रा ने दिलाई शपथ, पौधरोपण से दिया हरियाली का संदेश

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना में 15 मई से शुरू हुए विश्व पर्यावरण दिवस अभियान का भव्य समापन गुरुवार 5 जून 2026 को हुआ। तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र के बधवार हॉल में आयोजित समारोह में महाप्रबंधक मोहित चंद्रा ने दीप प्रज्वलित कर पर्यावरण सेमिनार का शुभारंभ किया।

ग्लोबल वार्मिंग का निदान हरित प्रयासों से संभवः महाप्रबंधक
मुख्य अतिथि महाप्रबंधक मोहित चंद्रा ने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर पूरा विश्व जागरूक है। हम सभी की जिम्मेदारी है कि हरित और स्वच्छ पर्यावरण के लिए ईमानदार प्रयास करें, ताकि ग्लोबल वार्मिंग जैसी वैश्विक समस्या का समाधान हो सके। उन्होंने कर्मचारियों से दैनिक जीवन में पर्यावरण हितैषी आदतें अपनाने का आह्वान किया। समारोह में 15 मई से 5 जून तक चलाए गए विविध कार्यक्रमों की प्रस्तुति स्क्रीन पर दी गई। नुक्कड़ नाटक, जागरूकता रैली, स्वच्छता अभियान और क्विज जैसी गतिविधियों से कर्मचारियों को जोड़ा गया था। महाप्रबंधक ने उपस्थित सभी वरीय अधिकारियों और कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। सभी ने पर्यावरण बचाने का संकल्प दोहराया। इसके बाद महाप्रबंधक सहित वरीय अधिकारियों ने परिसर में पौधरोपण कर हरियाली का संदेश दिया। चिरेका प्रशासन ने आगे भी पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों को जारी रखने का भरोसा दिया। समारोह में बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

विवादित भूमि को लेकर भूमाफिया दे रहे हैं गोली मारने की धमकी, एसडीएम ने नहीं लिया संज्ञान

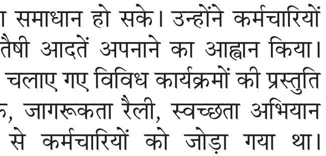

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

9 एकड़ जमीन का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। चूंकि दादा परदादा ने जमीन बेचा नाती ने कहा जमीन नहीं देंगे, जमीन पर जाओगे तो गोली खाओगे । इस बीच विवादित भूमि को लेकर न्याय की मांगने जब बाउरी परिवार चास एसडीएम के पास गया तो एसडीएम ने मिलने से इंकार कर

विश्व पर्यावरण दिवस पर गांधी मैदान, ब्लड बैंक परिसर सहित सभी वार्डो में हुआ पौधारोपण कर ग्रीन जामताड़ा बनाने का लिया संकल्प

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जामताड़ा नगर पंचायत की ओर से गांधी मैदान में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा स्वच्छ, सुंदर और हरित जामताड़ा के निर्माण के लिए जनभागीदारी को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष आशा गुप्ता, कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खण्डैत, समाजसेवी तरुण कुमार गुप्ता, राजा नित्य गोपाल सिंह, राजेंद्र राउत, अधिवक्ता मोहनलाल वर्णन सहित सभी वार्ड पार्षद एवं नगर पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान गांधी मैदान एवं जामताड़ा ब्लड बैंक परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष आशा गुप्ता सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने स्वच्छ जामताड़ा, सुंदर जामताड़ा और ग्रीन जामताड़ा बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।उपस्थित लोगों से भी अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की गई। नगर पंचायत अध्यक्ष आशा गुप्ता ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराता है। उन्होंने कहा कि ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान लोगों को भावनात्मक रूप से पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

हर नागरिक को पौधे लगाने के साथ-साथ उनके संरक्षण का भी संकल्प लेना चाहिए, तभी शहर वास्तव में हरित और स्वच्छ बन सकेगा। कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खण्डैत ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच पौधारोपण अत्यंत आवश्यक हो गया है। नगर पंचायत क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि लोगों के सहयोग से जामताड़ा को स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल शहर बनाने का लक्ष्य अवश्य पूरा होगा। समाजसेवी तरुण कुमार गुप्ता ने कहा कि पेड़-पौधे जीवन का आधार हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे तो यह अभियान जन आंदोलन का रूप ले सकता है।

वृद्धाश्रम में विधिक सहायता हेल्प डेस्क का हुआ आयोजन, वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगी नि :शुल्क कानूनी जानकारी

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :

जिला विधिक सेवा प्राधिकार जामताड़ा के तत्वावधान में शुक्रवार को दुमका रोड स्थित वृद्धाश्रम में विधिक सहायता एवं जागरूकता के उद्देश्य से हेल्प डेस्क का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी उपलब्ध कराना तथा उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता से जोड़ना है। कार्यक्रम के दौरान डीएलएसए के अधिकार मित्र विश्वजीत पाल, शबाना यासमीन एवं सुमन टुडू ने वृद्धजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए आवश्यक कानूनी परामर्श प्रदान किया। उन्होंने उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को उनके संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। अधिकार मित्रों ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण और कल्याण के लिए विभिन्न कानूनी प्रावधान बनाए गए हैं, जिनका लाभ जरूरतमंद वृद्धजन प्राप्त कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिक जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने के पात्र हैं। कार्यक्रम में वृद्धजनों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी गई। इनमें वृद्धावस्था पेंशन योजना, आयुष्मान भारत योजना, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपलब्ध अन्य सुविधाएं शामिल हैं। अधिकारियों ने वृद्धजनों से आग्रह किया कि किसी भी प्रकार की कानूनी, सामाजिक या प्रशासनिक समस्या होने पर वे डीएलएसए से संपर्क करें। हेल्प डेस्क के माध्यम से अब वृद्धाश्रम में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों को नियमित रूप से विधिक परामर्श, शिकायतों के निस्तारण और सरकारी योजनाओं से जोड़ने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।कार्यक्रम के अंत में वृद्धजनों ने इस पहल का स्वागत करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि यह पहल वरिष्ठ नागरिकों को न्याय और अधिकारों तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने

रामगढ़ में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृहद वृक्षारोपण अभियान, अधिकारियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रामगढ़ जिला संवाददाता डीके राठौर

रामगढ़। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नमामि गंगे योजना के तहत थाना चौक स्थित दामोदर नदी घाट पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लेकर पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम का नेतृत्व उपायुक्त ऋतुराज ने किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत, वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार, छावनी परिषद के सीईओ विवेक सिंह सहित कई जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने लोगों से "एक पेड़ माँ के नाम" लगाने की अपील करते हुए कहा कि केवल पौधा लगाना ही नहीं, बल्कि उसकी सुरक्षा और देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी है। वहीं वन प्रमंडल पदाधिकारी ने बढ़ते तापमान और बदलते मौसम को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए पर्यावरण संरक्षण को सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बताया।

कार्यक्रम के दौरान 50 पौधे लगाए गए तथा उनकी सुरक्षा के लिए 50 मजबूत गेबियन ट्री-गार्ड भी लगाए गए। इसके अलावा पर्यावरण जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया, जिसमें कलाकारों ने पेड़ों के महत्व, जल संरक्षण और प्लास्टिक उन्मूलन का संदेश दिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न सरकारी कार्यालयों में भी पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर खैरतुंड-बरवाअड्डा रोड लिमिटेड और एनएच कर्मियों का हरित अभियान

जितेंद्र कुमार दास/रफ्तार मीडिया

तोपचांचीः विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को तोपचांची प्रखंड के कबिरडीह क्षेत्र में खैरतुंड-बरवाअड्डा रोड लिमिटेड एवं नेशनल हाईवे (एनएच) कर्मियों द्वारा विशेष पौधारोपण अभियान चलाया गया। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प के साथ आयोजित इस अभियान में अधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 200 पौधे लगाए गए तथा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत एक पौधा माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर की गई। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी माताओं के सम्मान में पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प लिया। अभियान का उद्देश्य केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं था, बल्कि लोगों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना विकसित करना भी था। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ता प्रदूषण, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे में अधिक से अधिक पौधे लगाकर ही पर्यावरण संतुलन को बनाए रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे न केवल वातावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता के संरक्षण और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अधिकारियों ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और उन्हें निभाने का अवसर है। उन्होंने लोगों से अपने घर, गांव, कार्यालय और सार्वजनिक स्थलों पर पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की।

साथ ही यह भी कहा कि पौधारोपण तभी सफल माना जाएगा जब लगाए गए पौधे बड़े होकर वृक्ष का रूप धारण करें। कार्यक्रम में शामिल कर्मियों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए आज से ही ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर लगाए गए पौधों की सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था करने तथा समय-समय पर उनकी निगरानी करने का भी निर्णय लिया गया।

पौधारोपण अभियान में मैनेजर टेक आदित्य प्रकाश, साइट इंजीनियर अमन उपाध्याय, रेजिडेंट इंजीनियर सौरव सुमन, सेफ्टी ऑफिसर रोहित चौबे, बागवानी पर्यवेक्षक अभिषेक कुमार, एलए सपोर्ट शैलेंद्र दास, आईटी सहायक प्रांजल टंडन, देवदत्त रॉय, सिद्धार्थ गौतम, चंदन कुमार, कृष्ण कुमार, रोशन कुमार एवं रंजन कुमार दास सहित बड़ी संख्या में एनएच कर्मी और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिंदल स्टील पतरातू में विश्व पर्यावरण दिवस पर भव्य आयोजन, 100 फलदार पौधे लगाए

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिंदल स्टील एंड पावर (जेएसपीएल) पतरातू में बुधवार को एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्लांट प्रमुख के. बी. सिंह के नेतृत्व में एक विशाल पर्यावरण संरक्षण जागरूकता रैली निकालकर किया गया। इस रैली में कंपनी के अधिकारियों, कर्मचारियों, स्कूली बच्चों और स्थानीय ग्रामीणों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और गगनभेदी नारों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया।

?रैली के समापन के बाद जिंदल परिसर में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया, जिसके तहत 100 से अधिक फलदार पौधे रोपे गए। इस मौके पर बच्चों के बीच रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए ड्राइंग, स्लोगन लेखन और पर्यावरण जागरूकता नारा प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों ने अपनी कला और विचारों के माध्यम से प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश दिया। इस दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से पर्यावरण की रक्षा, हरियाली बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की शपथ ली।?अपने संबोधन में प्लांट प्रमुख के. बी. सिंह ने इस वर्ष की थीम पर विशेष चर्चा करते हुए कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन को देखते हुए अब पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के अस्तित्व की आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने हर व्यक्ति से अधिक से अधिक पौधे लगाने, जल संरक्षण करने और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करने का आह्वान किया।

इन्होंने निभाई मुख्य भूमिकाः
कार्यक्रम को सफल बनाने में जिंदल स्टील के महाप्रबंधक संतोष कुमार, एचआर प्रमुख मीनू सिंह, आर. डी. शर्मा, प्रवीण कुमार, कुमार राहुल, अभय सिंह, शरण सर, डॉ. संजीव द्विवेदी और अभय मित्तल ने मुख्य भूमिका निभाई तथा पूरे कार्यक्रम का बेहतरीन संचालन किया। अंत में सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया और पर्यावरण को स्वच्छ व सुरक्षित बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

धनबाद में सम्पूर्ण क्रांति दिवस पर लोकनायक जयप्रकाश नारायण को दी गई श्रद्धांजलि

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद। सम्पूर्ण क्रांति दिवस के अवसर पर शुक्रवार को धनबाद में लोकनायक जयप्रकाश नारायण को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। लोकनायक स्मारक समिति, धनबाद के तत्वावधान में बैंक मोड़ स्थित जेपी चौक पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित नेताओं, समाजसेवियों और गणमान्य लोगों ने लोकनायक की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उनके क्रांतिकारी विचारों को याद किया और उनके आदर्शों पर चलने का सामूहिक संकल्प लिया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित धनबाद के मेयर संजीव सिंह ने कहा कि सम्पूर्ण क्रांति दिवस केवल एक ऐतिहासिक अवसर नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र और जनशक्ति की ताकत को याद करने का दिन है। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त कराने और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का संदेश दिया था। उन्होंने जनता को लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने और जनआंदोलनों के महत्व को बखूबी समझाया था।वहीं धनबाद के पूर्व सांसद पी.एन. सिंह ने आंदोलन के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 5 जून 1974 को जयप्रकाश नारायण ने पटना के गांधी मैदान से सम्पूर्ण क्रांति का ऐतिहासिक आह्वान किया था। यह आंदोलन केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक बदलाव का प्रतीक था। आपातकाल के काले दौर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि तमाम कठिन परिस्थितियों के बावजूद जनता का अटूट विश्वास लोकनायक के नेतृत्व में हमेशा कायम रहा।समाजसेवी विजय झा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि सम्पूर्ण क्रांति का मुख्य उद्देश्य समाज के हर क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाना था। लोकतंत्र को जीवित और मजबूत बनाए रखने के लिए समय-समय पर जनजागरण और परिवर्तन बेहद आवश्यक है। जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने लोकनायक के आदर्शों को जीवन में अपनाने और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। इस मौके पर जेएमएम नेत्री नीलम मिश्रा सहित भारी संख्या में स्थानीय प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर में देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को और

प्रकृति-रक्षा के संकल्प के साथ डीपीएस बोकारो परिवार ने मनाया पर्यावरण दिवस

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

पेड़-पौधे केवल हमारे आपदा-रक्षक ही नहीं, बल्कि इस वसुंधरा के वास्तविक आभूषण भी हैं। ये जलवायु परिवर्तन के खिलाफ अग्रिम पंक्ति के योद्धा की भूमिका निभाते हैं। वर्तमान समय में हम तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि, भीषण आंधी-तूफान और वज्रपात जैसी जिन गंभीर प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहे हैं, उनसे जीव-जगत की रक्षा का एकमात्र और अचूक उपाय अधिकाधिक पौधारोपण ही है। यदि हमें सच्चे अर्थों में पर्यावरण-मित्र होने का परिचय देना है, तो सिर्फ किसी एक विशेष दिन नहीं, बल्कि वर्ष के हर दिन कुदरत की रक्षा के लिए संकल्पित होना होगा।' ये प्रेरणादायी विचार हैं दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के। अवसर था विद्यालय परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित सघन पौधारोपण अभियान का, जहां 'प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए' की प्रगतिशील थीम के तहत पर्यावरण संरक्षण का पुनः शंखनाद किया गया। प्राचार्य के नेतृत्व और विद्यालय के गो ग्रीन इनिशिएटिव के तहत शुक्रवार को आयोजित इस अभियान में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों, प्रशासनिक पदाधिकारियों और भारी संख्या में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस सामूहिक प्रयास के तहत विद्यालय परिसर के विभिन्न हिस्सों में दर्जनों पौधे रोपे गए। प्राचार्य ने बताया कि डीपीएस बोकारो अपनी हरीतिमा-रक्षा की कटिबद्धता के तहत लगातार नवाचार कर रहा है।

यहां विद्यार्थियों को पारंपरिक पठन-पाठन के साथ-साथ व्यावहारिक हरित-कार्यों से भी गहराई से जोड़ा जाता है, जिसके अंतर्गत बच्चे विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों पर देश के महापुरुषों के नाम पर पौधे लगाते हैं। यहां कागज की बबार्दी रोकने के लिए एक पेपर रीसाइक्लिंग यूनिट संचालित है, जो बेकार कागजों को पुनः इस्तेमाल के योग्य बनाती है। इसके अलावा, ऊर्जा-संरक्षण के लिए कैंपस में 125 केवीए क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया गया है।

विद्यालय की अनूठी परंपरा के तहत यहां अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ की बजाय पौधों से किया जाता है और समारोहों में फल-सब्जियों के बीजों से युक्त पहचान पत्र सौंपे जाते हैं।

इनके अलावा विद्यालय परिसर में चरक वाटिका, जैव हरित वाटिका, वर्मी कंपोस्ट फार्मिंग, उन्नत बागवानी, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, सेव सॉइल अभियान और फुलवारी जैसी गतिविधियां इस गो ग्रीन इनिशिएटिव को और अधिक सशक्त बनाती हैं।

विवादित भूमि को लेकर भूमाफिया दे रहे हैं गोली मारने की धमकी, एसडीएम ने नहीं लिया संज्ञान

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

9 एकड़ जमीन का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। चूंकि दादा परदादा ने जमीन बेचा नाती ने कहा जमीन नहीं देंगे, जमीन पर जाओगे तो गोली खाओगे । इस बीच विवादित भूमि को लेकर न्याय की मांगने जब बाउरी परिवार चास एसडीएम के पास गया तो एसडीएम ने मिलने से इंकार कर दिया। अब बाउरी परिवार एसडीएम ऑफिस के सीढ़ी पर बैठ गया।

दरअसल यह मामला चास का है, बाउरी परिवार के मीनू बाउरी ने इस जमीन को रामधन महतो से खरीद लिया था, केवाला के अनुसार खाता संख्या 13 प्लॉट संख्या 873 में कुल 9 एकड़ जमीन खरीद की गई थी लेकिन रामधन महतो के पोतों ने पुनः दावदारी की, जिसके बाद दोनों पक्षों ने अदालत का दरवाजा खटखटाया।2022 में भूमि पर स्टे लगा, केस का रिव्यू किया गया और 2026 में स्टे हटा दिया गया। यह सभी करवाई रउ्द कोर्ट ने किया लेकिन पुनः रउ्द ने सटे लगा दिया। बाउरी परिवार ने इसी मामले को लेकर जब रउ्द से मिलने आए तो उन्होंने मिलने से इंकार कर दिया। पीड़ित परिवार के मुताबिक रामधन महतो के परिवार के पोतों ने गोली मारने की धमकी दी। चीरा चास पुलिस ने भी धमकाया। अब असहाय परिवार ने कहा न्याय नहीं मिला तो हम लोग रउ्द के यहां धरना देंगे, घर नही जाएंगे अन्यथा मेरी हत्या हो जाएगी। अरुण कुमार ने कई गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की है। सूत्रों के अनुसार खबर है कि एसडीएम प्रांजल ढांडा ने वार्ता के लिए बुलाया है।

जनगणना में डाक विभाग की ऐतिहासिक भूमिका को दशार्ती प्रदर्शनी

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)

रांचीः अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की ओर से ऑड्रे हाउस में ह्लगिनती में आओः भारत में जनगणना का डाक इतिहासह्व शीर्षक प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी में 1951 से 2011 तक की अवधि में जनगणना कार्यों में भारतीय डाक विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका को डाक टिकटों, सर्विस पोस्टकार्ड, प्रथम दिवस आवरण, अंतर्देशीय पत्रों और विभिन्न सरकारी दस्तावेजों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। झारखंड के जनगणना संचालन निदेशक प्रभात कुमार ने प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए इस अनूठी पहल की सराहना की। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु के प्राध्यापक विकास कुमार द्वारा संयोजित इस प्रदर्शनी में यह दिखाया गया है कि डिजिटल तकनीकों के प्रचलन से पहले जनगणना के प्रचार-प्रसार, सामग्री वितरण, जनजागरूकता और प्रगणकों तथा अधिकारियों के बीच संवाद स्थापित करने में डाक विभाग की कितनी अहम भूमिका थी। उद्घाटन के बाद आयोजित परिचर्चा में इतिहासकारों, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों ने जनगणना के महत्व, नीति निर्माण, विकास योजनाओं और प्रशासनिक निर्णयों में उसकी उपयोगिता पर चर्चा की। प्रदर्शनी के माध्यम से यह भी बताया गया कि छह दशकों से अधिक समय तक भारतीय डाक व्यवस्था ने देश के करोड़ों लोगों तक जनगणना का संदेश पहुंचाने और उन्हें इस राष्ट्रीय प्रक्रिया में भागीदारी के लिए प्रेरित करने का काम किया। यह प्रदर्शनी इससे पहले जम्मू, बेंगलुरु और लखनऊ में भी आयोजित की जा चुकी है तथा 6 जून तक आम लोगों के लिए खुली रहेगी।

28 जून को चार लाख से अधिक बच्चों को दी जाएगी पोलियो की खुराक

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादः पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के तहत आगामी 28 जून 2026 को जिले के 4 लाख 24 हजार 729 बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी। अभियान की सफलता के लिए आज समाहरणालय में जिला टास्क फोर्स की बैठक संपन्न हुई।बैठक में सिविल सर्जन ने कहा कि 28 जून 2026 को सुबह 8:00 बजे से संध्या 4:00 बजे तक सभी बूथ पर 0 से 5 वर्ष के 95% से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक देने का प्रयास किया जाएगा। इसके बाद 29 एवं 30 जून को टीम द्वारा घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक खिलाई जाएगी।उन्होंने बताया कि शत प्रतिशत बच्चों के टीकाकरण के लिए कुछ प्राथमिकताएं तय की गई हैं। जिसमें सभी नवजात शिशुओं की पहचान करना, ईंट भट्ठे, निर्माण स्थल, मलिन बस्तियों इत्यादि के अंदर रहने वाले बच्चों के टीकाकरण का प्रयास करना, बच्चों को पोलियो का टीका लगवाने से इनकार करने वाले परिवारों को क्षेत्र के प्रसिद्ध लोगों की सहायता से टीका लगाने का प्रयास करना, बच्चों को घर के बाहर पार्क, बगीचे और खेल के मैदान में भी टीका लगाने का प्रयास करना शामिल है।अभियान की सफलता के लिए प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। लोगों को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। अभियान से पूर्व सभी प्रखंडों में माइक्रो प्लानिंग की जाएगी।वहीं डब्ल्यूएचओ के सर्विलेंस मेडिकल ऑफिसर (एसएमओ) ने टीकाकरण के दौरान बरतने वाली सावधानियां, पर्यवेक्षण सहित अन्य विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक में सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ दीपक कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, डीपीएम प्रतिमा कुमारी, डॉ मंजु दास, डीपीसी रेखा कुमारी, सभी प्रखंड के एमओआईसी तथा स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवसः बास्केंद्री में 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम आयोजित, पर्यावरण और जल संरक्षण का दिया संदेश

शिकारीपाड़ा/दुमका/
रफ्तार मीडिया।
ललित कुमार पाल।

: विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर शिकारीपाड़ा प्रखंड के सोनाढाप पंचायत अंतर्गत बास्केंद्री ग्राम में 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। स्पेन (रढअठ) एनजीओ के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को पर्यावरण और जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। इस अभियान में गाँव के यूथ परिषद, महिला परिषद और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प उठाया।

दैनिक जीवन में पर्यावरण और जल संरक्षण की अत्यंत आवश्यकता

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि मनुष्य के दैनिक जीवन में पर्यावरण और जल का संरक्षण करना अब बेहद जरूरी हो गया है। लगातार बढ़ रहे प्रदूषण और गिरते जलस्तर को रोकने के लिए हम सभी को जागरूक होना पड़ेगा। ग्रामीणों को समझाया गया कि प्रकृति को बचाने के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई को तुरंत रोकना होगा और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने वाले सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह से बंद करना होगा।

खाली जमीन पर अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील

कार्यक्रम के अंत में एनजीओ के सदस्यों और स्थानीय परिषदों द्वारा

मोटरसाइकिल, शादी सहायता एवं बचत योजना के नाम पर रुपये वसूली का आरोप, ग्रामीणों ने प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की

रफ्तार मीडिया बालूमाथ

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड के शेरेगड़ा पंचायत अंतर्गत बुकरू गांव के ग्रामीणों ने राधा स्वामी संगठन से जुड़े बताए जा रहे रामनिवास चौधरी पर आर्थिक प्रलोभन देकर गरीब परिवारों से रुपये वसूलने का गंभीर आरोप लगाया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने मीडिया को आवेदन उपलब्ध कराते हुए पूरे मामले को सार्वजनिक किया है तथा प्रशासन से हस्तक्षेप कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।मीडिया को दिए गए आवेदन में परमेश्वर गंझु उर्फ लुडन गंझु, पिता- शुक्र गंझु एवं सुधन गंझु, पिता- लगर गंझु, दोनों ग्राम बुकरू, पंचायत एवं पोस्ट शेरेगड़ा, थाना बालूमाथ, जिला लातेहार निवासी ने आरोप लगाया है कि रामनिवास चौधरी ने राधा स्वामी संगठन के नाम पर ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने का भरोसा देकर उनसे राशि जमा कराई।आवेदन के अनुसार, मोटरसाइकिल उपलब्ध कराने, बच्चियों के नाम पर 15 से 18 वर्ष की मैच्योरिटी योजना चलाने तथा शादी के समय आर्थिक सहायता देने का आश्वासन देकर लोगों को संगठन से जोड़ा गया। शिकायतकताओं का आरोप है कि बच्चियों के नाम पर प्रति लाभुक लगभग 1500 रुपये जमा कराए गए, जबकि मोटरसाइकिल योजना के तहत कई लाभुकों से लगभग 75 हजार रुपये तक की राशि ली गई।ग्रामीणों का आरोप है कि मोटरसाइकिल का पूरा पैसा लेने के बावजूद लाभुकों के नाम पर करीब 20 हजार रुपये का फाइनेंस भी कराया गया। उस समय यह भरोसा दिलाया गया था कि मोटरसाइकिल की मासिक किस्त राधा स्वामी संगठन अथवा कंपनी की ओर से जमा की जाएगी और लाभुकों को किसी प्रकार का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। शिकायतकताओं के अनुसार शुरूआती एक-दो महीनों तक किस्त जमा होने की जानकारी मिली, लेकिन बाद में भुगतान बंद हो गया। इसके बाद फाइनेंस कंपनी के प्रतिनिधि लगातार बकाया किस्त की मांग करने लगे। ग्रामीणों का कहना है कि अब फाइनेंस कर्मी उनके घर पहुंचकर मोटरसाइकिल जब्त करने की चेतावनी दे रहे हैं, जबकि वे पहले ही पूरी राशि जमा कर चुके हैं।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि कई लाभुकों को योजना से संबंधित दस्तावेज एवं रसीदें दी गई थीं, जिनकी सत्यता को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं। उनका कहना है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों ने बेहतर भविष्य और योजनाओं के लाभ की उम्मीद में अपनी मेहनत की कमाई जमा की थी, लेकिन अब वे स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।ग्रामीणों का यह भी दावा है कि क्षेत्र में संचालित राधा स्वामी संगठन का कार्यालय वर्तमान में बंद पड़ा हुआ है, जिससे लोगों की चिंता और बढ़ गई है। मामले को लेकर गांव और आसपास के क्षेत्रों में चर्चा का माहौल है तथा प्रभावित परिवारों में आक्रोश देखा जा रहा है।शिकायतकर्ता परमेश्वर गंझु उर्फ लुडन गंझु एवं सुधन गंझु ने मीडिया को दिए आवेदन में प्रशासन से हस्तक्षेप कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, प्रभावित लोगों की जमा राशि वापस दिलाने तथा दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

गोड्डा में पेड़ से लटका मिला युवक का शव,जांच में जुटी पुलिस

रफ्तार मीडिया संवाददाता राजीव कुमार/महागामा

गोड्डा जिले के महागामा थाना क्षेत्र में सारवां के पास एक युवक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला है। मृतक की पहचान बाड़ीडीह गांव निवासी 26 वर्षीय शेख जुल्फकार अंसारी के रूप में हुई है, जो शेख मुस्लिम अंसारी के पुत्र थे ' इस घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने तत्काल महागामा थाना को सूचित किया। सूचना मिलते ही महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक, महागामा पुलिस निरीक्षक उपेंद्र कुमार महतो और महागामा थाना प्रभारी मनोज पाल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल के पास तालाब से मृतक का बैग और घटना स्थल से कपड़े भी मिले हैं, जिससे घटना को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। घटना से आक्रोशित परिजनों ने कुछ समय के लिए महागामा-गोड्डा ठल 133 मुख्य मार्ग को जाम कर दिया था। पुलिस प्रशासन ने उन्हें समझा-बुझाकर जाम हटवाया और निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से शव को पेड़ से नीचे उतारा गया। पंचनामा की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गोड्डा भेज दिया गया है। मृतक की मां सन्नी खातून ने बताया कि घर में छोटे से विवाद के बाद उनका बेटा काम के लिए बैग लेकर घर से बाहर जाने के लिए निकला था।

उन्होंने बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी बताया कि जुल्फकार की शादी पिछले साल ही सुखाड़ी गांव में हुई थी और उसका कोई बच्चा नहीं है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह मामला आत्महत्या का है या हत्या का। महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक ने बताया कि मामले की लेकर पुलिस हर पहलू पर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सच्चाई का खुलासा हो पाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर व्यवहार न्यायालय परिसर में हुआ वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

झुमरी तिलैया । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा के तत्वावधान में व्यवहार न्यायालय परिसर, कोडरमा में वृक्षारोपण सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान न्यायिक पदाधिकारियों एवं न्यायालयकर्मियों ने परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष रमाकान्त मिश्रा ने कहा कि पर्यावरण को संतुलित एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर ही हम अपने पर्यावरण को संरक्षित रख सकते हैं। वर्तमान समय में लोग अज्ञानतावश प्रकृति के साथ अनावश्यक छेड़छाड़ कर रहे हैं, जिसके कारण ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।

उन्होंने उपस्थित लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। यही विश्व पर्यावरण दिवस की वास्तविक सार्थकता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध कराने में वृक्षों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि समय रहते लोग पर्यावरण संतुलन की दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करेंगे तो आने वाले दिनों में प्राकृतिक असंतुलन और आपदाओं का सामना करना पड़ सकता है।इस अवसर पर व्यवहार न्यायालय परिसर में प्रधान जिला जज सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारियों ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय अमितेष लाल, जिला जज प्रथम सचिन्द्र नाथ सिन्हा, जिला जज तृतीय राकेश चंद्रा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अमित कुमार वैश, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार, अवर मुख्य न्यायाधीश प्रज्ञा बाजपाई, अवर न्यायाधीश तृतीय सत्यभामा कुमारी, एसडीजेएम संध्या प्रसाद, मुन्सिफ मिथिलेश कुमार, न्यायाधीश प्रभारी विकास कुमार भगत, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी ज्योत्सना पाण्डेय एवं नमिता मिंज सहित न्यायालयकर्मी रणजीत कुमार सिंह, अजय प्रकाश, अभिमन्यु कुमार, संतोष कुमार सिंह तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बोकारो में डेढ़ माह के भीतर लगाए जाएंगे 15 लाख पौधे

दिनेश कुमार पांडेय
बोकारो

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बोकारो में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नमामि गंगे योजना के तहत आरसीसीएफ, बोकारो प्रक्षेत्र आर. टी. पांडियन, उपायुक अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने सेक्टर-12 स्थित पुलिस लाइन, उकरीद स्थित झारखंड गृह रक्षा वाहिनी कैंप परिसर तथा जिला परिषद कार्यालय परिसर में पौधरोपण किया।

मौके पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक दिवस नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि झारखंड की पहचान जल, जंगल और जमीन से है। यहां की संस्कृति, परंपरा और सामाजिक चेतना में पर्यावरण संरक्षण रचा-बसा है। यदि हम पर्यावरण से विमुख होते हैं तो यह हमारी मूल पहचान और चेतना से दूर होने जैसा होगा।

उपायुक्त ने कहा कि पौधरोपण एक कार्यक्रम भर नहीं है। पौधों को वृक्ष बनाना और उनका संरक्षण करना भी हमारी संस्कृति और संस्कार का हिस्सा होना चाहिए। जलवायु परिवर्तन और बढ़ती वैश्विक तापमान की चुनौती को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना होगा।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने बोकारोवासियों से ग्रीन बोकारो, क्लीन बोकारो - ग्रीन झारखंड के संकल्प को जन आंदोलन का रूप देने की अपील करते हुए कहा कि आगामी डेढ़ माह के भीतर जिले में 10 से 15 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने सभी नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।मौके पर पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम व्यापक अभियान की शुरूआत है। जिले के सभी पुलिस संस्थानों, पुलिस केंद्रों, कार्यालयों एवं थाना परिसरों में उपलब्ध भूमि का चिन्हांकन कर लिया गया है। आगामी एक सप्ताह के भीतर सभी चिन्हित स्थलों पर पौधरोपण किया जाएगा, ताकि मानसून के दौरान पौधों का बेहतर विकास सुनिश्चित हो सके।पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने आमजनों से अपील की कि वे कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसके संरक्षण का दायित्व भी निभाएं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पंचायत भवन परिसर में हुआ पौधारोपण

रफ्तार मीडिया बालूमाथ

बालूमाथ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बालूमाथ पंचायत भवन परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बालूमाथ के मुखिया नरेश लोहरा एवं पंचायत सेवक रामावतार सिंह ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण देने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना आवश्यक है। उन्होंने लोगों से पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की नियमित देखभाल करने की भी अपील की।इस अवसर पर पंचायत के जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए हर वर्ष अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया।पौधारोपण कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण एवं हरित जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक किया गया।

हम आपको सुनते हैं कार्यक्रम में कुल 27 मामलों की हुई सुनवाई

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

समाहरणालय स्थित कार्यालय सभागार में शुक्रवार को आयोजित "हम आपको सुनते हैंह्व कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त 27 आवेदनों पर क्रमवार सुनवाई करते हुए उन्होंने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को मामलों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन का निर्देश दिया।सुनवाई के दौरान भूमि विवाद, राजस्व, शिक्षा, विद्युत, बीएसएल, डीपीएलआर, कल्याण, आपूर्ति विभाग तथा विभिन्न अंचल कार्यालयों से जुड़े सभी मामलों को उपायुक्त ने प्राथमिकता के आधार पर लिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन का निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा आवेदकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़े।उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन रिस्पॉन्सिव गवर्नेंस की अवधारणा के अनुरूप कार्य कर रहा है। आम नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यह मंच नागरिकों और प्रशासन के बीच संवाद को मजबूत करते हैं तथा शिकायतों के निष्पादन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं।जिला प्रशासन के निदेर्शानुसार जिले के सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में भी जनता दरबार आयोजित किया गया। वहां प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों की सुनवाई संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों और अंचल अधिकारियों द्वारा की गई। जिन मामलों का समाधान तत्काल संभव था, उनका मौके पर ही निष्पादन किया गया, जबकि अन्य मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सुचिता किरण, सहायक जन संपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, परियोजना पदाधिकारी मानिक चन्द्र सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

चास के भवन मालिकों को बड़ी राहत, अनाधिकृत भवन होंगे नियमित

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

चास नगर निगम सभागार में शुक्रवार को आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में शहर के हजारों भवन मालिकों के लिए राहत भरी खबर सामने आई। झारखंड सरकार द्वारा लागू "झारखंड अनाधिकृत निर्मित भवन नियमितीकरण नियमावली, 2026" के तहत 31 दिसंबर 2024 से पहले बने अनाधिकृत भवनों को नियमित कराने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख 25 जून बताई गई।

महापौर भोलू पासवान की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में चेम्बर ऑफ कॉमर्स, विभिन्न व्यवसायिक संघों, टाउन वेंडिंग कमेटी तथा सामुदायिक संसाधन सेवियों (सीआरपी) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य नई नियमावली की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाना और अधिक से अधिक भवन स्वामियों को इसका लाभ दिलाना था।बैठक में नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार ने ऐसे भवन मालिकों को एक विशेष अवसर दिया है, जिन्होंने पूर्व में भवन निर्माण संबंधी स्वीकृतियां नहीं ली थीं या जिनके भवन किसी कारणवश अनाधिकृत श्रेणी में आ गए थे। अब वे निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर अपने भवनों को वैध करा सकते हैं।अधिकारियों ने ऑनलाइन इढअटर पोर्टल के माध्यम से आवेदन की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, शुल्क संरचना तथा नियमावली के विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही व्यापारिक संगठनों और सीआरपी से अपील की गई कि वे इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। इस बैठक के बाद शहर में अनाधिकृत भवनों के नियमितीकरण को लेकर चर्चा तेज हो गई है और लोगों में योजना को लेकर उत्सुकता देखी जा रही है।

स्वच्छ ग्राम-सुरक्षित जलवायु अभियान का समापन, विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्राम सभाओं में पर्यावरण संरक्षण का संदेश

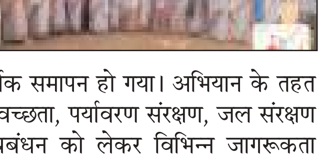

रफ्तार मीडिया बालूमाथ

लातेहार लातेहारः जिले में 1 जून से 5 जून तक चलाए गए "स्वच्छ ग्राम सुरक्षित जलवायु अभियान" का शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सफलतापूर्वक समापन हो गया। अभियान के तहत जिले की सभी ग्राम पंचायतों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।अभियान की शुरूआत 1 जून को जिला स्तरीय कार्यक्रम से हुई, जिसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद ने प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कचरा पृथक्करण तथा घर-घर कचरा संग्रहण की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।अभियान के दौरान पंचायतों में स्वच्छता परिसंपत्तियों का सत्यापन, सामुदायिक परिसंपत्तियों का मूल्यांकन, स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांडिंग तथा जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से "मेरा गांव मेरी जिम्मेदारी" थीम पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। ग्रामीणों ने स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।तीसरे दिन विद्यालयों, धार्मिक स्थलों, उद्योगों, होटलों एवं अन्य संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत उनकी जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई।

संपादकीय

आत्मनिर्भर भारत की नई उड़ान सूरत से विकास और रक्षा शक्ति का बड़ा संदेश

5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुजरात दौरा केवल विकास परियोजनाओं के उद्घाटन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत, आधुनिक बुनियादी ढांचे और स्वदेशी रक्षा उत्पादन की बढ़ती ताकत का भी प्रतीक बनकर सामने आया। सूरत में आयोजित विशाल कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने लगभग 18,800 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को देश के भविष्य की आवश्यकता बताते हुए कहा कि जो राष्ट्र दूसरों पर निर्भर रहते हैं, वे कभी विकसित नहीं बन सकते। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ निराशावादी लोग आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक उड़ाते हैं, लेकिन आज भारत अपनी क्षमता और सामर्थ्य के दम पर दुनिया में नई पहचान बना रहा है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में सूरत की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि यह शहर केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं बल्कि एक जीवंत भावना है। स्वच्छता, उद्योग, व्यापार और नवाचार के क्षेत्र में सूरत ने पूरे देश के लिए एक आदर्श स्थापित किया है। लगातार स्वच्छता पुरस्कार जीतने वाला यह शहर विकास और जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि गुजरात और विशेष रूप से सूरत ने भारत की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आने वाले वर्षों में इसकी भूमिका और भी बढ़ने वाली है।

अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दुनिया ने अनेक संकटों का सामना किया है। कोरोना महामारी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया था और अब तेल, गैस तथा ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियां कई देशों के सामने खड़ी हैं। ऐसे कठिन समय में भारत ने अपनी जनता और संसाधनों के बल पर मजबूती से मुकाबला किया है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक शक्ति ने देश को इन संकटों से उबारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सूरत दौरे का सबसे महत्वपूर्ण और चर्चित हिस्सा प्रधानमंत्री का लार्सन एंड टुब्रो के आर्म्ड सिस्टम्स कॉम्प्लेक्स का दौरा रहा। यहां उन्होंने भारत में निर्मित आधुनिक टैंक, ड्रोन और अन्य रक्षा उपकरणों का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री ने रक्षा विशेषज्ञों और कंपनी अधिकारियों से इन अत्याधुनिक प्रणालियों की तकनीकी जानकारी प्राप्त की। यह दौरा केवल एक औपचारिक निरीक्षण नहीं था बल्कि देश की रक्षा उत्पादन क्षमता और आत्मनिर्भरता की दिशा में हो रही प्रगति का प्रदर्शन भी था। लार्सन एंड टुब्रो का यह रक्षा निर्माण केंद्र भारत के सबसे आधुनिक रक्षा उत्पादन परिसरों में गिना जाता है। यहां सेना के लिए बख्तरबंद वाहन, तोप प्रणालियां, सैन्य प्लेटफॉर्म और अनेक अत्याधुनिक उपकरणों का निर्माण, संयोजन और परीक्षण किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने रक्षा क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम करने और स्वदेशी उत्पादन बढ़ाने पर विशेष जोर दिया है। प्रधानमंत्री का यह दौरा उसी रणनीति की सफलता का प्रतीक माना जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी प्रमुखता से दिखाई दिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजन में आने वाले कार्यकताओं और पदाधिकारियों को साइकिल तथा इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। आम नागरिकों की सुविधा के लिए सूरत नगर निगम ने 450 से अधिक इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया।

टीआरपी का मायाजाल !

राजीव खंडेलवाल

आज के दौर में मीडिया की शक्ति निर्विवाद है। सरकार की छवि निर्माण से लेकर जनमत को प्रभावित करने तक उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है। 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के उभार से लेकर अन्ना आंदोलन और उसके बाद अरविंद केजरीवाल के राजनीतिक उदय तक मीडिया की भूमिका निसंदेह महत्वपूर्ण रही है। शायद इसीलिए मीडिया से सामान्यतया कोई पंगा तब तक नहीं लेना चाहता है, जब तक पानी सिर के ऊपर न निकल जाए। फिल्मी कलाकार सुशांत सिंह राजपूत का मीडिया ट्रायल हो या ऑपरेशन सिंदूर जैसी संवेदनशील सैन्य एवं राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े घटनाक्रमों की अतिरंजित कवरेज जैसे अनेकानेक विषय; पर मीडिया का प्रसारण हर बार एक शब्द गूंजता है टीआरपी। आखिर टीआरपी है क्या बला? और इस चूहा-बिल्ली के खेल का असली खलनायक कौन?

टीआरपी क्या है ?

मीडिया की आन बान शान के आकलन का एकमात्र बैरोमीटर टीआरपी है। टीआरपी मतलब (टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट) किसी टीवी कार्यक्रम या चैनल की लोकप्रियता का इकलौता मापदंड है। यह बताता है कि दर्शकों में से कितने प्रतिशत लोग किसी विशेष कार्यक्रम या चैनल को देख रहे हैं। सरल शब्दों में कहें तो, टीआरपी मीडिया जगत की वह मुद्रा (करेंसी) है, जिससे उसका बाजार भाव व रुतबा तय होता है। दूसरे शब्दों में यह व्यापारी के लिए व्यापार की बिक्री के आंकड़े के महत्व के समान है।

टीआरपी का महत्व ।

किसी चैनल की टीआरपी कितनी अधिक होती है, विज्ञापनदाताओं से उसे महंगे दर पर अधिक विज्ञापन मिलने से उतनी ही अधिक आय प्राप्त होती है। यही कारण है कि चैनलों के बीच दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने की निरंतर गला-काट प्रतिस्पर्धा होकर यह कई बार निम्न स्तर तक चली जाती है।

कोकरोच आंदोलन से परीक्षा लीक समस्या का समाधान मिलेगा?

सौरभ वार्ष्णेय

कथित कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके 6 जून को भारत आ रहे हैं? वह परीक्षा में हुई धांधलियों और पेपर लीक के मुद्दों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं? दीपके ने देश लौटने का ऐलान करते हुए कहा है कि वह दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे? क्या इनके आने से वर्तमान सत्ता से उपज रहा बेरोजगारों में असंतोष क्या कोई नये आंदोलन का रूप ले लेगा ? जैसे पिछली दो बार ऐसे ही आंदोलनों ने सत्ता को सीट से उखाड़ फेंका था। वर्तमान में सरकार भी ६ जून को लेकर विशेष सर्तकता बरत रही है। यह समय के गर्त में है कि यह आंदोलन भी अन्य की तरह मुख्य मीडिया में कितना छाया रहता है ? किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है या धांधली की खबर सामने आती है, तब केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती, बल्कि लाखों मेहनती अभ्यर्थियों का विश्वास भी टूटता है। पिछले कुछ वर्षों में अनेक भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक के मामले सामने आए हैं। इससे परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं, परिणामों में देरी हुई और अभ्यर्थियों को मानसिक, आर्थिक तथा सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई युवा वर्षों तक तैयारी करते हैं, लेकिन कुछ लोगों की लालच और भ्रष्ट तंत्र की वजह से उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है। अब देखना होगा कि यह समस्या कब समाप्त होगी। या यह सिर्फ अपनी राजनीति चमकाने का तरीका रह जाता है। हाल के दिनों में कॉकरोच जनता पार्टी नामक डिजिटल अभियान और उसके संस्थापक अभिजीत दीपके को लेकर देशभर में चर्चा तेज हुई है। यह आंदोलन बेरोजगारी, युवाओं की उपेक्षा और राजनीतिक असंतोष जैसे मुद्दों के इर्द-गिर्द सोशल मीडिया पर तेजी से उभरा है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह अभी एक औपचारिक राजनीतिक दल से अधिक एक डिजिटल और प्रतीकात्मक जन-अभियान के रूप में देखा जा रहा है। किसी भी आंदोलन में नेतृत्व की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। यदि किसी आंदोलन का प्रमुख चेहरा स्वयं लोगों के बीच उपस्थित रहता है, तो कार्यकताओं का मनोबल बढ़ता है, संगठनात्मक गतिविधियों में गति आती है और मीडिया का ध्यान भी अधिक आकर्षित होता है। ऐसे में यदि कथित कोकरोच पार्टी का मुखिया भारत आता है, तो आंदोलन के समर्थकों में उत्साह बढना स्वाभाविक है। लेकिन यह भी सच है कि केवल किसी नेता की भौतिक उपस्थिति से कोई आंदोलन स्थायी रूप से मजबूत नहीं हो जाता। आंदोलन की सफलता उसके मुद्दों, जनसमर्थन, संगठनात्मक क्षमता और वैचारिक स्पष्टता पर निर्भर करती है।

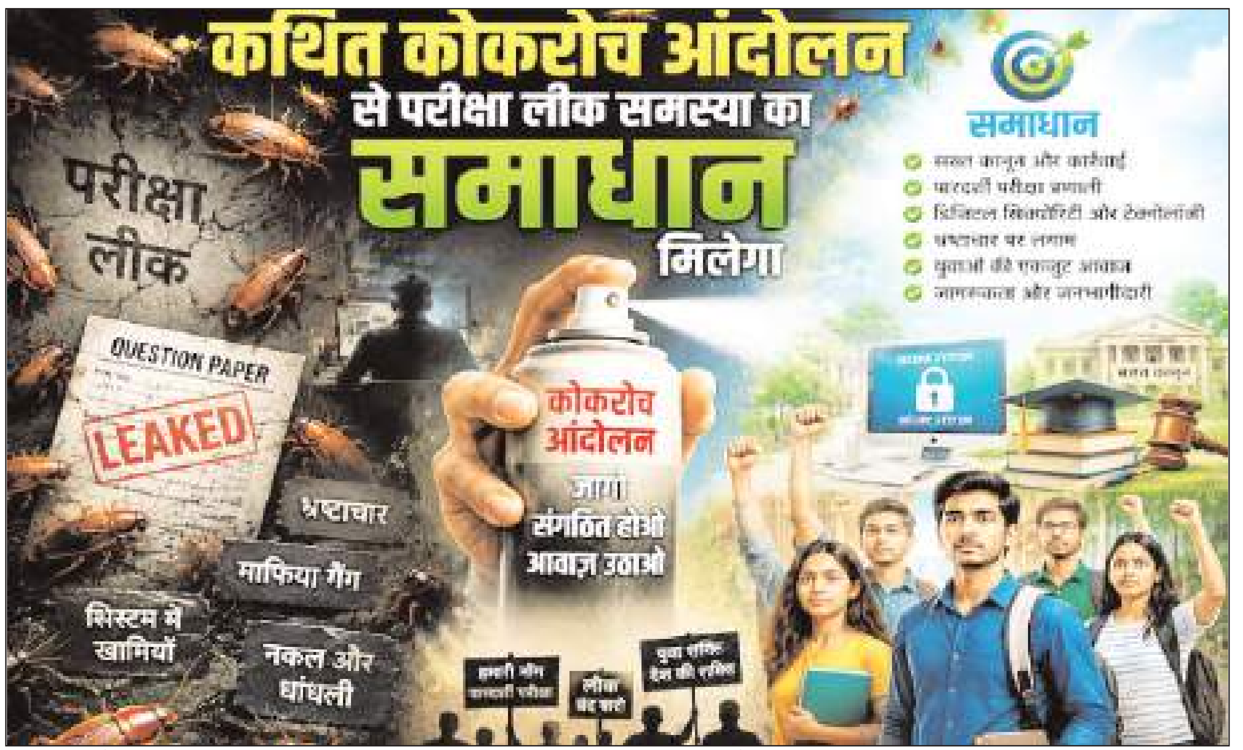

इस अभियान ने सोशल मीडिया पर बड़ी चर्चा बटोरी है और युवाओं के एक वर्ग में पहचान बनाई है। हालांकि भारत का राजनीतिक इतिहास बताता है कि ऑनलाइन लोकप्रियता और वास्तविक जनाधार में बड़ा अंतर हो सकता है। कई बार डिजिटल अभियानों को व्यापक चर्चा तो मिलती है, लेकिन वे जमीनी संगठन में परिवर्तित नहीं हो पाते। यदि मुखिया के भारत आगमन के बाद आंदोलन गांवों, कस्बों, विश्वविद्यालयों और रोजगार से जुड़े मंचों तक पहुंचता है, तभी इसे वास्तविक मजबूती मिलेगी। इस आंदोलन को लेकर कानूनी और राजनीतिक विवाद भी सामने आए हैं। विभिन्न न्यायालयों और संस्थाओं में इससे जुड़े मामलों पर सुनवाई और बहस जारी है। ऐसे विवाद आंदोलन को चर्चा तो दिलाते हैं, लेकिन कई बार उसके मूल मुद्दों को पीछे भी धकेल देते हैं। इसलिए भारत आगमन के बाद नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी कि वह आंदोलन को केवल सोशल मीडिया की सनसनी नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक-राजनीतिक विमर्श में बदल सके।

कथित कोकरोच पार्टी के मुखिया का भारत आना आंदोलन को तत्काल ऊर्जा, प्रचार और समर्थकों का उत्साह अवश्य दे सकता है। लेकिन किसी भी आंदोलन की वास्तविक शक्ति उसके नेता में नहीं, बल्कि उन मुद्दों में होती है जिनके लिए जनता खड़ी होती है। यदि यह अभियान युवाओं की समस्याओं को संगठित और रचनात्मक रूप से उठाने में सफल होता है, तो उसका प्रभाव बढ़ सकता है। अन्यथा यह भी अनेक डिजिटल अभियानों की तरह कुछ समय बाद चर्चा से बाहर हो सकता है। सोचात्मक दृष्टि से कहा जाए तो किसी आंदोलन की मजबूती किसी एक व्यक्ति के आगमन से नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, स्पष्ट उद्देश्य और निरंतर जनसंपर्क से तय होती है। ६ जनू के भारत आने के घोषणा के बाद वह परीक्षा में हुई धांधलियों और पेपर लीक के मुद्दों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए ऐलान से दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे? हालांकि अभी विपक्षी दलों से इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है। तो क्या विपक्ष यह देख रहा है कि इस आंदोलन से नीति तैयार की जाये या पीछे से अन्ना आंदोलन की तरह इसे समर्थन देते हुए वर्तमान सत्ता को हिलाया जाये?

पेपर लीक और परीक्षा धांधली! क्या निकलेगा समस्या का स्थायी समाधान?

देश में सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिए होने वाली परीक्षाएं करोड़ों युवाओं के सपनों का आधार हैं। जब किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है या धांधली की खबर सामने आती है, तब केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती, बल्कि लाखों मेहनती अभ्यर्थियों का विश्वास भी टूटता है। पिछले कुछ वर्षों में अनेक भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक के मामले सामने आए हैं। इससे परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं, परिणामों में देरी हुई और अभ्यर्थियों को मानसिक, आर्थिक तथा सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई युवा वर्षों तक तैयारी करते हैं, लेकिन कुछ लोगों की लालच और भ्रष्ट तंत्र की वजह से उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है।सरकारों ने इस समस्या से निपटने के लिए कड़े कानून बनाए हैं। दोषियों की गिरफ्तारी, संपत्ति जब्त करने और कठोर दंड जैसे प्रावधान किए गए हैं। यह आवश्यक भी है, क्योंकि बिना कठोर कार्रवाई के ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाना मुश्किल है। लेकिन केवल कानून बना देना ही पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि परीक्षा प्रक्रिया को तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाया जाए।डिजिटल सुरक्षा, एन्क्रिप्टेड प्रश्नपत्र प्रणाली, परीक्षा केंद्रों की सख्त निगरानी, जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही और समयबद्ध जांच व्यवस्था जैसे कदम महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। साथ ही, पेपर लीक के मामलों की सुनवाई के लिए न्यायिक व्यवस्था भी बनाई जानी चाहिए।

धरती का दर्द आँकड़ों में नहीं, महिलाओं की ज़िंदगी में दिखता है

कृति आरके जैन

जब धरती बीमार पड़ती है, उसकी पहली आह एक स्त्री सुनती है। उसे पर्यावरण संकट समझने के लिए वैज्ञानिक आँकड़ों की जरूरत नहीं, क्योंकि वह इसे रोज महसूस करती है–घटती हरियाली, बदलते मौसम, धुएँ भरी हवा और बढ़ती गर्मी में। एक बच्चे ने माँ से पूछा, माँ, अब गर्मी इतनी ज्यादा क्यों लगती है? माँ शब्दों में भले न समझा सकी, लेकिन वह बदलती प्रकृति का सच जानती थी। 05 जून को दुनिया विश्व पर्यावरण दिवस मनाती है, पर एक महिला के लिए पर्यावरण रोज का संघर्ष है। वह इसे महँगी रसोई, घटते पानी और बच्चों की बिगड़ती सेहत में जीती है। शायद इसलिए पर्यावरण संकट की सबसे गहरी चोट स्त्री पर दिखाई देती है, क्योंकि प्रकृति और स्त्री–दोनों जीवन देती हैं, सँभालती हैं और बचाने की कोशिश करती हैं।

जिस प्रकृति ने सदियों से मानव जीवन को सँभाला, आज वही इंसानी लालच से घायल है। प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए। – विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का यह विषय आने वाले संकट की चेतावनी है। प्रकृति हमेशा संतुलन सिखाती रही है–पेड़, नदियाँ और धरती निस्वार्थ जीवन देती हैं। लेकिन

विकास की अंधी दौड़ में इंसान ने प्रकृति को केवल संसाधन समझा। नतीजा सामने है–उजड़ते जंगल, प्रदूषित नदियाँ, जहरीली हवा और बढ़ती गर्मी। इसकी सबसे गहरी मार उन पर पड़ रही है, जिन्होंने यह संकट पैदा नहीं किया–खासतौर पर महिलाओं पर। तपती धूप में दूर से पानी लाती एक स्त्री केवल घर नहीं सँभालती, बल्कि बिगड़ते पर्यावरण का भार भी उठाती है। गाँव की महिलाएँ भले ही पर्यावरण विशेषज्ञ न कहलाएँ, लेकिन प्रकृति की भाषा सबसे गहराई से वही समझती हैं। मिट्टी की गंध से वह बारिश पहचान लेती है और पेड़ों की हालत देखकर मौसम का बदलता स्वभाव समझ जाती है। उसके लिए जंगल सिर्फ लकड़ी नहीं, जीवन का आधार हैं। रिपोर्टें कहती हैं कि जलवायु परिवर्तन की सबसे गहरी मार महिलाओं और बच्चों पर पड़ती है, लेकिन इसका सबसे सच्चा प्रमाण वे चेहरे हैं, जो सूखे कुओं और बंजर खेतों के बीच भी परिवार की उम्मीद बचाए रखते हैं। शहरों में भी महिलाएँ प्रदूषण, बढ़ती गर्मी, प्लास्टिक से घिरा जीवन और मानसिक तनाव से जूझ रही हैं। धुएँ भरी हवा में बच्चे को बाहर भेजती एक माँ का डर किसी आँकड़े से कहीं अधिक वास्तविक होता है। इतिहास गवाह है कि जब-जब प्रकृति पर संकट आया, सबसे पहले महिलाओं ने ही उसके पक्ष में आवाज उठाई। चिपको आंदोलन इसका सबसे जीवंत उदाहरण है, जहाँ उत्तराखंड की ग्रामीण महिलाएँ पेड़ों से इस तरह लिपट गईं, मानो अपने बच्चों की रक्षा कर रही हों। उनके लिए जंगल केवल लकड़ी नहीं, बल्कि पानी, हवा और जीवन का आधार थे।

इसी सोच को वंगारी मथाई ने लाखों पेड़ लगाकर नई शक्ति दी। आज भी भारत के कई गाँवों में महिलाएँ बीज संरक्षण, वर्षा जल संचयन और जैविक खेती के जरिए चुपचाप धरती को बचाने में जुटी हैं। विडंबना यह है कि जिन्हें समाज अक्सर कमजोर कहता है, वही पर्यावरण की सबसे मजबूत प्रहरी बनकर उभरती हैं।

आज संकट केवल प्रकृति के उजड़ने का नहीं, इंसानी संवेदनाओं के मरने का भी है। कभी बच्चे मिट्टी में खेलते थे, आज स्क्रीन पर प्रकृति खोजते हैं। जो आँगन कभी पेड़ों की छाँव से जीवित थे, अब सीमेंट में कैद हैं और जो बारिश कभी सुकून थी, वही अब डर बन चुकी है। आधुनिकता ने सुविधाएँ दीं, लेकिन मनुष्य को प्रकृति से दूर कर दिया। विडंबना यह है कि हम एयर कंडीशनर में बैठकर ग्लोबल वार्मिंग पर चिंता करते हैं, जबकि वही सुविधाएँ धरती का ताप बढ़ा रही हैं। इस सच को महिलाएँ सबसे गहराई से समझती हैं, क्योंकि उनका जीवन पानी, हवा और घर की जरूरतों से जुड़ा है। वे जानती हैं कि जिस दिन साँस और पानी भी बिकने लगेंगे, सबसे पहले गरीबों का जीवन संकट में पड़ेगा। इसलिए पर्यावरण संरक्षण केवल हरियाली का नहीं, मानव अस्तित्व और सामाजिक न्याय का प्रश्न भी है।

धरती को बचाने की लड़ाई बड़े भाषणों से नहीं, घर की छोटी आदतों से जीती जाएगी। और इसकी सबसे मजबूत शुरूआत एक स्त्री कर सकती है। एक माँ यदि बच्चे को पानी बचाना, भोजन की कद्र करना, पौधों से प्रेम करना और प्लास्टिक से दूरी रखना सिखा दे, तो वह केवल आदतें नहीं, आने वाली पीढ़ियों की सोच बदल देती है।

यही प्रकृति से प्रेरित जीवनशैली है, जिसकी ओर विश्व पर्यावरण दिवस 2026 दुनिया को लौटाना चाहता है। विकास केवल ऊँची इमारतों और चौड़ी सड़कों का नाम नहीं। सच्चा विकास वही है, जहाँ नदियाँ स्वच्छ हों, हवा साँस लेने लायक हो और बच्चे प्रकृति के बीच खुलकर साँस ले सकें।

सिस्टम को हल्के में मत लीजिये...

पं. नरेश शर्मा

तंत्र (सिस्टम) का राजनीतिक गठजोड़ या कतिपय कारण से तंत्र का प्रभावित होना न्याय व्यवस्था की विफलता का कारण बन गया है। सौभाग्यवश हम एक संवैधानिक लोकतंत्र में श्वांस ले रहे हैं। लोकतंत्र में सिस्टम (तंत्र) सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। तंत्र से तात्पर्य है शासन के ऐसे विभिन्न विभाग जो प्रत्यक्षतः जनकल्याण से संबंधित हैं। सामान्य नागरिक के जीवन पर पुलिस, राजस्व, न्याय,स्वास्थ्य, शिक्षा आदि विभाग एवम् स्थानीय प्रशासन सीधा प्रभाव कारित करते हैं और इसका परिणाम स्पष्टतःसमाज में परिलक्षित भी होता है। भारत में कानून का शासन (रूल आफ लॉ) या न्याय का शासन (रूल आफ जस्टिस) है। वर्तमान के ज्वलंत प्रकरण प्रमाण हैं कि इन विभागों के द्वारा कहीं ना कहीं अपनी भूमिका निभाने में कोताही बरती जा रही है जिससे मानव जीवन संकटापन्न हो रहा है। इन विभागों में से प्रत्येक का रिस्पांस पीरियड (अनुक्रिया/प्रतिक्रिया काल) जीरो होना चाहिए तथा उनकी किसी भी त्रुटि के प्रति शासन के द्वारा जीरो टॉलरेंस (अक्षम्य नीति) अवश्यंभावी है। मैं मुक्त कंठ से अपने अनुभव के आधार पर यह कहना चाहूंगा कि सिस्टम को हल्के में मत लीजिए यह एक नारा नहीं अपितु प्रशासनिक संस्कार है। हम गुड गवर्नेंस की बात करते हैं वस्तुतः इन विभागों की जवाब देही सुशासन की रीड है। सिस्टम में सुधार आदेश से नहीं अपितु इरादे से होता है। सिस्टम बहाने नहीं रिजल्ट चाहता है। तंत्र को अब रिएक्टिव (प्रतिक्रियात्मक)नहीं अपितु प्रोएक्टिव (पूर्व क्रियात्मक) होना पड़ेगा। लापरवाही अब गलती नहीं अपराध मानी जानी चाहिए। संदेश स्पष्ट हो कि काम करो या हटो, जिम्मेदारी निभाओ या पद छोड़ो। प्रत्येक अधिकारी- कर्मचारी के लिए कुर्सी नहीं जिम्मेदारी बड़ी होना चाहिये। हम प्रायःकानून व्यवस्था पर भी चर्चा करते हैं। एक सभ्य समाज में व्यवस्था आवश्यक हैं और इसलिए यह कानून में परिलक्षित होती है। इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना एवम् अराजकता को रोकना है।भारत में कानून व्यवस्था बनाए रखना राज्य का विषय है संविधान की अनु.246 एवम् सातवीं अनुसूची की सूची 2 (2) के अनुसार इस हेतु राज्य पुलिस को अधिकार प्राप्त है। कानून का राज तभी होगा जब हमारा तंत्र कानून से ऊपर नहीं होगा। नीति तभी काम करती है जब नियत साफ हो व तंत्र संचालकों की मंशा,चाल-चलन एवं चरित्र पारदर्शी हो। सिस्टम जनता के लिए है,न कि जनता सिस्टम के लिए। कोई भी नागरिक कानून से बड़ा नहीं है,न ही कानून के नीचे ' राजनीतिक लाभ हेतु रेवड़ी बांटना या देश के 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन और पैसे देने से दैनिक कार्यों में प्रत्यक्ष कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी संदर्भ में देश की सबसे बड़ी अदालत ने शहरी क्षेत्र में बेघर व्यक्तियों के आश्रय के अधिकार से संबंधित एक जनहित याचिका में यह टिप्पणी की है कि लोगों को मुख्य धारा में सम्मिलित करने की अपेक्षा हम उन्हें परजीवियों का एक वर्ग तो नहीं बना रहे हैं !

निरंतर होते नीट पेपर लीक काण्ड एवम् अन्य प्रतियोगिता एवम् विद्यालयीन, महाविद्यालयीन परीक्षाओं में होती षड्यंत्रकारी धांधलियों ने विद्यार्थियों एवम् नवयुवकों के भविष्य को गर्त में डाल दिया है तथा शिक्षा विभाग को भी प्रश्नांकित कर दिया है। इंदौर का हनिट्रैप काण्ड हो अथवा भोपाल का ट्विशा शर्मा प्रकरण। पुलिस तंत्र ने प्राथमिक साक्ष्य संग्रह, साक्ष्य की श्रृंखला निर्धारित करने,इलेक्ट्रॉनिक एवम् डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने,प्रिजर्वेशन ऑफ क्राइम सीन के प्रति घोर लापरवाही की जाना आरोपित है। कमिश्नर ऑफ पुलिस,इंदौर द्वारा अपने अधिकार का उपयोग न करना या न कर पाना,उन्हें अपने अधिकार का ज्ञान ही ना होना या ज्ञान का न होना प्रदर्शित करना संस्थागत कार्य में किसी सशक्त बाहरी प्रभाव के होने का संदेह प्रकट करता है। तंत्र का इस प्रकार प्रभावित होना कई बार तंत्र की संलिप्तता भी इंगित करता है व अविश्वसनीयता का कारण बन रहा है व इस घाल-मेल से पीड़ित पक्ष न्याय से वंचित हो रहा है।

अब चूंकि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी उक्त प्रकरणों में की गई कार्यप्रणाली पर टिप्पणियां की जा रही है अतः इन विभागों को शासन का पूर्ण विधिक संरक्षण प्राप्त होना एवं यह सुनिश्चित होना कि उनके विधि सम्मत कार्यों में अवांछनीय हस्तक्षेप न हो, अपरिहार्य हो गया ही। विषयांकित युक्ति तभी सार्थक हो सकेगी।

वैदिक युग में शिक्षा के सही उद्देश्य

संजय गोस्वामी

आज की शिक्षा और पहले की शिक्षा में बहुत अंतर थी आज मोबाइल और कोचिंग के अलावा बच्चे प्रैक्टिस पर जोड़ नहीं देते ना ही बड़ो का बात मानते हैं, पहले पेपर लिक भी नहीं होता संस्कार था अब सब खत्म हो रहा है वैदिक काल (लगभग 1700-900 ई।पू।) से भारत में शिक्षा की शुरूआत मान सकते हैं। वैदिक शिक्षा शब्द का प्रयोग इस अवधि में प्रयुक्त शिक्षण पद्धति के अर्थ में किया जाता है। एक व्यापक अर्थ में इस शब्द का प्रयोग उस शिक्षा पद्धति के लिए किया जाता है जो पूर्व वैदिक काल में प्रारंभ हुई और लगभग 550 ई। (गुप्त साम्राज्य के पतन तक) विकसित होती रही। इसे ब्राह्मण शिक्षा-पद्धति , शिक्षा की हिंदू प्रणाली और शिक्षा की गुरुकुल प्रणाली भी कहा जाता है। भारतवर्ष मैं रहने वाली सर्वप्रथम जाति आर्य थी और वैदिक संस्कृति आर्यों की अपनी संस्कृति थी ` वैदिक-संस्कृति सत्य, सनातन है और वेद को अनादि अथवा ईश्वरीय माना गया है , क्योंकि मनुष्य और उसकी सभ्यता के बारे में सबसे प्राचीन इतिहास भी इसी संस्कृति की देन है` जिसमें ऋषियों द्वारा मानव समाज को व्यवस्थित तरीके से चलाने के लिये मर्यादित आचरण की व्यवस्था दी गयीवैदिक शिक्षा-प्रणाली की खास विशेषता थी गुरुकुल [शाब्दिक अर्थ शिक्षक का घर] की प्रणाली। छात्रों को शिक्षा के पूरे काल के लिए शिक्षक और उनके परिवार के साथ रहना आवश्यक था। कुछ गुरुकुल एकांत वन-क्षेत्रों में होते थे, लेकिन सिद्धांत एक ही था विद्यार्थियों को गुरु (शिक्षक) / गुरु और उनके परिवार के साथ रहना होता था। यह प्रणाली लगभग 2500 वर्षों तक यथावत चलती रही। पाठशालाओं तथा शिक्षण संस्थाओं का विकास बहुत बाद में हुआ शिक्षा के उद्देश्य का पहला उल्लेख ऋग्वेद के 10 वें मंडल में पाया जाता है। इस मंडल के एक सूक्त में कहा गया है कि विद्या का उद्देश्य वेदों तथा कर्मकांड के ज्ञान के अतिरिक्त समाज में सम्मान प्राप्त करना, सभा-समिति में बोलने में सक्षम होना, उचित-अनुचित का बोध आदि है। इससे प्रतीत होता है की पूर्व वैदिक युग में शिक्षा के उद्देश्य व्यावहारिक थे। बाद में, उपनिषद काल में, ज्ञान का उद्देश्य अधिक सूक्ष्म हो गया। विद्या को दो भागों में बांटा गया झ परा विद्या और अपरा विद्या। अपरा विद्या में प्रायः समस्त पुस्तकीय तथा व्यावहारिक ज्ञान आ

केवल ब्रह्म विद्या को परा विद्या माना गया। परा विद्या श्रेष्ठ मानी गई क्योंकि इससे मोक्ष प्राप्त होता है। मोक्ष शिक्षा का अंतिम उद्देश्य हो रहा होगा, न की व्यावहारिक, क्योंकि मोक्ष सभी के लिए साध्य

मोदी-ट्रंप की मुलाकात से बनेगी व्यापार समझौते पर बात

जी-7 देशों की बैठक में मिल सकते हैं दोनों

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चल रहे व्यापारिक मतभेदों के बीच समझौते की संभावनाएं मजबूत होती दिख रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों का जिक्र कर विश्वास जताया है कि दोनों देश जल्द ही एक व्यापक व्यापार समझौते पर सहमति बनने वाले हैं। उनके इस बयान को दोनों देशों के आर्थिक संबंधों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी उनके अच्छे मित्र हैं और दोनों देशों के रिश्ते बेहद मजबूत हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत और अमेरिका के बीच जारी व्यापार वार्ताएं सफल होंगी और निकट भविष्य में एक लाभकारी समझौते का रास्ता साफ होगा। हालांकि, ट्रंप ने कहा कि भारत ने लंबे समय तक अमेरिकी उत्पादों और कंपनियों पर ऊंचे आयात शुल्क लगाए, जिससे अमेरिकी कारोबारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ट्रंप ने विशेष रूप से अमेरिकी मोटरसाइकिल निर्माता हार्ले-डेविडसन का उदाहरण देकर कहा कि भारी आयात शुल्क के कारण कंपनी के लिए भारतीय बाजार में कारोबार करना चुनौतीपूर्ण हो गया था। उनके अनुसार, इसी वजह से कंपनी को भारत में उत्पादन इकाइयां स्थापित करनी पड़ीं। उन्होंने दावा किया कि भारतीय कंपनियों को अमेरिकी बाजार में अपेक्षाकृत कम बाधाओं का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि जी-7 देशों की बैठक में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच मुलाकात हो सकती है। इस बीच, हाल ही में भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच चार दिनों तक चली व्यापार वार्ता संपन्न हुई है। भारत के वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, बातचीत सकारात्मक माहौल में हुई और दोनों पक्षों ने व्यापार तथा आर्थिक सहयोग को नई गति देने की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्रालय का कहना है कि दोनों देश इसतरह के समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जिससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं को लाभ मिल सके। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई अपनी हालिया टेलीफोन वार्ता का उल्लेख किया, जिसमें व्यापारिक सहयोग बढ़ाने और लंबित मुद्दों के समाधान पर चर्चा हुई थी। इसके बाद दोनों देशों ने अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा पर काम तेज किया। हालांकि अमेरिकी न्यायालय के कुछ फैसलों और शुल्क नीति में हुए बदलावों के कारण वार्ताओं की प्रक्रिया प्रभावित हुई है। इसके बावजूद दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और विशेषज्ञों का मानना है कि रणनीतिक साझेदारी, निवेश और बढ़ते आर्थिक सहयोग को देखते हुए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की संभावनाएं पहले से अधिक मजबूत हुई हैं। यदि टैरिफ और बाजार पहुंच जैसे प्रमुख मुद्दों पर सहमति बनती है तो यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

भारतीय कंपनियां अमेरिका में बड़े ब्रांड की मालिक बनने की ओर अग्रसर

न्यूयॉर्क ।

ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म के एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय कंपनियां अब अमेरिका में बड़े ब्रांडों की मालिक बनने की ओर अग्रसर हैं जिससे भारतीय सॉफ्ट पावर बॉलीवुड और आईटी से आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि भारत एफएएएनजी यानी मेटा, अमेजन, एप्पल, नेटफ्लिक्स और गूगल जैसी प्रमुख अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए दूसरा सबसे बड़ा कार्यालय केंद्र है। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से विस्तार किया है और अब अमेरिका में उसकी सबसे अधिक बिक्री होती है। हम यहां मोटेल सिक्स के अधिग्रहण के साथ अमेरिका में सबसे बड़े इकोनॉमी होटल ब्रांड मालिक भी हैं। साल 2024 में ओयो ने 52.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर में जी6 हॉस्पिटैलिटी का अधिग्रहण पूरा किया था, जो अमेरिका के होटल ब्रांड मोटेल 6 की मूल कंपनी है और उसकी अमेरिका की सबसे बड़ी स्वामित्व एवं संचालित होटल श्रृंखला है। उन्होंने कहा` कि मुझे लगता है कि बहुत जल्द भारतीय कंपनियां अमेरिका में बड़ी ब्रांड मालिक बनेंगी। इसका मतलब है कि पहली बार अमेरिकी उपभोक्ता भारतीय ब्रांड का उपयोग करेंगे और हमारे देश की 'सॉफ्ट पावर' को बॉलीवुड और सॉफ्टवेयर सेवाओं से आगे समझेंगे। यह सब प्रौद्योगिकी के कारण संभव होगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 116, निफ्टी 49 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजार से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसकी कारण दिन भर कर के कारोबार के बाद 30शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 116.67 अंक नीचे आकर 74243.34 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 49.85 अंकों की गिरावट के साथ ही 23366.7 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एक समय पर सेंसेक्स करीब 355 अंक उछलकर 74,717.57 के स्तर पर पहुंच गया था पर इसके बाद अचानक ही इसमें गिरावट आने लगी। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के जिन शेयरों में अच्छी खरीदारी रही। ये हैं अडानी पोर्ट, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और एमएंडएम। वहीं दूसरी ओर टाटा स्टील, टीसीएस और एचसीएल टेक के शेयरों में गिरावट रही जबकि निफ्टी के साथ ही मिड और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली हावी रही। इस कारण निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.37 फीसदी नीचे आ गयाजबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.13 फीसदी गिरा।

आज कारोबार के दौरान अधिकतर इंडेक्स लाभ के साथ बंद हुए। आज सबसे ज्यादा खरीदारी निफ्टी मीडिया में रही और यह करीब 3.50 फीसदी तक ऊपर आया। इसके अलावा निफ्टी ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, पीएसयू बैंक, निजी बैंक, रियल्टी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स के शेयर भी लाभ के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी मेटल इंडेक्स करीब 1.50 फीसदी और निफ्टी आईटी करीब एक फीसदी गिरा। बाजार जानकारों के अनुसार ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत को लेकर संशय के बची ही विदेशी निवेशकों के बाजार से दूरी बनाने के अलावा आरबीआई के आर्थिक विकास दर के कम होने और महंगाई बढ़ने की आशंका से भी बाजार गिरा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 77 अंकों की गिरावट के साथ ही 94.97 पर बंद हुआ। आज सुबह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति निर्णय से पहले रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.63 पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.72 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 95.63 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की मजबूती दिखाता है। रुपया गुरुवार को दो पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.74 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ 99.41 पर रहा।

घाटे के बाद भी 39 लिस्टेड कंपनियों ने बांटा डिविडेंड

शेयर बाजार के चल रहे घोटाले से विदेशी निवेशक गायब

मुंबई ।

शेयर बाजार में एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। वित्त वर्ष 2025-26 में घाटे में चल रही 39 सूचीबद्ध कंपनियों ने अपने निवेशकों को 450 फीसदी तक डिविडेंड वितरित किया। इनमें कई ऐसी कंपनियां शामिल हैं, जिनका सालाना प्रदर्शन कमजोर रहा, फिर भी उन्होंने भारी लाभांश देकर बाजार को हैरान कर दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि घाटे में रहने के बावजूद ऊंचा डिविडेंड देना कंपनी की वित्तीय स्थिति पर सवाल खड़े करता है। आलोचकों का आरोप है कि बाजार नियामक सेबी ऐसे मामलों पर प्रभावी निगरानी नहीं रख पा रहा है। लगातार सामने आ रही अनियमितताओं और कॉरपोरेट गवर्नेंस से जुड़े मामलों ने निवेशकों का भरोसा कमजोर किया है। इसका असर विदेशी निवेश पर भी दिखाई दे रहा है, जहां विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय बाजार से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पारदर्शिता और कड़ी निगरानी के बिना बाजार में निवेशकों का विश्वास बहाल करना मुश्किल होगा। ऐसे मामलों की गहन जांच और सख्त कार्रवाई की मांग तेज हो रही है।

अमेरिकी कोयला उद्योग को बड़ा सहारा, ट्रंप ने 6700 करोड़ रुपये निवेश का ऐलान किया

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के कोयला उद्योग को नई मजबूती देने के उद्देश्य से 700 मिलियन डॉलर (करीब 6700 करोड़ रुपये) के निवेश पैकेज की घोषणा की है। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि यह पहल ऊर्जा लागत कम करने, बिजली आपूर्ति को स्थिर बनाने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की ऊर्जा सुरक्षा के लिए कोयला बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने दावा किया कि नए निवेश के जरिए 14 कोयला आधारित बिजलीघरों और 42 कोयला खदानों को संरक्षण मिलेगा। इसके अलावा दो नए कोयला बिजलीघर और एक बड़े निर्यात टर्मिनल का निर्माण होगा। उनके अनुसार इस परियोजना से कोयला उत्पादक क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा मिलेगा और करीब 14 हजार नौकरियों को समर्थन मिलेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इस योजना से अमेरिकी उपभोक्ताओं के बिजली खर्च में करीब 50 अरब डॉलर तक की बचत संभव होगी। उन्होंने घोषणा की कि कई कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को चालू रखने के लिए सरकार आपातकालीन अधिकारों का उपयोग करेगी। ट्रंप के मुताबिक वेस्ट वर्जीनिया, केंटकी, नॉर्थ कैरोलाइना, इंडियाना, टेनेसी, एरिजोना, अर्कांसस, ओक्लाहोमा, नॉर्थ डकोटा और विस्कॉन्सिन सहित कई राज्यों के 13 कोयला बिजलीघरों को फैसले से राहत मिलेगी।

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इन बिजलीघरों के आधुनिकीकरण से उनकी संचालन क्षमता कई दशकों तक बनी रहेगी और देश के बिजली ग्रिड की विश्वसनीयता बढ़ेगी। ट्रंप ने एक बड़े निर्यात कार्यक्रम की भी घोषणा करते हुए कहा कि वेस्ट गेटवे प्रोजेक्ट का निर्माण इस वर्ष गर्मियों में शुरू होगा। परियोजना के पूरा होने के बाद 2028 से प्रतिवर्ष 1.2 करोड़ टन उच्च गुणवत्ता वाला अमेरिकी कोयला वैश्विक बाजारों में निर्यात किया जाएगा। अमेरिकी गृह मंत्री डग बर्गम ने कहा कि सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी मंजूरी प्रक्रियाओं को तेज किया है और कई नियामकीय बाधाओं को कम किया गया है। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकार के कार्यकाल में कोई नया कोयला पट्टा जारी नहीं हुआ था, जबकि वर्तमान प्रशासन ने 76 परमिट और लीज को मंजूरी दी है।

ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने भी कोयले को आधुनिक औद्योगिक विकास और बिजली उत्पादन का अहम आधार बताया। ट्रंप ने कहा कि विनिर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और घरेलू उद्योगों के विस्तार के लिए विश्वसनीय ऊर्जा आपूर्ति आवश्यक है और कोयला इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 682 अरब डॉलर पर, 11 महीने के आयात के लिए पर्याप्त आरबीआई

दो जनवरी, 2026 को समाप्त सप्ताह में 686.801 अरब डॉलर था

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर है जो लगभग 11 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो जनवरी, 2026 को समाप्त सप्ताह में 686.801 अरब डॉलर था।उन्होंने बताया कि इन उपायों में प्रमुख व्यापार साझेदारों के साथ हाल के समझौते, बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति, एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम, ऊर्जा बदलाव को बढ़ावा, सीमावर्ती देशों के लिए एफडीआई नियमों में ढील, बाह्य यानी विदेशों से वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) ढांचे का उदारीकरण और अन्य कदम शामिल हैं। उन्होंने कहा` कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 29 मई 2026 तक 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर था, जो लगभग 11 महीने के आयात और विदेशी ऋण (89.1 प्रतिशत) जैसे भंडार पर्याप्तता के मानकों के हिसाब से पर्याप्त है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न नीतिगत पहल भुगतान संतुलन को मजबूत करने में मदद करेंगी। गवर्नर ने कहा` कि हमारा विदेशी मुद्रा भंडार बाहरी झटकों से सुरक्षा प्रदान करता है। हमारे पास नियामकीय तथा बाजार-आधारित कई साधन हैं जिनसे आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं। इस संदर्भ में हम सतर्क हैं और व्यवस्थित बाजार स्थिति बनाए रखने के लिए जो भी आवश्यक होगा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 22 मई को समाप्त सप्ताह में 7.51 अरब डॉलर घटकर 681.38 अरब डॉलर रहा।इस वर्ष 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में यह भंडार 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा था, लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद कई सप्ताह तक इसमें गिरावट आई। इसका कारण रुपये पर दबाव बढ़ा और भारतीय रिजर्व बैंक को डॉलर बेचकर विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा।

चांदी के गहनों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य

नई दिल्ली ।

देश में चांदी के गहनों और कलाकृतियों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य करने की तैयारी शुरू हो गई है। उपभोक्ताओं को शुद्धता की गारंटी देने और बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया जा रहा है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने इसके लिए नियामकीय और तकनीकी ढांचे का अध्ययन शुरू कर दिया है। बीआईएस के अनुसार, व्यवस्था को पूरी तरह तैयार करने और संभावित कमियों को दूर करने के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। वर्तमान में सोने के आभूषणों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य है, जबकि चांदी पर यह व्यवस्था लंबे समय से स्वैच्छिक रूप में लागू है। प्रस्तावित नियम लागू होने के बाद चांदी के गहनों की शुद्धता की प्रमाणिकता सुनिश्चित होगी और ग्राहकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात घटाने बनाए छह क्षेत्रीय समूह

समूहों की अध्यक्षता डीपीआईआईटी के सचिव करेंगे

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता घटाने के लिए कम से कम 100 उत्पादों की पहचान करने हेतु छह क्षेत्र-विशेष कार्य समूहों का गठन किया है। एक अधिकारी ने कहा` कि इसका उद्देश्य इन उत्पादों के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देना है। ये समूह संबंधित वस्तुओं की सूची पर चर्चा करेंगे और उनके द्वारा तैयार अंतिम सूची तीन सप्ताह के भीतर मंत्रिमंडल सचिवालय को सौंपी जाएगी। ये छह समूह औषधि, जैव-प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा उपकरण, रसायन व पेट्रो-रसायन, वस्त्र व जूते चप्पल, पूंजीगत वस्तुएं, मोटर वाहन व इलेक्ट्रिक वाहन, उन्नत पूंजीगत वस्तुएं, ऊर्जा, निर्माण उपकरण व अवसंरचना तथा रक्षा व वैमानिकी (केवल नागरिक उपयोग वाले उत्पादों के लिए) और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। इन समूहों में वाणिज्य, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), नीति आयोग, औषधि, आर्थिक मामलों, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रसायन, वस्त्र, भारी उद्योग, बंदरगाह एवं नौवहन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी, सड़क परिवहन, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और तेल मंत्रालयों/विभागों के सदस्य शामिल हैं। इन समूहों की अध्यक्षता डीपीआईआईटी के सचिव करेंगे। ये समूह ऐसे उत्पादों की पहचान करेंगे जो या तो भारत में निर्मित नहीं होते या देश की जरूरतों के अनुसार पर्याप्त मात्रा में उत्पादित नहीं हो रहे हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का आयात 7.5 प्रतिशत बढ़कर 775 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

10 महीनों में लागू होंगे 9 मुक्त व्यापार समझौते

भारत बनेगा दुनिया का भरोसेमंद मैन्युफैक्चरिंग हब

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार अगले 10 महीनों में पिछले तीन वर्षों के दौरान किए गए नौ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को लागू करने की तैयारी में है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इन समझौतों से भारत की वैश्विक व्यापारिक पहुंच बढ़ेगी और देश दुनिया के सबसे भरोसेमंद विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरेगा। मुंबई में आयोजित सिटी 2026 इंडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि ओमान के साथ एफटीए 1 जून से लागू होने के बाद अगले छह महीनों में दो से तीन और महत्वपूर्ण व्यापार समझौते प्रभावी हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में जिन नौ एफटीए पर हस्ताक्षर किए गए हैं, उनमें 38 विकसित अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं।

ये देश भारत के प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि उसकी आर्थिक वृद्धि के सहयोगी और पूरक हैं। गोयल ने कहा कि वैश्विक कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन कर रही हैं और इस प्रक्रिया में भारत सबसे विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में लगभग 50 अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ उनकी चर्चा हुई, जिनमें से अधिकांश ने भारत को सुरक्षित, स्थिर और भरोसेमंद निवेश गंतव्य बताया। उनके अनुसार दुनिया भारत को केवल एक बड़े बाजार के रूप में नहीं बल्कि वैश्विक विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में देख रही है। इसी दृष्टि को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने 3.5 अरब डॉलर की लागत से 100 औद्योगिक पार्क विकसित करने का कार्यक्रम शुरू किया है।

इन पार्कों में उद्योगों को भूमि, बिजली-पानी, श्रमिक आवास, पर्यावरणीय मंजूरियां और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी।गोयल ने कहा कि सरकार अब केवल नियामक की भूमिका तक सीमित नहीं है, बल्कि उद्योगों और निवेशकों के लिए सुविधाप्रदाता की भूमिका निभा रही है। इससे भारत में निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

राजेश एक्सपोर्ट्स के शेयर में भारी गिरावट

सेबी ने लगाया कारोबार पर प्रतिबंध

15 लाख करोड़ से ज्यादा का घपला घोटाला

मुंबई ।

स्वर्ण आभूषण एवं बुलियन कारोबार से जुड़ी राजेश एक्सपोर्ट्स के शेयरों में सेबी की कड़ी कार्रवाई के बाद भारी गिरावट देखने को मिली है। 2023 में इस कंपनी का शेयर 1,028 रुपये पर पहुंच चुका था। कंपनी का शेयर लगातार दबाव में रहा और अब इस कंपनी का शेयर 103 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा है। निवेशकों को 12000 करोड़ रुपए से ज्यादा का घाटा हुआ है। इसमें केनरा बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम को भी भारी नुकसान हुआ है। भारतीय जीवन बीमा निगम ने इसकी शेयर खरीद रखे हैं वहीं लगभग 600 करोड़ रुपए का कर्ज केनरा बैंक का है।

हालिया घटनाक्रम के बाद शेयर में बिकवाली और तेज हो गई। स्टॉक लोअर सर्किट पर पहुंच गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनी और उसके प्रबंधन पर वित्तीय खुलासों में कथित अनियमितताओं के आरोपों की जांच शुरू करते हुए कई प्रतिबंधात्मक कदम उठाए हैं। नियामक की कार्रवाई से निवेशकों का भरोसा प्रभावित हुआ है। जिसका असर सीधे कंपनी के बाजार पूंजीकरण और शेयर मूल्य पर दिखाई दे रहा है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है, किसी भी सूचीबद्ध कंपनी के लिए पारदर्शिता और नियामकीय अनुपालन अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारोबार करने वाली कंपनी का यह घपला घोटाला सभी को चौंका रहा है। सेबी की जांच पूरी होने और तथ्यों के स्पष्ट होने तक निवेशकों में असमंजस की स्थिति बन गई है। फिलहाल बाजार की नजर सेबी की आगे की कार्रवाई और कंपनी के स्पष्टीकरण के इंतजार पर टिकी हुई है। शेयर बाजार के घपले-घोटाले अब एक-एक करके सामने आ रहे हैं। राजेश एक्सपोर्ट के सामने सेबी जैसी संस्था भी बौनी साबित हो रही है। बार-बार जानकारी मांगने के बाद भी यदि उसके द्वारा जानकारी नहीं दी जा रही है।

आरबीआई ने खुदरा महंगाई दर का अनुमान बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत किया

इसके पहले 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ईंधन की बढ़ती कीमतों से कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी होने से शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा महंगाई दर का अनुमान बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया। पहले इसके 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। पेट्रोल की खुदरा कीमतों में मई से अब तक कुल 7.4 प्रतिशत और डीजल में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आरबीआई ने मौद्रिक नीति बयान में कहा कि इस बढ़ोतरी का कुल महंगाई पर करीब 0.36 प्रतिशत का सीधा असर पड़ेगा। इसके साथ दूसरे दौर के प्रभाव आने वाले महीनों में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में दिखाई देंगे। इसमें कहा गया कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी का असर वाणिज्यिक एलपीजी, औद्योगिक कच्चे माल, रसायन, रबड़ और प्लास्टिक उत्पादों जैसे अन्य कच्चे माल पर भी दिख रहा है। कच्चे माल की लागत बढ़ने के दूसरे चरण के प्रभाव आगे चलकर महंगाई पर दबाव डाल सकते हैं।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने जून मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, जिंस कीमतों में झटके, मानसून को लेकर अनिश्चितता और अल नीनो जैसी परिस्थितियों के कारण महंगाई बढ़ने का जोखिम बना हुआ है। फरवरी में 3.2 प्रतिशत से थोड़ा बढ़ने के बावजूद मार्च और अप्रैल 2026 में कुल खुदरा महंगाई लक्ष्य से नीचे (क्रमशः 3.4 प्रतिशत और 3.5 प्रतिशत) रही। खाद्य महंगाई में कुछ बढ़ोतरी हुई, जबकि मार्च और अप्रैल में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर रहने से ईंधन की महंगाई दर नियंत्रित रही। मुख्य महंगाई मार्च-अप्रैल के दौरान 3.7 प्रतिशत पर स्थिर रही। कीमती धातुओं को छोड़कर मुख्य महंगाई इसी अवधि में और कम होकर 2.1-2.2 प्रतिशत रही।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें (भारत पर भार) अप्रैल-मई, 2026 के दौरान औसतन लगभग 110 डॉलर प्रति बैरल रही हैं।

ऐसे संकेत हैं कि 2026-27 में औसत कीमतें पिछली नीति में अनुमानित स्तर से काफी अधिक रहेंगी।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा की ऊंची कीमतों और कई कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी के कारण अप्रैल, 2026 में थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) में तेज उछाल देखा गया।

ईमानदारी से बनी फिल्म दर्शकों तक जरूर पहुंचती है

आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने फिल्म, दर्शकों और साउथ सिनेमा को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म की सफलता उसकी ईमानदारी, मेहनत और अच्छे इरादे पर निर्भर करती है। जाह्नवी कपूर ने कहा, 'अगर कोई फिल्म पूरी ईमानदारी और मेहनत से बनाई जाती है, तो वह अपने दर्शकों तक जरूर पहुंचती है। लोग जल्दी जज कर लेते हैं, लेकिन आखिरकार हम फिल्म दर्शकों के मनोरंजन के लिए बनाते हैं। हम उनके लिए काम करते हैं, इसलिए उनकी भावनाओं और राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मेरे लिए दर्शक भगवान की तरह हैं, और हम सिर्फ उनकी सेवा करने की कोशिश करते हैं।' साउथ फिल्मों में अपने अनुभव को साझा करते हुए जाह्नवी ने कहा कि उन्हें तेलुगु फिल्मों में काम करने में काफी मजा आ रहा है। हालांकि, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब शायद वह मलयालम भाषा में काम करने की कोशिश नहीं करेंगी, क्योंकि यह उनके लिए काफी कठिन है। उन्होंने कहा, 'मलयालम बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन मेरे लिए यह काफी मुश्किल है। तमिल और तेलुगु भाषा से मैं थोड़ा परिचित महसूस करती हूं, इसलिए तेलुगु फिल्मों में काम करना मुझे बेहद पसंद आ रहा है। आगे चलकर मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।'

कार्यक्रम के दौरान जाह्नवी कपूर ने अभिनेता राम चरण की लोकप्रियता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें हर जगह राम चरण का नाम सुनने को मिला। जाह्नवी ने कहा, 'मैं अभी अमेरिका से लौटी हूं, और वहां भारतीयों की पहचान के तौर पर लोग राम चरण का नाम लेते हैं। यहां तक कि इमिग्रेशन पर भी मुझसे पूछा गया कि क्या मैं भारत से अभिनेत्री हूं, और फिर उन्होंने तुरंत कहा- राम चरण!'

बॉलीवुड के माहौल को शेखर ने बताया टॉक्सिक

शेखर सुमन बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड के बारे में चौंकाने वाली बातें कही हैं। शेखर ने बताया कि किस तरह से यहां लोगों में जलन की भावना भरी है। इंडस्ट्री का माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है। इसके अलावा भी वह कई और बातें बॉलीवुड के लोगों और सेलेब्स को लेकर शेयर करते हैं।

फिल्मफेयर को दिए गए हालिया इंटरव्यू में शेखर सुमन कहते हैं, 'देखिए जब कोई फेल होता है, किसी की फिल्म फ्लॉप होती है, शादी टूटती है तो कुछ लोगों को बहुत अच्छा लगता है। ऐसे लोग दूसरों को सफलता और खुशी देखकर दुखी होते हैं। हम बॉलीवुड में भी एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, यहां पर माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है।

शेखर सुमन आगे अपने इंटरव्यू में कहते हैं, 'बॉलीवुड के लोगों में बहुत जलन है। यह सामने पर एक-दूसरे को गले लगाते हैं लेकिन बाद में पीठ में छुरा घोंप देंगे। ये लोग एक-दूसरे की लाश पर चढ़कर आगे बढ़ जाएंगे। यह बहुत दुखी करने वाली बात है। इस कंडीशन के बावजूद शेखर सुमन के मन में बॉलीवुड के लिए बहुत सम्मान है। वह कहते हैं, 'हमारी इंडस्ट्री इसलिए बची है, टिकी है क्योंकि यहां पर अच्छे लोग अब भी बाकी हैं। इस इंडस्ट्री ने ही दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे स्टार्स हमें दिए हैं।' शेखर सुमन मल्टीटैलेंटेड हैं, एक्टिंग के अलावा एंकरिंग, सिंगिंग, प्रोडक्शन तक में उन्होंने हाथ आजमाया है। साल 2024 में वह एक वेब सीरीज 'हीरामंडी' में दिखे थे। जल्द ही 'द पिरामिड स्कीम' में नजर आएंगे।

राजेश-विक्रांत की फिल्म अंडर 18 में किच्चा सुदीप की एंट्री

ऐश्वर्या साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी की नई फिल्म 'अंडर 18' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी को लेकर लोगों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता थी, लेकिन अब इसमें सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एंट्री ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसका आधिकारिक ऐलान किया। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही एसआर प्रोडक्शंस ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किच्चा सुदीप का स्वागत किया। पोस्ट में लिखा, ''बादशाह आ चुके हैं। पावरहाउस परफॉर्मर किच्चा सुदीप का 'अंडर 18' में स्वागत है। सफर में एक बड़ा बदलाव अब शुरू होता है।'' फिल्म से उनके जुड़ने के ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। लोग अब यह जानने के लिए और ज्यादा उत्सुक हैं कि फिल्म में किच्चा सुदीप का किरदार कैसा होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी उनके रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है।

यूके की गलियों में शूटिंग कर रहे अहान पांडे, साथ में नजर आई शरवरी वाघ

पिछले साल आई सफल फिल्म 'सैयारा' ने अहान पांडे को रातोंरात स्टार बना दिया। अब अहान अली अब्बास जफर के साथ अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभी तक फिल्म का टाइटल सामने नहीं आया है। अब फिल्म की शूटिंग के दौरान का एक वीडियो सामने आया है। इसने फिल्म को लेकर फैंस में उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो कथित तौर पर फिल्म के यूके शूटिंग शेड्यूल का है। इसमें अहान पांडे के साथ फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ नजर आ रही हैं। हालांकि, यह वीडियो कुछ ही सेकंड का है, लेकिन अहान और शरवरी को पहली बार पर्दे पर देखने के लिए फैंस उत्साहित हो गए हैं। वीडियो में अहान पूरी तरह से काले रंग के कपड़ों में नजर आ रहे हैं। वहीं शरवरी मैरून शर्ट और नारंगी मिनी स्कर्ट में दिखाई दे रही हैं। फिल्म की 27 दिनों की शूटिंग इस साल की शुरुआत में मुंबई के वाईआरएफ स्टूडियो में पूरी हुई थी। इसके बाद टीम एक लंबे इंटरनेशनल शूट के लिए विदेश रवाना हुई, जिसके लगभग दो महीने तक चलने की उम्मीद है।

ऐश्वर्य ठाकरे भी निभाएंगे प्रमुख भूमिका

अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को एक एक्शन-लव स्टोरी फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म में रोमांस के साथ-साथ जबरदस्त एक्शन और टकराव भी देखने को मिलेगा। इस फिल्म में 'निशानची' फेम ऐश्वर्य ठाकरे के भी मुख्य भूमिका में नजर आने की खबरें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐश्वर्य फिल्म में विलेन के किरदार में नजर आएंगे।

पेद्दी की कहानी ने मुझे प्रेरित किया

राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे, जो गांव, आत्मसम्मान, संघर्ष और पहचान की कहानी कहता है। उनसे हुई बातचीत...

'पेद्दी' चुनने की बड़ी वजह क्या रही?

ईमानदारी और समर्पण से की गई फिल्म है। यह भारत की मिट्टी की कहानी है। यह उन लोगों की कहानी है, जो अपनी पहचान और आत्मसम्मान के लिए जीते हैं। आज भी देश में कई गांव ऐसे हैं, जो ठीक तरह से नक्शे पर दर्ज नहीं हैं। वहां रहने वाले लोगों के पास बुनियादी सुविधाएं तक सीमित हैं। 'पेद्दी' ऐसे ही एक युवक की कहानी है, जो अपनी पहचान खोजते हुए अपने पूरे गांव और समुदाय को पहचान दिलाने की कोशिश करता है।

इसके लिए कितनी तैयारी करनी पड़ी?

यह किरदार शारीरिक और मानसिक स्तर पर चुनौतीपूर्ण था। उत्तर भारत यूपी, हरियाणा और बिहार में कुश्ती सिर्फ खेल नहीं, बल्कि भावना है। मुझसे पहले सलमान खान ने 'सुल्तान' और आमिर खान ने 'दंगल' में कुश्ती को बड़े परदे पर दिखाया। मुझे सलमान बेहद पसंद हैं। उनकी फिल्मों की सफलता ने भरोसा दिया कि भारत की मिट्टी से जुड़ी कहानियां लोगों तक गहराई से पहुंचती हैं। करीब 200 दिनों की शूटिंग में मुझे कड़ी ट्रेनिंग और लगातार शारीरिक मेहनत करनी पड़ी।

आप हमेशा रिस्क लेते रहे हैं। क्या चोटों से डर नहीं लगता?

डर हर किसी को लगता है, लेकिन मुझे अपने स्टंट्स खुद करना पसंद है। आज तकनीक पहले से काफी बेहतर हो गई है, इसलिए रिस्क कम हुआ है। मुझे लगता है कि दर्शक समझ जाते हैं कि कौन-सा एक्शन असली है और कौन-सा बॉडी डबल ने किया है। जब आप खुद करते हैं, तो दर्शकों से अलग कनेक्शन बनता है। मेरे पिता आज भी खुद स्टंट्स करते हैं। मैं उन्हें मना करता हूं, लेकिन उसमें एक अलग आकर्षण होता है। 'पेद्दी' ने मुझे भीतर से बहुत प्रेरित किया है।

पिता चिरंजीवी ने कहा कि ऐसी फिल्में दशकों में एक बार बनती हैं। यह सुनकर क्या महसूस हुआ?

जब इतने बड़े कलाकार और आपके पिता ऐसा कहते हैं, तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसा लगता है कि कंधों पर वजन और बढ़ गया है। मैंने इस फिल्म के लिए करीब 13-14 महीने मेहनत की। कई महीनों तक पूरी तरह वेजिटेरियन डाइट फॉलो की।

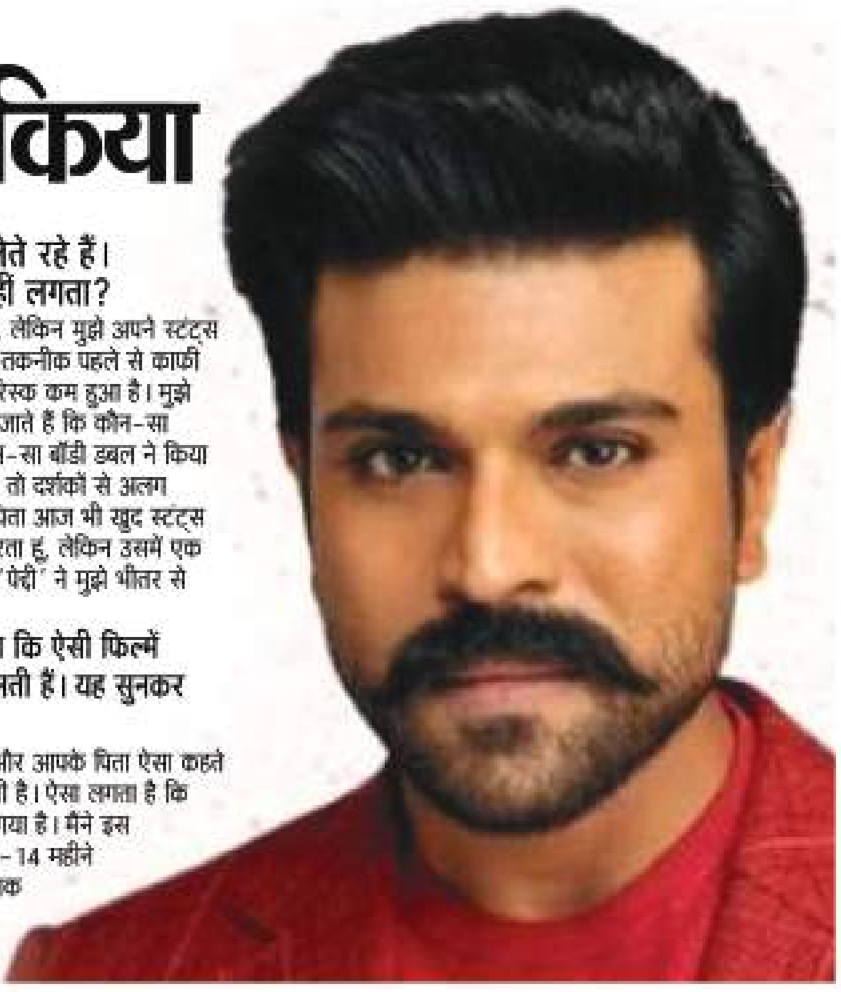

खुद को स्वीकार करना ही सच्ची स्प्रिचुअलिटी है

सारा अली खान बेबाक हैं, बिंदास हैं, साथ ही प्रतिभा की धनी भी। अभिनय के मामले में उन्होंने अपनी खानदानी परंपरा को आगे बढ़ाया और खुद को साबित किया। कई भूमिकाओं में सराही गई सारा को उनकी पिछली फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में उनके काम को खूब तारीफ मिली थी। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर। इस खास मुलाकात में उन्होंने अपने अध्यात्म, होने वाले जीवनसाथी, अपनी मां, ट्रोल्स, अपने बेबाक अंदाज जैसे कई मुद्दों पर बेधड़क होकर बात की।

सारा इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो अपनी स्प्रिचुअल जर्नी के लिए भी जानी जाती हैं। आप अक्सर उन्हें मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में अपना भक्तिभाव लुटाते देखते हैं। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में वह कहती हैं, 'हां, मैं स्प्रिचुअल हूं, मगर इसी के साथ आपको अपने आप को भी स्वीकार करना जरूरी होता है। फिर आप वो चाहे जैसे करो। आप अपने माता-पिता के जरिए करो, अपने वर्कआउट के जरिए करो या किसी और रास्ते, मगर खुद को स्वीकारना और स्वयं के साथ सहज होना बहुत आवश्यक है। देखिए, वही मेरी निजी जिंदगी है। मैं मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में जाकर बेहतर महसूस करती हूं, इसीलिए बार-बार जाती हूं। मुझे पहाड़ों पर जाकर बहुत सुकून मिलता है। कई बार वो पहाड़ रिलिजियस भी होते हैं, मगर पहाड़ मुझे हमेशा अपनी ओर आकर्षित करते हैं।'

अपनी मां जैसी तिनका भर बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात

अपने करियर में सारा कई फिल्मों में पत्नी और प्रेमिका की भूमिका निभा चुकी हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि जीवनसाथी के रूप में वह किस तरह के शख्स को चाहेंगी? तो वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, 'एक अच्छे इंसान की तलाश है मुझे। अगर आप बहुत अच्छे इंसान हैं, तो मुझे छूकर सकते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए अच्छे इंसान की परिभाषा यही है कि वह अपने आप में संतुष्ट हो, आत्मविश्वासी हो और अपने काम से प्यार करने वाला हो। मेरे लिए ये अहम है। बाकी के और गुण भी हों, तो बढ़िया है। मगर साथ में सही समय का होना जरूरी है।' मां अमृता सिंह को लेकर सारा अली खान भावुक सभी जानते हैं कि सारा की जिंदगी में उनकी मां अमृता सिंह अहम स्थान रखती हैं। अपनी मां के बारे में बात करते हुए वह थोड़ी भावुक हो जाती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'मुझे लगता है, हम सब इस दुनिया में अपनी मांओं की वजह से हैं। मैं तो यही उम्मीद करती हूं कि अपनी मॉम की तिनके भर जितनी भी इंसान बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात होगी। वे मेरी ताकत हैं, जिंदगी हैं।'

कोई बेरोजगार बंदा ही ट्रोलिंग करता होगा

दूसरे कई कलाकारों की तरह सारा भी ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। मगर अब सारा ने हेटर्स से डील करना सीख लिया है। वह कहती हैं, 'मैं भी मानती हूं कि सोशल मीडिया की अकाउंटेबिलिटी के लिए यूजर्स को अपने आधार कार्ड या कोई भी ऑफिशियल पेपर्स जमा कराने चाहिए, मगर दूसरी तरफ मुझे ये भी पता है कि ऐसा नहीं होने वाला, तो जब ऐसा नहीं होने वाला, तो दूसरों के बजाय खुद को रेगुलेट करना मेरे लिए आसान है। सुनने में बुरा लगे, मगर यह कोई बेरोजगार बंदा है, जो अपनी जिंदगी में खुश नहीं है और इसीलिए वो ऊटपटांग चीजें कह रहा है।

मैं इनसिक्योर अभिनेत्री नहीं हूं

आम तौर पर जब भी कोई कलाकार मल्टीस्टारर फिल्म में काम करता है, तो एक सवाल तो रहता ही है कि उसे कितना स्क्रीन स्पेस मिलेगा? क्या सारा को ऐसी कोई इंसिक्योरिटी सताती है? इस पर वह कहती हैं, 'मैं इन मामलों में कभी इनसिक्योर नहीं होती। मेरा सीधा-सा फंडा है कि आपको खुद पर यकीन होना चाहिए और अपने निर्देशक पर भी। आपको ये विश्वास होना चाहिए कि आप अपने किरदार के साथ न्याय कर पाएंगी। आपको साथ ही ये भी सोचना होता है कि सब अपना-अपना काम अच्छे ढंग से करें, ताकि फिल्म को फायदा हो। एक्टर्स को ये सिक्योरिटी और विश्वास रखना जरूरी है।' 'पति पत्नी और वो दो' से पहले मैंने 'मेट्रो...' जैसी कई कलाकारों वाली फिल्म में भी काम किया और तब भी मैं सिर्फ अपने रोल के बारे में नहीं सोचा। मैं कभी ऐसा नहीं सोचती कि मुझे एक हीरोइन वाली फिल्म में ही काम करना है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रफ्तार मीडिया संवाददाता
राजधनवारः विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी ने आदर्श कॉलेज राजधनवार परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता सह पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह सहित भाजपा नेताओं एवं कार्यकताओं ने कॉलेज परिसर में विभिन्न प्रजातियों के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।श्री सिंह ने लोगों से पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के संकल्प के साथ एक पेड़ माँ के नाम अभियान से जुड़कर अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि रोपित पौधों की नियमित देखभाल भी आवश्यक है। आज लगाया गया पौधा भविष्य में विशाल वृक्ष बनकर न केवल फल एवं छाया प्रदान करेगा, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और इससे आने वाली पीढ़ियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में पार्टी के जिला ग्रामीण महामंत्री पवन साव, जिला ग्रामीण मंत्री श्रीकांत राय, धनवार मंडल अध्यक्ष अरविन्द साव, मनसाडीह मंडल अध्यक्ष अशोक राय, नकुल राय, राजेन्द्र यादव, पवन सिंह, मंटू कुमार पंकज, भूपाल सिंह, रंजन सिंह, रामबोल सिंह, रौशन सिंह, सोहन यादव, अनमोल कुमार, नीरज मोदी, मुंशी राम, सुनयना देवी सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कोर्ट मैरेज के बाद जेल परिसर के शिव मंदिर में शादी की रस्में, जेल प्रशासन ने नियमों का हवाला देकर बीच में रुकवाया

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादः धनबाद मंडल कारा (जेल) परिसर स्थित शिव मंदिर में शुक्रवार को एक विवाह कार्यक्रम उस समय अचानक चर्चा और कौतूहल का विषय बन गया, जब जेल प्रशासन ने नियमों का हवाला देते हुए चल रही रस्मों को बीच में ही रुकवा दिया। दरअसल, कोर्ट मैरेज कर चुके एक जोड़े के परिजन वैदिक रीति-रिवाज से शेष विवाह संस्कार संपन्न कराने जेल के भीतर बने मंदिर पहुंचे थे। सुरक्षा और तकनीकी कारणों से बिना अनुमति कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर जेल पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए समारोह को तुरंत बंद करा दिया।

वकील की सलाह पर कारागार के शिवालय पहुंचे थे प्रेमी जोड़ा

मिली जानकारी के अनुसार, बिहार के आरा निवासी दिलीप यादव और धनबाद के पाथरडीह की रहने वाली कंचन ने आपसी रजामंदी से पहले ही कोर्ट मैरेज (न्यायालय विवाह) कर ली थी। इसके बाद दोनों परिवारों की मौजूदगी में पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाज से विवाह की बाकी बची धार्मिक रस्में पूरी करने के लिए वे धनबाद मंडल कारा परिसर स्थित शिवालय पहुंचे थे। मंदिर के चबूतरे पर पुरोहित द्वारा मंत्रोच्चारण किया जा रहा था और दोनों पक्षों के परिजन व बाराती वहां मौजूद थे।जेलर दिनेश प्रसाद वर्मा के निर्देश पर जेल पुलिस ने की कार्रवाई

विवाह कार्यक्रम जब अपने बीच के पड़ाव पर था, तभी जेल परिसर के भीतर इतनी भीड़ और मांगलिक गीतों की आवाज सुनकर जेल पुलिस मौके पर पहुंच गई। सुरक्षा घेरे और संवेदनशील क्षेत्र में बिना पूर्व लिखित अनुमति के चल रहे इस कार्यक्रम को देखकर पुलिस ने तुरंत रोक लगा दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जेलर दिनेश प्रसाद वर्मा ने त्वरित जांच कराई और सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर कार्यक्रम को रुकवाने का कड़ा आदेश जारी किया।

अति-संवेदनशील क्षेत्र है जेल, सार्वजनिक आयोजनों पर है पूर्ण प्रतिबंध

जेल प्रशासन ने मौके पर मौजूद पुरोहित को भी जेल मैनुअल और सुरक्षा नियमों के प्रति सचेत करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही परिजनों को हिदायत दी कि कारागार और उसके अधीनस्थ परिसर अति-संवेदनशील क्षेत्र के दायरे में आते हैं, जहां बिना उच्च अधिकारियों के आदेश के किसी भी प्रकार का सार्वजनिक या पारिवारिक उत्सव मनाना पूरी तरह प्रतिबंधित और गैर-कानूनी है।

अधूरे फेरों के साथ लौटना पड़ा वापस, अब दूसरे मंदिर में होगी शादी

कार्रवाई के बाद दूल्हा दिलीप यादव और दुल्हन कंचन ने बताया कि वे अपने वकील की सलाह पर ही कोर्ट से सटे इस शिव मंदिर में विवाह की शेष रस्में पूरी करने पहुंचे थे, उन्हें जेल के कड़े नियमों की पहले से जानकारी नहीं थी। घटना के बाद परिजनों को बिना विवाह संपन्न किए ही वहां से बैरंग लौटना पड़ा। लड़की के परिजन द्वारका यादव और बाराती अरविंद कुमार यादव ने बताया कि अब वे धनबाद के ही किसी अन्य सार्वजनिक मंदिर में जाकर सिंदूरदान और विवाह की शेष धार्मिक रस्मों को पूरा करेंगे। बहरहाल, कोर्ट मैरेज के बाद धार्मिक रस्मों के लिए चुना गया अनोखा स्थान ही इस विवाह की सबसे बड़ी बाधा बन गया, जिसकी चर्चा पूरे कोयलांचल में हो रही है।

बुंडू कावेरी सीड ने आयोजित किया विक्रेता सम्मेलन

रफ़्तार मिडिया बुंडू संवाददाता
बुंडू। कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड की ओर से बुंडू स्थित में शुक्रवार को विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कृषि उत्पाद विक्रेताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विक्रेताओं को कंपनी के नए उत्पादों, आधुनिक कृषि तकनीकों एवं किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी देना था। कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना एवं केक कटिंग के साथ हुई। सम्मेलन में प्रोजेक्टर के माध्यम से धान, मक्का एवं अन्य कृषि उत्पादों की विशेषताओं एवं उपयोग की जानकारी दी गई। इस दौरान जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा धान की उन्नत किस्मों KPH 468, KRH 7227, KRH 7429, KV 21 एवं KV 99 के लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। रीजनल बिजनेस हेड विनय सिंह ने बताया कि कावेरी सीड कंपनी लिमिटेड वर्ष 1976 में स्थापित एक स्वदेशी कंपनी है, जिसका मुख्यालय हैदराबाद में स्थित है। कंपनी किसानों को बेहतर गुणवत्ता वाले बीज एवं आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उनकी आय बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने विक्रेताओं को बीज एवं फसल सुरक्षा उत्पादों की विशेषताओं तथा किसानों को होने वाले लाभों की जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय प्रतिनिधि सुधांशु सिंह ने किया। सम्मेलन के अंत में सभी प्रतिभागियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

नागपुरी फिल्म ह्लसहरियाह्व का धमाकेदार आगाज, रिलीज के पहले दिन ही हाउसफुल

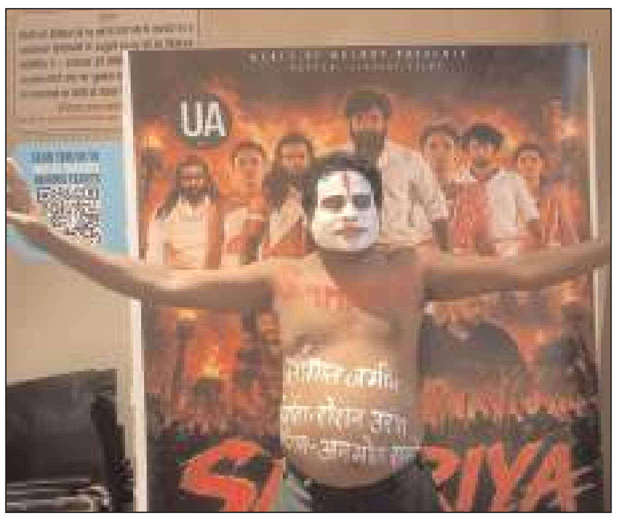

संवाददाता, संजय कुमार
रांची

झारखंडी भाषा और संस्कृति को समर्पित नागपुरी फीचर फिल्म ह्लसहरियाह्व ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दे दी। रांची के जे डी सिनेमा और पीवीआर सिनेमाघरों में फिल्म के सभी शो पहले दिन हाउसफुल रहे, जिससे स्पष्ट है कि दर्शक स्थानीय भाषा की सशक्त सिनेमा को अपनाने के लिए तैयार हैं।

दर्शकों ने फिल्म को सराहा

फिल्म देखने के बाद दर्शकों ने ह्लसहरियाह्व की कहानी, अभिनय, संगीत और सामाजिक सरोकारों की खुलकर सराहना की। कई दर्शकों ने कहा कि फिल्म ने झारखंडी समाज की वास्तविक समस्याओं को बिना लाग-लपेट के पर्दे पर उतारा है। एक दर्शक ने कहा, ह्लयह फिल्म मनोरंजन के साथ-साथ हमें हमारी जमीन, जंगल और समाज की पीड़ा से भी रूबरू कराती है।ह्व दर्शकों का मानना है कि ह्लसहरियाह्व जैसी फिल्में झारखंडी सिनेमा को नई दिशा देंगी।

सामाजिक यथार्थ पर आधारित है कहानी

ह्लसहरियाह्व केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि झारखंड के आदिवासी और ग्रामीण समाज की जमीनी सच्चाई को सामने लाने का साहसिक प्रयास है। फिल्म मानव तस्करी, जल-जंगल-जमीन के अधिकार और विस्थापन जैसे संवेदनशील मुद्दों को केंद्र में रखकर बुनी गई है। कहानी इन समस्याओं से जूझते आम लोगों की पीड़ा और संघर्ष को बेहद सहज अंदाज में दिखाती है।

निमार्ता-निर्देशक का नजरिया

फिल्म के निमार्ता रोशन उरांव ने कहा, ह्लसहरिया सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और अपनी संस्कृति को सहेजने का प्रयास है। पहले दिन मिला दर्शकों का प्यार बताता है कि स्थानीय मुद्दों पर बनी फिल्में भी बड़े पर्दे पर अपनी जगह बना सकती हैं।

फिल्म का निर्देशन अनमोल खलखो ने किया है। मुख्य भूमिकाओं में भूषण नायक, राजू तिर्की, नितेश कच्छप, आशीष तिग्गा, चांदनी बड़ाइक, प्रिया वर्मा, एंजल लकड़ा, सतीश सहदेव, दीपक लोहार और रंजू मिंज नजर आए। छायांकन धीरज डेनियाल शेमवेल लकड़ा ने किया है और संपादन रे शर्मा का है। यह जानकारी रंजू मिंज ने दी।

नागपुरी सिनेमा के लिए उम्मीद की किरण

सहरिया की सफलता नागपुरी सिनेमा के लिए सकारात्मक संकेत है। यह साबित करती है कि अगर कंटेंट मजबूत हो और जड़ों से जुड़ा हो, तो दर्शक भाषा की सीमा नहीं देखते। पहले दिन मिले रिस्पॉन्स से नागपुरी फिल्म निमार्ताओं को नई ऊर्जा मिली है और स्थानीय सिनेमा को और आगे बढ़ाने की राह खुली है।

तमाड़ गायत्री प्रज्ञा पीठ में विश्व पर्यावरण दिवस पर हवन-यज्ञ व वृक्षारोपण कार्यक्रम

रफ़्तार मिडिया तमाड़ संवाददाता
तमाड़. विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गायत्री प्रज्ञा पीठ तमाड़ की ओर से शुक्रवार को हवन-यज्ञ एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में उपस्थित लोगों व मुख्य ट्रस्टी सुखराम सिंह मुंडा ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया. इस अवसर पर गायत्री प्रज्ञा पीठ परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-यज्ञ संपन्न कराया गया. इसके बाद सदस्यों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संदेश दिया. वहीं गायत्री प्रज्ञा पीठ के सदस्यों ने तमाड़ आयुष हॉस्पिटल परिसर में भी वृक्षारोपण किया और लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की. वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण आवश्यक है. कार्यक्रम में गायत्री प्रज्ञा पीठ के पदाधिकारी, सदस्य एवं स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित थे.

विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर विधायक चौरसिया ने किया वृक्षारोपण

रफ्तार मीडिया मिथिलेश यादव मेदिनीनगर पलामू विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत डाल्टनगंज भंडरिया 76 विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय माननीय विधायक श्री आलोक चौरसिया ने अपने आवास परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल प्रकृति की सुंदरता ही नहीं बढ़ाते, बल्कि मानव जीवन, पर्यावरण संतुलन और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं।विधायक आलोक चौरसिया ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान केवल पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह हमारी माँ के प्रति सम्मान, प्रेम और प्रकृति के प्रति कर्तव्यबोध का प्रतीक है। जिस प्रकार माँ हमें जीवन देती है, उसी प्रकार वृक्ष भी हमें प्राणवायु, छाया, फल और स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माँ के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल का संकल्प भी लेना चाहिए।उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। यदि हर नागरिक एक-एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का दायित्व निभाए, तो आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।इस अवसर पर उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सामूहिक प्रयास करने का आान किया।आइए, हम सभी इस पावन अवसर पर संकल्प लें कि एक-एक पेड़ लगाकर न केवल पर्यावरण की रक्षा करेंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भविष्य का निर्माण भी करेंगे।

आसना में 'श्री हरि ग्राम विकास समिति' का गठन, क्रशर-पत्थर खदान बंद कराने के लिए जिला प्रशासन से मिलेगी टीम

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादःधनबाद जिले के गोविंदपुर प्रखंड अंतर्गत आसना गांव के सर्वांगीण विकास, बुनियादी समस्याओं के निवारण और सामाजिक उत्थान को लेकर ग्रामीणों की एक अत्यंत महत्वपूर्ण आम बैठक संपन्न हुई। आसना निवासी दिलीप कुमार के आवासीय प्रांगण में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ ग्रामीण अजित कुमार पंडित ने की। बैठक में पूरे गांव के प्रबुद्ध नागरिकों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान गांव को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए एक मजबूत संगठन की नींव रखी गई और क्षेत्र में चल रहे अवैध पत्थर खदानों के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंका गया।

सर्वसम्मति से हुआ 'श्री हरि ग्राम विकास समिति' का गठन

बैठक की शुरूआत में ग्रामीण समाज के कल्याण और हकों की लड़ाई के लिए एक संगठित मंच की आवश्यकता पर बल दिया गया। उपस्थित ग्रामीणों ने व्यापक विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से नई संस्था का नाम श्री हरि ग्राम विकास समिति, आसना रखने का प्रस्ताव पास किया। इसके बाद लोकतांत्रिक व पारदर्शी तरीके से 15 सदस्यीय नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का चयन किया गया।

नई कार्यकारिणी में इन्हें मिली जिम्मेदारीः
निदेशकःनन्दलाल कुमार एवं श्याम सुन्दर पाण्डेय
उपनिदेशकः दिनेश गोप एवं अशोक कुमार
अध्यक्षः अक्षय कुमार
उपाध्यक्षःविकास मंडल एवं टबलु कुमार
सचिवःपरेश कुमार (वकील)
उपसचिवः जगबंधु कुमार मंडल
कोषाध्यक्षः दिलीप कुमार
सह कोषाध्यक्षः सुनील मंडल एवं दिवाकर कुमार
ऑडिटरःअजित कुमार पंडित

गांव के पास चल रहे पत्थर खदान पर फूटा गुस्सा, बंद कराने की मांग

इस बैठक में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय गांव से महज 500 मीटर की दूरी पर संचालित पत्थर खदान और क्रशर उद्योग रहा। ग्रामीणों ने भारी आक्रोश जताते हुए कहा कि खदान में होने वाले हैवी ब्लास्टिंग (भारी विस्फोटों) के कारण गांव के गरीब परिवारों के पक्के और कच्चे मकानों की दीवारों में गहरी दरारें पड़ गई हैं, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। उड़ने वाली धूल से प्रदूषण का खतरा भी बढ़ गया है। समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जल्द ही एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल धनबाद उपायुक्त (डीसी) और जिला खनन पदाधिकारी से मुलाकात कर इस जनविरोधी पत्थर खदान को तुरंत बंद करवाने की मांग करेगा।

शिक्षा सुधार और स्थानीय विवाद सुलझाने का लिया संकल्प

चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद नवनियुक्त अध्यक्ष अक्षय कुमार और सचिव परेश कुमार सहित सभी पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। समिति ने संकल्प लिया कि वे बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के पूरी निष्ठा के साथ गांव में शिक्षा का स्तर सुधारने, सरकारी स्कूल की व्यवस्था दुरुस्त करने, स्वास्थ्य-स्वच्छता अभियान चलाने और स्थानीय स्तर के विवादों को कोर्ट-कचहरी ले जाने के बजाय आपसी सुलह से गांव में ही निपटाने का काम करेंगे। बैठक के समापन पर नवनिर्वाचित कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सेंटेविटा का ह्यबीट द हीटह्न अभियानः तपती गर्मी में पुलिसकर्मियों को मिला राहत का सहारा

नौवें साल भी जारी रहा अस्पताल का सामाजिक सरोकार

संवाददाताः संजय कुमार
रांचीः तपती गर्मी में सड़कों पर डटे पुलिसकर्मियों और ट्रैफिककर्मियों के लिए सेंटेविटा अस्पताल एक बार फिर मददगार बना। अस्पताल द्वारा वर्ष 2018 से चलाए जा रहे सामाजिक जागरूकता अभियान ह्यबीट द हीटह्न ने इस साल नौवां पड़ाव पूरा किया। लू और डिहाइड्रेशन से बचाव को लेकर आमजन को जागरूक करने के साथ-साथ खुले में ड्यूटी करने वाले कर्मियों तक राहत सामग्री पहुंचाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

पुलिसकर्मियों के लिए विशेष पहल

इस वर्ष भी सेंटेविटा अस्पताल ने रांची पुलिस और ट्रैफिक पुलिस विभाग के जवानों के बीच राहत सामग्री वितरित की। अभियान का शुभारंभ अस्पताल के जूनियर डायरेक्टर आदित साहू ने हरी झंडी दिखाकर किया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी और विपरीत परिस्थितियों में भी नागरिकों की सुरक्षा में जुटे पुलिसकर्मियों का योगदान सराहनीय है। अस्पताल उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भीषण धूप और बढ़ते तापमान में घंटों सड़क पर खड़े रहने वाले पुलिसकर्मियों को गर्मी से बचाने के लिए अस्पताल ने 500 से अधिक रेडी-टू-यूज ओआरएस पैकेट, 100 छाते और मास्क वितरित किए। इसका मकसद ड्यूटी के दौरान जवानों को हाइड्रेटेड रखना और लू, डिहाइड्रेशन से बचाना है।

समाज के रक्षकों के प्रति सम्मान

अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि यह पहल उन पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और सहयोग का प्रतीक है, जो प्रतिकूल मौसम में भी यातायात व्यवस्था और नागरिक सुरक्षा को सुचारु रखते हैं। राहत सामग्री वितरण के जरिए यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया कि ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के पास गर्मी से बचाव के जरूरी संसाधन हों।

हमारा मकसद सिर्फ इलाज देना नहीं है, बल्कि समाज के उन लोगों के साथ खड़ा होना भी है जो दिन-रात हमारी सुरक्षा में लगे हैं, अस्पताल प्रबंधन ने कहा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ह्यबीट द हीटह्न जैसे सामाजिक अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे।

शहरवासियों से अपील

सेंटेविटा अस्पताल ने आम लोगों से भी अपील की है कि गर्मी के इस मौसम में वे जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं। पर्याप्त पानी, ओआरएस और छांव की व्यवस्था कर जरूरतमंदों को राहत पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है। नौ साल से चला आ रहा ह्यबीट द हीटह्न अभियान न केवल जागरूकता बढ़ा रहा है, बल्कि समाज में सामुदायिक सहभागिता का संदेश भी दे रहा है।

केंदुआ बाजार में जलभराव की समस्या पर मेयर संजीव सिंह गंभीर, जल्द समाधान का आश्वासन

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद: केंदुआ बाजार स्थित मछली पट्टी में लंबे समय से जारी जलजमाव की समस्या से अब स्थानीय लोगों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। मामले की गंभीरता को देखते हुए धनबाद के मेयर संजीव सिंह ने स्वयं मौके पर पहुंचकर प्रभावित क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया और स्थानीय दुकानदारों व निवासियों से बातचीत कर उनकी परेशानियां सुनीं।आवागमन में हो रही भारी परेशानीस्थानीय नागरिकों ने मेयर को अवगत कराया कि सड़क पर लगातार गंदा पानी जमा रहने से राहगीरों और व्यापारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मच्छरों और दुर्गंध के कारण क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है।अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश स्थिति का जायजा लेने के बाद मेयर संजीव सिंह ने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने जल निकासी की व्यवस्था को तुरंत दुरुस्त करने और समस्या के स्थायी समाधान के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया।जनता की समस्या हमारी प्राथमिकता: मेयर निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मेयर संजीव सिंह ने कहा, "जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। केंदुआ बाजार की मछली पट्टी में जलजमाव की स्थिति गंभीर है। नगर निगम शहर के सभी वार्डों में जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दे दिए गए हैं, जल्द ही यहाँ ड्रेनेज सिस्टम को ठीक कर जनता को राहत दी जाएगी।"मेयर के इस त्वरित कदम और आश्वासन पर स्थानीय व्यवसायियों तथा नागरिकों ने आभार व्यक्त किया है, साथ ही उम्मीद जताई है कि नगर निगम जल्द ही इस दिशा में धरातल पर काम शुरू करेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

रफ्तार मीडिया लातेहार

लातेहार लातेहार: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला मुख्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) 2.0 के अंतर्गत संचालित जलागम विकास परियोजना के तहत आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त तथा जिला जलागम विकास समिति के अध्यक्ष एवं उप विकास आयुक्त सह परियोजना प्रबंधक ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। भूमि संरक्षण पदाधिकारी, जिला तकनीकी विशेषज्ञ, जलागम विशेषज्ञों सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।इस अवसर पर उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। वृक्ष मानव जीवन के लिए अमूल्य हैं। ये न केवल शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि जल एवं मृदा संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जिलेवासियों से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने की अपील की।उन्होंने कहा कि जल एवं मृदा संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का आधार है। यदि आज इन संसाधनों का संरक्षण नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाए।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा हरित आवरण बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा प्रकृति के संरक्षण में जनभागीदारी सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर तापा पहाड़ और समाहरणालय परिसर में हुआ वृक्षारोपण

रफ्तार मीडिया लातेहार

लातेहार लातेहार: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को लातेहार के तापा पहाड़ पार्क में उपायुक्त संदीप कुमार के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रवेश अग्रवाल, जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी एवं उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद ने भी पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण कर हरित आवरण बढ़ाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी भी सभी को निभानी होगी।उपायुक्त ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराने के लिए व्यापक स्तर पर पौधारोपण आवश्यक है। उन्होंने लोगों से सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसे स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की। साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को कम करने और पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने पर जोर दिया।उन्होंने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल जीवन का आधार है और इसके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों की सुरक्षा तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देकर भविष्य के जल संकट से बचा जा सकता है।तापा पहाड़ पार्क में वृक्षारोपण के बाद उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर में भी पौधारोपण किया। इस अवसर पर अधिकारियों और कर्मियों ने भी पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।मौके पर गोपनीय पदाधिकारी श्रेयांस, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहु, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार सहित कई जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मांडू चट्टी पंचायत में ग्राम सभा आयोजित, किया गया वृक्षारोपण

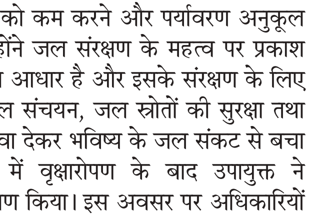

आशीष कुमार मुखर्जी/ रफ्तार मीडिया

मांडू (रामगढ़)। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर मांडू चट्टी पंचायत भवन में शुक्रवार को ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मांडू चट्टी की मुखिया श्रीमती अनीता देवी ने की, जबकि संचालन पंचायत सचिव राजकुमार साव ने किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण के महत्व पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रतिनिधि बालेश्वर भुईयां उर्फ छोटेलाल भुईयां द्वारा मांडू चट्टी प्रखंड मुख्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण को जन आंदोलन बनाना होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के झारखंड दौरे को ऐतिहासिक बनाने में जुटी भाजपा

प्रदेश कार्यालय में व्यवस्था टोली की समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न :कार्यकताओं में दिख रहा उत्साह

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया विशेष संवाददाता

रांची: झारखंड की मुख्य विपक्षी दल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 6 और 7 जून को झारखंड दौरे पर रहेंगे जिसे लेकर प्रदेश भाजपा सक्रिय नजर आ रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे को ऐतिहासिक और संगठनात्मक दृष्टि से सफल बनाने के लिए प्रदेश नेतृत्व लगातार तैयारियों की समीक्षा कर रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में व्यवस्था टोली की एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रवास से जुड़े सभी कार्यक्रमों और व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में तैयारियों को लेकर दिया गया दिशा निर्देश

बैठक की अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद द्वारा की गई युक्त बैठक में विभिन्न समितियों और कार्यक्रमों की जिम्मेदारी संभाल रहे नेताओं से तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली गई तथा आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा झारखंड भाजपा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके माध्यम से संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी।

एयरपोर्ट स्वागत से लेकर माल्यार्पण कार्यक्रम तक की तैयारियों की समीक्षा

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के रांची आगमन पर एयरपोर्ट में होने वाले स्वागत कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा की गई। इसके अलावा भगवान बिरसा मुंडा, जननायक कपूरी ठाकुर और भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाशपति मिश्र की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कार्यक्रम को लेकर भी चर्चा हुई।

संगठनात्मक बैठकों पर रहेगा विशेष फोकस

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आगमन के दौरान प्रदेश कोर कमेटी की बैठक, सांसदों एवं विधायकों की बैठक सहित कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में इन सभी आयोजनों की रूपरेखा और व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बता दे,इन बैठकों में संगठन विस्तार, आगामी राजनीतिक रणनीति, बूथ स्तर तक संगठन की मजबूती तथा आगामी चुनावों की तैयारियों पर चर्चा होने की संभावना है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहला झारखंड दौरा

मौके पर प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाऊरी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन का यह पहला झारखंड दौरा है। ऐसे में प्रदेश के कार्यकताओं में उनके आगमन को लेकर विशेष उत्साह है।उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन का इंतजार कर रहा है। कार्यकर्ताओं में उनके स्वागत को लेकर उत्साह और उमंग का माहौल है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए रांची पहुंचेंगे।

अंतिम चरण में पहुंची तैयारियां

अमर कुमार बाऊरी ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे से संबंधित लगभग सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और अब अंतिम चरण के कार्य चल रहे हैं। विभिन्न समितियों को सौंपे गए दायित्वों की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि कार्यक्रमों के आयोजन में किसी प्रकार की कमी न रह जाए।उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य इस दौरे को संगठनात्मक दृष्टि से ऐतिहासिक बनाना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष का मार्गदर्शन कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार करेगा और पार्टी की भावी रणनीतियों को मजबूती प्रदान करेगा।

इनकी रही उपस्थिति

बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा, प्रदीप वर्मा, बालमुकुंद सहाय, भानु प्रताप शाही और आभा महतो सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। इसके अलावा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, मनोज सिंह तथा विभिन्न समितियों के प्रभारी और पार्टी पदाधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिलन भगत/गोड्डा

शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्थानीय तिलका मांझी कृषि महाविद्यालय, गोड्डा परिसर में जिला प्रशासन, गोड्डा द्वारा जिला स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के प्रति आमजन, विशेषकर युवाओं को जागरूक करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार, उप विकास आयुक्त, श्रीकांत यशवंत विस्पुते, डिविजनल फॉरेस्ट ऑफीसर (डीएफओ) पवन बाघ, तिलका मांझी कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य, संकाय सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा पौधारोपण कर किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के छायादार, फलदार एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों का रोपण किया गया तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन का सामूहिक संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक, गोड्डा मुकेश कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई तथा प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान केवल वृक्षारोपण और पर्यावरण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी निभाने से ही संभव है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम-से-कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। डिविजनल फॉरेस्ट ऑफीसर (डीएफओ) पवन बाघ ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमूह से अपने घरों, विद्यालयों तथा आसपास के क्षेत्रों में अधिकाधिक वृक्षारोपण करने तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वृक्ष न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं, बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण तथा स्वच्छ वायु उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पौधों की देखभाल, संरक्षण एवं उनके पर्यावरणीय महत्व पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उपस्थित सभी लोगों ने अधिकाधिक वृक्षारोपण कर जिले को हरित, स्वच्छ एवं पर्यावरणीय दृष्टि से समृद्ध बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर सभी अतिथियों एवं अधिकारियों ने महाविद्यालय परिसर में स्थापित अमर शहीद बाबा तिलका मांझी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा उनके अदम्य साहस, त्याग, संघर्ष और राष्ट्रप्रेम को स्मरण किया। विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के अवसर पर आयोजित यह वृक्षारोपण अभियान पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।*

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ, निकली गई भव्य कलश यात्रा

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिलन भगत/गोड्डा

महागामा अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत कोयला गांव स्थित काली स्थान प्रांगण में शुक्रवार को भव्य कलश शोभायात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। धार्मिक आयोजन को लेकर गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। यज्ञ के प्रथम दिन 501 कन्याओं ने सिर पर कलश धारण कर गाजे-बाजे,ध्वज और रथ के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली। यह यात्रा कोयला काली मंदिर से प्रारंभ होकर हनवारा स्थित गेरूआ नदी घाट पहुंची,जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश में पवित्र जल भरा गया। इसके बाद श्रद्धालु पुनः कथा स्थल पहुंचे, जहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न कर यज्ञ का शुभारंभ किया गया।आयोजन समिति एवं समस्त कोयला ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित यह धार्मिक अनुष्ठान 11 जून 2026 तक चलेगा। आयोजकों ने बताया कि कथा का वाचन वृंदावन धाम, मथुरा से पधारी प्रसिद्ध कथा वाचिका साध्वी खुशी किशोरी के श्रीमुख से होगा। उनके द्वारा श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण की दिव्य एवं अमृतमयी कथा का रसपान कराया जाएगा। कथा प्रतिदिन संध्या 6:30 बजे से आयोजित होगी, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की बाल एवं दिव्य लीलाओं, धर्म,भक्ति,सदाचार तथा मानव कल्याण से जुड़े प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया जाएगा।आयोजन समिति ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण एवं धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की है। धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नामकुम प्रखंड परिसर में किया वृक्षारोपण....

नामकुम (अमित शर्मा)

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को हर साल मनाया जाता है यूँ तो प्रकृति का संरक्षण हर दिन किया जाना चाहिए जब प्रकृति बचेगा तो पर्यावरण बचेगा, जीवन बचेगा, जल बचेगा, कहें कि पूरा विश्व बचेगा। इसलिए ना सिर्फ एक दिन बल्कि हर दिन वृक्ष लगाना भी चाहिए और लगाने से ज्यादा इसका संरक्षण और संवर्धन होना चाहिए इसी क्रम में नामकुम प्रखंड परिसर में क्लब 40 और सुप्रभातम ग्रुप के द्वारा वृक्षारोपण किया गया और वृक्षारोपण करके प्रकृति संरक्षण का प्रण लिया। मौके पर आरती कुजूर, सुजीत सिन्हा, वार्ड सदस्य अशोक महतो, पंकज सिंह, मिथिलेश कुमार, राजकुमार गोप,वीरेंद्र रंजन, रमेश कुमार गुप्ता, भूषण जी, सेतु जी, मुन्ना सिंह, शत्रुघ्न रवि, ट्यूलिप कुमारी, गौतम कुजुर सहित कई लोग उपस्थित थे।

धनबाद में महिला समूहों ने शुरू किए 43 पेयजल सेवा केन्द्र

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद: झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के 43 संकुल संगठनों से जुड़ी महिला स्वयं सहायता समूह की दीदियों ने विभिन्न प्रखंडों में पेयजल सेवा केन्द्र की शुरूआत की है।जेएसएलपीएस के डीपीएम सुदिप्ता बनर्जी ने बताया कि महिला समूह द्वारा जन सेवा के लिए किए गए इस प्रयास के तहत लोगों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।उन्होंने कहा कि यह पहल ग्रामीणों को शुद्ध व शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के साथ-साथ महिलाओं को आत्मनिर्भरता के अवसर भी प्रदान कर रही है। "जल है तो कल है" के संदेश के साथ यह प्रयास स्वस्थ समाज, स्वच्छ जल और महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान है।

लाभुकों तक योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता : उपायुक्त

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिलन भगत/गोड्डा

समाहरणालय स्थित डीआरडीए सभागार में जिला दंडाधिकारी सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय योजनाओं की वर्तमान स्थिति, प्रगति, उपलब्धियों तथा लंबित मामलों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। इस दौरान उपायुक्त ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, कार्यशील आंगनबाड़ी केंद्र, पोषण ट्रैकर, अपार आईडी, आंगनबाड़ी सेवाएं, पीएम जनमन ,महिला सशक्तिकरण योजनाएं तथा विभागीय दिशा-निदेर्शों के अनुरूप सेविका एवं सहायिका चयन प्रक्रिया सहित अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रखंडवार एवं पंचायतवार प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं एवं चुनौतियों की समीक्षा करते हुए उनके त्वरित समाधान हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि समाज कल्याण विभाग की योजनाएं समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र लाभुकों की पहचान कर उन्हें समय पर योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए तथा कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत लाभुकों के पंजीकरण एवं भुगतान की स्थिति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करते हुए लाभुकों को समय पर भुगतान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका चयन से संबंधित सभी लंबित प्रस्तावों का अविलंब निष्पादन किया जाए तथा रिक्त पदों को विभागीय दिशा-निदेर्शों के अनुरूप शीघ्र भरा जाए, ताकि आंगनबाड़ी सेवाओं का संचालन प्रभावित न हो। उपायुक्त ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मियों को पूर्ण संवेदनशीलता, जवाबदेही एवं समर्पण के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग, प्रगति प्रतिवेदनों के समय पर संधारण तथा लाभुकों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान देने को कहा।

बुंडू ताऊ में 99 लाख से बनेगा ट्राइबल मल्टी पर्पस मार्केटिंग सेंटर, विधायक विकास मुंडा ने किया शिलान्यास

रफ़्तार मिडिया बुंडू संवाददाता

बुंडू के ताऊ पंचायत में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई उड़ान देने के लिए शुक्रवार को एक बड़ी पहल हुई। तमाड़ के विधायक विकास कुमार मुंडा ने 99 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 'ट्राइबल मल्टी पर्पस मार्केटिंग सेंटर' का विधिवत शिलान्यास किया। इस मार्केटिंग सेंटर को पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। योजना के अनुसार इसमें कुल 14 कमरे बनाए जाएंगे। इन कमरों का उपयोग स्थानीय किसानों, व्यापारियों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं और ग्रामीण उद्यमियों द्वारा अपने उत्पादों के भंडारण और बिक्री के लिए किया जाएगा। केंद्र में डिस्प्ले काउंटर, स्टोर रूम और मीटिंग हॉल की भी व्यवस्था होगी, ताकि समूह यहां ट्रेनिंग और उत्पाद प्रदर्शनी लगा सकें।विधायक विकास मुंडा ने शिलान्यास के बाद ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि ताऊ और आसपास के इलाके में , सब्जी और हस्तशिल्प जैसे उत्पाद बड़ी मात्रा में तैयार होते हैं, लेकिन मार्केटिंग की कमी से किसानों को सही दाम नहीं मिल पाता। यह सेंटर बनने के बाद ग्रामीण सीधे अपने उत्पाद यहां बेच सकेंगे। इससे बिचौलियों का हस्तक्षेप खत्म होगा और उत्पादकों को लाभ मिलेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर माय भारत जामताड़ा कि और से किया गया पौध वितरण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :
विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री उत्कृष्ट जेबीसी +2 जिला स्कूल जामताड़ा एवं दुलाडीह गांव में संयुक्त रूप से मेरा युवा भारत (माय भारत) जामताड़ा, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत मेरा युवा भारत जामताड़ा की उपनिदेशक उत्तरा विश्वास द्वारा अतिथियों को पौधा भेंट कर सम्मानित करने के साथ हुई। अपने संबोधन में उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हम सभी को प्रकृति का सम्मान करना चाहिए तथा पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए सामूहिक प्रयास करने चाहिए।उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को हरा-भरा, स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के मुख्य

अतिथि अबिमाइल टुडू ने कहा कि पर्यावरण का संतुलन और सुरक्षा मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा, तभी मानव जीवन स्वस्थ और सुरक्षित रह सकेगा। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं ने पूरे विश्व को चिंतित कर दिया है। इन्हीं चुनौतियों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर उत्तरा विश्वास ने दुलाडीह गांव में ग्रामीणों के बीच पौधों का वितरण किया तथा उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय कदम उठाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि केवल पर्यावरण दिवस पर ही नहीं, बल्कि वर्षभर वृक्षारोपण कर प्रत्येक व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

जल अतीत, वर्तमान और भविष्य का सबसे बड़ी चुनौती - रजत मुखर्जी

देवघर:जल पृथ्वी का सबसे अमूल्य प्राकृतिक संसाधन है। जीवन की कल्पना जल के बिना संभव नहीं है। मानव, पशु-पक्षी, वनस्पतियां तथा समस्त जीव-जगत प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जल पर निर्भर हैं। जल केवल प्यास बुझाने का माध्यम नहीं, बल्कि कृषि, उद्योग, ऊर्जा उत्पादन और दैनिक जीवन की आधारशिला भी है।

पृथ्वी की लगभग 71 प्रतिशत सतह जल से आच्छादित है, किंतु इसमें से अधिकांश भाग समुद्रों का खारा जल है, जो सीधे मानव उपयोग के योग्य नहीं है। पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल का मात्र एक छोटा हिस्सा ही मीठे जल के रूप में मौजूद है, जो नदियों, झीलों, तालाबों, भूजल स्त्रोतों तथा हिमनदों में संग्रहित रहता है। यही सीमित संसाधन आज बढ़ती आबादी और विकास की आवश्यकताओं का भार वहन कर रहा है।

प्राचीन काल में जल स्त्रोत स्वच्छ, प्रचुर और प्राकृतिक रूप से संतुलित थे। नदियों, तालाबों और कुओं के माध्यम से समाज अपनी जल आवश्यकताओं की पूर्ति करता था। जल संरक्षण जीवनशैली का हिस्सा था। लेकिन आधुनिक युग में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और जनसंख्या वृद्धि ने जल संसाधनों पर अभूतपूर्व दबाव डाल दिया है। जल चक्र प्रकृति का अद्भुत तंत्र है, जिसके माध्यम से जल निरंतर एक स्थान से दूसरे स्थान तक संचरित होता रहता है। सूर्य की ऊष्मा से जल वाष्पित होकर बादलों का निर्माण करता है और वर्षा के रूप में पुनः पृथ्वी पर लौटता है। यही प्रक्रिया पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखती है। किंतु जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का स्वरूप असंतुलित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आती है तो कहीं अल्प वर्षा के कारण सूखे की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

आज जल संकट विश्व की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बन चुका है। नदियों, झीलों और तालाबों का प्रदूषण, भूजल का अंधाधुंध दोहन, वनों की कटाई तथा औद्योगिक और घरेलू अपशिष्टों का अनियंत्रित निस्तारण जल की गुणवत्ता और उपलब्धता दोनों को प्रभावित कर रहा है। कई क्षेत्रों में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है, जिससे भविष्य को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है।

भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्याप्त और स्वच्छ जल उपलब्ध रहे, इसके लिए अभी से ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। वर्षा जल संचयन, जल का विवेकपूर्ण उपयोग, पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण, जलाशयों की सफाई तथा व्यापक वृक्षारोपण जैसे उपाय समय की मांग हैं। साथ ही समाज में जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना भी अत्यंत आवश्यक है।

जल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। यदि आज हमने जल संरक्षण को प्राथमिकता नहीं दी, तो आने वाले समय में गंभीर जल संकट मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है। इसलिए जल बचाना और उसका समुचित प्रबंधन करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

पौधे भी, पाठ भी : बच्चों ने पर्यावरण दिवस पर दिया हरित-शिक्षा का संदेश

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
मिहिजाम
विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को नगर परिषद कार्यालय परिसर में शिक्षा और पर्यावरण का अनूठा संगम देखने को मिला। वार्ड-9 की सामाजिक संस्था मात्र छाया के बच्चों ने खुद पौधे लगाकर हरित भविष्य का संकल्प लिया और समाज को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में जामताड़ा सब डिविजनल पदाधिकारी, मिहिजाम नगर परिषद पदाधिकारी गोपेश कुंभकार, सिटी मैनेजर विजय कुमार और उपाध्यक्ष मौजूद रहे। अतिथियों ने कहा कि लगातार पेड़ कटने से पर्यावरण असंतुलित हो रहा है। हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाना चाहिए। कार्यक्रम में बच्चों के साथ अतिथियों ने भी पौधारोपण कर स्वच्छता और हरियाली का संकल्प दोहराया।

बंदूक लेने आए नकाबपोश अपराधियों ने पुरुष के गुप्तांग में डाला डंडा, पीड़ित की हालत गंभीर

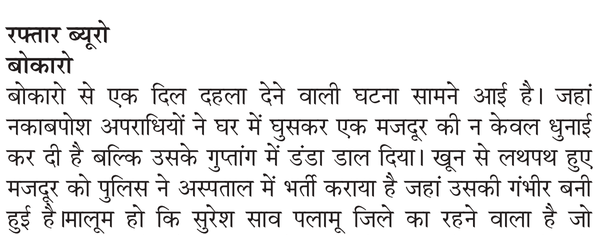

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो
बोकारो से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां नकाबपोश अपराधियों ने घर में घुसकर एक मजदूर की न केवल धुनाई कर दी है बल्कि उसके गुप्तांग में डंडा डाल दिया। खून से लथपथ हुए मजदूर को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसकी गंभीर बनी हुई है।मालूम हो कि सुरेश साव पलामू जिले का रहने वाला है जो बालीडीह थाना क्षेत्र के कुमीर्डीह में किराए के मकान में रहकर बोकारो स्टील प्लांट में ठेका मजदूरी करता था। पीड़ित ने बताया कि ड्यूटी से आने के बाद घर में सो रहा था तभी चार की संख्या में आए नकाबपोश अपराधियों ने सुरेश साव से बंदूक मांगने लगे, जब उसने बंदूक रखने से इंकार कर दिया तो उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के बाद वह बेहोश हो गया इसके बाद उसके पैंट को खोलकर उसके मल त्याग (गुप्तांग)में डंडा डाल दिया।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) 2026: कम प्रगति वाले बीएलओ को 50% से अधिक मैपिंग का कड़ा निर्देश, राजनीतिक दलों के साथ बीएलए मनोनयन पर चर्चा

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद: जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन के निदेशानुसार प्रखंड कार्यालय, बाघमारा में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (43-बाघमारा) सह निदेशक, लेखा प्रशासन एवं स्वनियोजन राजीव रंजन ने की। इस मौके पर 42-टुंडी विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह एलआरडीसी दिलीप कुमार महतो भी उपस्थित थे।कार्रवाई की चेतावनी बैठक में टुंडी और बाघमारा विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों ने कम प्रगति वाले सभी बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को अविलंब मैपिंग का कार्य 50% से अधिक करने का कड़ा निर्देश दिया। अधिकारियों ने साफ शब्दों में कहा कि निर्देश का पालन नहीं करने वाले बीएलओ के विरुद्ध सीधे अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।राजनीतिक दलों के साथ समीक्षा बाघमारा में एसआईआर-2026 के सफल संचालन के लिए राजनीतिक दलों के साथ भी समीक्षा बैठक हुई। इसमें बूथ लेवल एजेंट-1 और बूथ लेवल एजेंट-2 के मनोनयन पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में क्षेत्र के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रखंड अध्यक्ष, प्रखंड सचिव और प्रतिनिधि उपस्थित हुए। अधिकारियों ने सभी दलों को उनके कार्यों और उत्तरदायित्वों की जानकारी दी ताकि पुनरीक्षण कार्य त्रुटिहीन रहे।निष्पक्षता और पारदर्शिता पर जोरसभी राजनीतिक दलों से अपील की गई कि वे अपने स्तर पर योग्य बूथ लेवल एजेंटों का मनोनयन समय पर पूरा कर लें, जिससे मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। उपस्थित प्रतिनिधियों ने भी प्रशासन को इस राष्ट्रीय कार्य में पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिया।

ये रहे उपस्थित
बैठक में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी बाघमारा, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी (टुंडी, बाघमारा एवं तोपचांची), सभी पर्यवेक्षक, 50% से कम एसआईआर मैपिंग वाले बीएलओ, कंप्यूटर ऑपरेटर राजू महतो, मनोज कुमार, अविनाश कुमार, रूपेश कुमार पाण्डेय, अमित कुमार तिवारी और सभी बीएलओ सुपरवाइजर उपस्थित थे।

अंधविश्वास का तांडव: सांप के काटने से युवक की मौत, झाड़-फूंक के लिए बिना पोस्टमार्टम शव ले जाने पर एसएनएमएमसीएच में भारी हंगामा

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद:
शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी और हंगामे की स्थिति पैदा हो गई, जब सर्पदंश से मृत एक 20 वर्षीय युवक के परिजन झाड़-फूंक कराने की जिद पर अड़ गए। परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को अपने साथ ले जाना चाहते थे। अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों और प्रबंधन द्वारा रोके जाने पर परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा काटा।निशानदेही के अनुसार, गिरिडीह जिले के बिरनी थाना क्षेत्र अंतर्गत द्वारपहरी गांव निवासी राजा कुमार (20 वर्ष) बीती रात अपने घर की छत पर सोया हुआ था। इसी दौरान एक जहरीले सांप ने उसे डस लिया। आनन-फानन में परिजनों ने उसे गिरिडीह सदर अस्पताल में भर्ती कराया। वहां हालत बिगड़ने पर बेहतर इलाज के लिए शुक्रवार सुबह उसे धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) लाया गया। डॉक्टरों के अथक प्रयास के बावजूद दोपहर में इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया।

सुरक्षाकर्मियों से उलझे परिजन, सरायढेला पुलिस ने संभाला मोर्चा
युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। इसके बाद परिजनों ने अंधविश्वास के वशीभूत होकर दावा किया कि झाड़-फूंक के जरिए युवक को दोबारा जीवित किया जा सकता है। वे बिना पोस्टमार्टम कराए शव को ले जाने की जिद करने लें। अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों ने जब कानूनी प्रक्रिया का हवाला देकर शव को रोका, तो परिजन उग्र हो गए और हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही सरायढेला थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे।

इस शर्त पर ले जाने दिया शव
काफी देर तक चले हंगामे और तनावपूर्ण माहौल के बाद पुलिस और अस्पताल प्रशासन ने परिजनों के भारी दबाव और निवेदन के आगे घुटने टेक दिए। पुलिस ने एक सख्त शर्त पर शव को बिना पोस्टमार्टम के ले जाने की अनुमति दी। पुलिस ने परिजनों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि यदि झाड़-फूंक से युवक ठीक नहीं होता है, तो शव को अनिवार्य रूप से पोस्टमार्टम के लिए वापस शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) लाना होगा। ऐसा नहीं करने पर परिजनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद परिजन शव को एंबुलेंस से गिरिडीह के लिए लेकर रवाना हुए।

बयानः
बेटे को वापस जिंदा करा लेंगेः बाल गोबिंद पंडित (मृतक के पिता)
"हमारे बेटे को सांप ने काटा है। हमें पूरा भरोसा है कि ओझा-गुणी के पास ले जाकर झाड़-फूंक कराने से उसकी जान वापस आ जाएगी। पोस्टमार्टम होने पर शरीर क्षत-विक्षत हो जाएगा, फिर झाड़-फूंक का असर नहीं होगा। इसलिए हम बिना पोस्टमार्टम के शव ले जा रहे हैं।"

अस्पताल ने नहीं सुनी हमारी बात: मृतक का भाई
"हम लोग बार-बार डॉक्टर और पुलिस से गुहार लगा रहे थे कि हमें एक बार झाड़-फूंक कराने का मौका दिया जाए।

अस्पताल वाले हमें रोक रहे थे, जिससे हमारा समय बर्बाद हो रहा था। हमारे भाई की जान बच सकती है, इसलिए हम शव को घर ले जा रहे हैं।"

विश्व पर्यावरण दिवस पर भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

रफ़्तार संवाददाता अभिषेक गुप्ता मांडर।
विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मांडर के कंदरी स्थित भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के तत्वावधान में गुरुवार को वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दीपाली पराशर, डीएसडब्ल्यू उपेंद्र उपाध्याय, आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर मनोज कुमार गुप्ता, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी विवेक राज जायसवाल एवं अन्य फैकल्टी सदस्यों द्वारा पौधारोपण कर किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. दीपाली पराशर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का दायित्व नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज लगाए गए पौधे आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध वायु और बेहतर पर्यावरण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

वृक्षारोपण अभियान के तहत कॉलेज परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधे लगाए गए। इनमें नीम, तुलसी, एलोवेरा और गिलोय जैसे औषधीय पौधों के साथ आम, जामुन, गुलमोहर, पीपल और महोगनी जैसे वृक्ष शामिल हैं।

कार्यक्रम के समापन पर एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी विवेक राज जायसवाल ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण तथा प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के साथ बीएड सत्र 2024-26 एवं 2025-27 के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया।

शिकारीपाड़ा के मंझलाडीह गांव में घुसा भालू, वन विभाग ने किया सुरक्षित रेस्क्यू; मदारी का भालू होने की आशंका

शिकारीपाड़ा/दुमका/
रफ्तार मीडिया।
ललित कुमार पाल/
दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ढाका पंचायत के मंझलाडीह गांव में शुक्रवार की शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ग्रामीणों ने अचानक एक भालू को आबादी वाले इलाके में घूमते हुए देखा। भालू के दिखने से पूरे गांव में दहशत का माहौल बन गया। किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना शिकारीपाड़ा वन विभाग की टीम को दी।

इस घटना को लेकर ग्रामीणों के बीच एक अलग चर्चा भी गर्म है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले एक भालू का खेल दिखाने वाला (मदारी) अपने भालू के साथ इस गांव में आया था। ऐसे में ग्रामीणों को शक है कि आबादी के बीच दिखने वाला यह भालू वही हो सकता है, जो किसी वजह से छूट गया या भटक गया है।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम बिना समय गंवाए मौके पर पहुंची और भालू को पकड़ने के अभियान में जुट गई। काफी मशक्कत के बाद वन कर्मियों ने भालू को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू कर लिया, जिसके बाद जाकर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रेस्क्यू किए गए भालू को पूरी तरह सुरक्षित रखा गया है और उसे आगे की देखभाल व जांच के लिए जल्द ही रेस्क्यू सेंटर भेजा जाएगा।

एक पेड़ माँ के नाम: पीएम श्री केंद्र विद्यालय चित्तरंजन में गूंजा हरियाली का संकल्प, घर-घर लगा पौधा

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन
विश्व पर्यावरण दिवस 2026 पर शुक्रवार को पीएम श्री केंद्र विद्यालय चित्तरंजन में एक पेड़ माँ के नाम 3.0 महा-अभियान का उत्साह और गरिमा के साथ आयोजन हुआ। पर्यावरण संरक्षण और माँ के सम्मान को समर्पित इस कार्यक्रम में पूरे विद्यालय परिवार ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या टेक धारनी ने वृक्षारोपण कर किया। उन्होंने कहा एक पौधा लगाना केवल प्रकृति सेवा नहीं, बल्कि माँ के प्रति सम्मान और आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन सुरक्षित करने का पावन संकल्प है। उन्होंने ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों से निपटने में वृक्षों की भूमिका पर जोर दिया। इस अभियान में छात्रों, शिक्षकों, स्टाफ और अभिभावकों ने मिलकर परिसर में औषधीय, छायादार और फलदार पौधे लगाए। विद्यालय प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों का आभार जताते हुए रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प दोहराया।

खलारी: बनी हुई सड़क पर दोबारा निर्माण की तैयारी, पंचायत समिति सदस्य ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप।

रफ्तार मीडिया संवाददाता पवन गुप्ता।
खलारी : खलारी प्रखंड के अंतर्गत चूरी पश्चिमी पंचायत से एक बड़ा मामला सामने आया है, जहाँ पहले से बनी हुई एक सड़क पर दोबारा लाखों रुपए खर्च कर निर्माण कार्य कराने का आरोप लगा है। मामला चूरी पश्चिमी पंचायत के भूत नगर का है, जहाँ डीएमएफटी फंड से लगभग 24 लाख रुपए की लागत से एक सड़क का निर्माण कराया जा रहा है।इस मामले को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। चूरी पश्चिमी की पंचायत समिति सदस्य कुंजीता देवी ने इस योजना पर सीधे सवाल खड़े करते हुए विभागीय अधिकारियों और संवेदक (ठेकेदार) पर मिलीभगत का आरोप लगाया है।

"बनी हुई सड़क पर दोबारा सड़क बनाना सरासर भ्रष्टाचार"
पंचायत समिति सदस्य कुंजीता देवी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भूतनगर में जिस सड़क का निर्माण कराया जा रहा है, वह पहले से ही पूरी तरह बनी हुई है। ऐसे में बनी हुई सड़क पर फिर से जनता के पैसे (24 लाख रुपए) खर्च करना कहीं न कहीं सीधे तौर पर भ्रष्टाचार और सरकारी राशि का दुरुपयोग है। अगर यही राशि प्रखंड के किसी अन्य जरूरतमंद या जर्जर रास्ते पर खर्च की जाती, तो क्षेत्र का वास्तविक विकास दिखाई देता।

आज विधायक करेंगे शिलान्यास, संवेदक की सफाई
मिली जानकारी के अनुसार, इस विवादित सड़क का शिलान्यास कल कांके विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश कुमार बैठा के द्वारा किया जाना तय हुआ है।

दूसरी ओर, इस पूरे मामले पर कार्य कर रहे संवेदक (ठेकेदार) का पक्ष भी सामने आया है। संवेदक का कहना है कि यह सड़क कई जगहों से टूटी-फूटी है, इसलिए इसका पुनर्निर्माण कराया जा रहा है। हालांकि, स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का मानना है कि सड़क की स्थिति ऐसी नहीं है कि उस पर दोबारा 24 लाख रुपए जैसी मोटी रकम फूंक दी जाए।

जनता में असंतोष, जांच की मांग
ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में कई ऐसे गांव और टोले हैं जहाँ आज भी लोग कच्ची और जर्जर सड़कों पर चलने को मजबूर हैं। वैसी जगहों को छोड़कर एक अच्छी-खासी सड़क पर दोबारा फंड पास करना प्रशासनिक लापरवाही और संवेदक की सांठगांठ को दशार्ता है। स्थानीय लोगों ने इस मामले में उच्च अधिकारियों से जांच की मांग की है ताकि जनहित के पैसे का सही इस्तेमाल हो सके

आईआईटी (आईएसएम) में 7 जून को 'मार्गदर्शन 4.0': करियर काउंसिलिंग से छात्रों के सपनों को मिलेगी नई उड़ान

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद: विद्यार्थियों को सही करियर मार्गदर्शन प्रदान करने तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से धनबाद कोचिंग एसोसिएशन (डीसीए) द्वारा आगामी 7 जून (रविवार) को आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के प्रतिष्ठित पेनमैन ऑडिटोरियम में मार्गदर्शन 4.0ह्व का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण मेगा सेमिनार की तैयारियों और उद्देश्यों की जानकारी साझा करने के लिए शुक्रवार को एक विशेष प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा और इसके उद्देश्यों को मीडिया के समक्ष प्रस्तुत किया।

सही गाइडेंस के अभाव में गलत करियर चुन लेते हैं छात्रः मनोज सिंह

प्रेस वार्ता के दौरान धनबाद कोचिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज सिंह ने कहा कि अक्सर विद्यार्थी और युवा उचित मार्गदर्शन के अभाव में गलत विषय या गलत करियर का चयन कर लेते हैं। इसका खामियाजा उन्हें आगे चलकर भुगतना पड़ता है और वे मानसिक तनाव में आ जाते हैं। इसी गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए एसोसिएशन प्रत्येक वर्ष ह्लमार्गदर्शनह्व कार्यक्रम का आयोजन करता है। उन्होंने बताया:

इस मंच पर देश के विभिन्न क्षेत्रों के शीर्ष विशेषज्ञ, शिक्षाविद और करियर काउंसलर उपस्थित रहेंगे, जो विद्यार्थियों को उनकी रुचि के अनुसार सही राह दिखाएंगे। यदि किसी छात्र या अभिभावक के मन में कोई भ्रम, भय या सवाल है, तो वे सीधे विशेषज्ञों से 'फेस-टू-फेस' संवाद कर अपनी शंका दूर कर सकते हैं।"

ग्रामीण और खोई हुई प्रतिभाओं को मुख्यधारा में लाना लक्ष्य

मनोज सिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि सुदूरवर्ती और ग्रामीण इलाकों के कई प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को समय पर सही जानकारी और गाइडेंस नहीं मिल पाता, जिसके कारण वे बड़े मंचों तक नहीं पहुंच पाते। धनबाद कोचिंग एसोसिएशन का मुख्य प्रयास ऐसे ही होनहार छात्रों को सही दिशा देकर शिक्षा और करियर के क्षेत्र में आगे बढ़ाना है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि यदि इस कार्यक्रम से किसी एक भी विद्यार्थी या अभिभावक को अपने भविष्य के लिए 1 प्रतिशत भी सही दिशा मिलती है, तो वे इस पूरे आयोजन को पूरी तरह सफल मानेंगे।

1500 से अधिक छात्र, अभिभावक और विशेषज्ञ जुटेंगे

एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कुमार प्रशांत ने बताया कि रविवार को होने वाले इस महासमागम में लगभग 1500 से अधिक छात्र, अभिभावक, शिक्षक, कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधि और अकादमिक काउंसलर हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही देश के विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के प्रतिनिधि भी यहां स्टॉल और काउंसिलिंग डेस्क के माध्यम से छात्रों की मदद के लिए मौजूद रहेंगे। उन्होंने धनबाद और आसपास के सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को इस निशुल्क और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सादर आमंत्रित किया है।

वहीं, एसोसिएशन के सदस्य कुंदन ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह आयोजन कोयलांचल के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। ह्लमार्गदर्शन 4.0ह्व निश्चित रूप से छात्रों के स्वर्णिम करियर निर्माण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होने जा रहा है।

हरा भविष्य, सुरक्षित बचपन: जामताड़ा की शिवली बड़ी पंचायत में पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण संग बाल अधिकारों पर चर्चा

दीनबंधु राउत
रफ्तार मीडिया संवाददाता
जामताड़ा

विश्व पर्यावरण दिवस पर जामताड़ा प्रखंड की शिवली बड़ी पंचायत प्रांगण स्थित बनवासी विकास आश्रम के तत्वधाम में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के साथ बाल अधिकारों और सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। सभी ने सामूहिक रूप से पौधारोपण कर हरियाली का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि जैसे हम अपने बच्चों की देखभाल कर सुरक्षित वातावरण देते हैं, वैसे ही पर्यावरण की रक्षा भी जरूरी है। बदलते पर्यावरण के कारणों पर विस्तृत चर्चा कर आने वाली पीढ़ी के लिए पारिस्थितिक तंत्र बचाने की अपील की गई। कार्यक्रम में बाल विवाह, बाल श्रम और बाल तस्करी जैसी सामाजिक कुरीतियों पर भी चर्चा कर लोगों को जागरूक किया गया।

जमुरिया में सियासी हंगामा: पूर्व विधायक के पार्टी ऑफिस से बरामद हुई साड़ी-कंबल की बड़ी खेप, जांच शुरू

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

जमुरिया में टीएमसी के एक पूर्व विधायक के पार्टी ऑफिस से भारी मात्रा में राहत सामग्री मिलने से शुक्रवार शाम इलाके में सनसनी फैल गई। सरकारी प्रोजेक्ट की सामग्रियां ऑफिस में रखे होने की सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर तलाशी ली, जिसके बाद स्थानीय स्तर पर राजनीतिक बवाल शुरू हो गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ऑफिस के अंदर बड़ी संख्या में साड़ियां, तिरपाल, कंबल, लुंगी और गमछे रखे मिले। खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। भीड़ को काबू करने के लिए इलाके में अतिरिक्त पुलिस फोर्स तैनात की गई। विपक्ष ने इस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि आम जनता के लिए आई राहत सामग्री लंबे समय से पार्टी ऑफिस में पड़ी थी और जरूरतमंद लाभार्थियों तक नहीं पहुंचाई गई, उन्हें दबाकर रखा गया। प्रशासन ने पूरे मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, बरामद सामान का स्रोत, उन्हें यहां रखने का मकसद और किसी नियम के उल्लंघन की संभावना की जांच की जा रही है। सर्च ऑपरेशन के दौरान पूरे इलाके में तनाव का माहौल है।

उजाले के नगर मिहिजाम में अंधेरा का खेल : हाई मास्ट लाइटें पर अँधेरे का साया, लाइटों की गुणवत्ता पर उठ रहा सवाल

, उच्चस्तरीय जांच की मांग, अंधेरे के शहर में बदमाशों का मनोबल ऊंचा, नगरवासी परेशान

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
मिहिजाम

झारखंड राज्य के जामताड़ा जिला अंतर्गत मिहिजाम नगर परिषद क्षेत्र में लाखों की लागत से लगाई गई हाई मास्ट लाइटें और सोलर लाइटें सिर्फ शोभा की वस्तु बनकर रह गई हैं। शालबगान, कृष्णानगर, छाताडंगाल, राजवाड़ी, मालपाड़ा, श्मशान घाट स्थल, शांतिनगर समेत मिहिजाम के विभिन्न स्थानों पर कई दिनों से अंधेरा पसरा है। रात होते ही ये इलाके अपराध और असामाजिक तत्वों की शरणस्थली बन जाते हैं। इस समस्या से नगरवासी परेशान है।

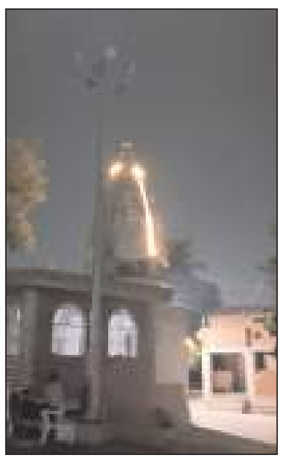

चार दिन की चांदनी फिर अँधेरी रात

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर परिषद के सौजन्य से ठेकेदारों द्वारा उच्च गुणवत्ता के बजाय निम्न स्तरीय लाइटें लगाई जा रही हैं। नतीजा, शुरूआत में कुछ महीनों तक चकाचौंध रहती है, उसके बाद लाइटें खराब हो जाती हैं और फिर से अंधेरा कायम हो जाता है। श्मशान स्थल जैसे संवेदनशील जगह पर भी लाइटें बंद पड़ी हैं, जिससे रात में अंतिम संस्कार में आने वाले लोगों को भारी परेशानी होती है।मिहिजाम के दर्जनों निवासियों ने हाई मास्ट और सोलर लाइटों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। लोगों का आरोप है कि ठेकेदारों ने मानकों को ताक पर रखकर घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया। लाइटें कुछ महीने भी नहीं चल पातीं। इसकी गहन जांच होनी चाहिए और दोषी ठेकेदारों और सोलर लाइट सप्लायर पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

अपराध को मिल रहा बढ़ावा

क्षेत्र में लगातार अंधेरा रहने से चोरी, छिनतई और नशाखोरी जैसी घटनाएं बढ़ गई हैं। असामाजिक तत्व सुनसान जगहों पर अंधेरे का फायदा उठाकर इकट्ठा होते हैं। महिलाओं और बुजुर्गों का शाम के बाद घर से निकलना मुश्किल हो गया है। लोगों का कहना है कि लाइटें सिर्फ चुनावी वादों और उद्घाटन तक ही जगमगाती हैं।

मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति, गुणवत्ता पर सवाल, जांच की मांग

शिकायतों के बावजूद नगर परिषद द्वारा मरम्मत के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। कई खंभों पर बल्ब बदले भी जाते हैं तो वे कुछ ही दिनों में फिर खराब हो जाते हैं। सोलर पैनल और बैटरी की गुणवत्ता भी बेहद खराब बताई जा रही है। नागरिकों ने उपायुक्त जामताड़ा और नगर विकास विभाग से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। लोगों ने कहा कि जनता के टैक्स के पैसे से लगाई गई लाइटें अगर रोशनी ही न दें तो ऐसी विकास योजनाओं का क्या फायदा? नगर परिषद को तुरंत सभी खराब लाइटों को बदलकर उच्च गुणवत्ता वाली लाइटें लगवानी चाहिए ताकि रात में सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके।

इस संदर्भ में मिहिजाम नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी गोपेश कुंभकार से सवाल पूछने पर उन्होंने साधी चुप्पी।

गोदाम में दबा मिला सफाई कर्मियों का हकः मंत्री अग्निमित्रा पाल के औचक दौरे में खुली 15 साल की लापरवाही, अफसरों को फटकार

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

पश्चिम बंगाल की शहरी विकास मंत्री अग्निमित्रा पाल ने शुक्रवार को आसनसोल नगर निगम के काली पहाड़ी स्थित गोदाम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में भारी अनियमितता सामने आई। गोदाम में कचरा गाड़ियां, वॉटर स्प्रिंकलर समेत सफाई कर्मचारियों के लिए जरूरी सामान भारी मात्रा में जमा मिला, जो कर्मचारियों तक पहुंचा ही नहीं था। मंत्री पाल ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इन सामग्रियों को दबाकर रखने से सफाई कर्मचारी 15 वर्षों से दयनीय हालात में काम करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि नई सरकार में ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। मंत्री ने अधिकारियों को सभी सामानों की विस्तृत सूची सौंपने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने हैरानी जताई कि नियमित टेंडर के बावजूद सामान का वितरण नहीं हुआ। मंत्री पाल ने कहा कि वह नगर निगम से जवाब मांगकर दोषियों पर कार्रवाई करेंगी और सफाई कर्मियों को उनका हक दिलाएंगी।

गोपीकांदर हादसा: 6 लाख मुआवजा और 25,000 मासिक भत्ते की शर्त पर उठा मृतका का शव

दुमका/
रफ्तार मीडिया।
ललित कुमार पाल।

गोपीकांदर थाना क्षेत्र के चिरूडीह गांव में बीते बुधवार को नवेली कोल कंपनी के विस्फोटक लदे पिकअप वाहन के टक्कर से आंगनबाड़ी सेविका की मौत पर शुक्रवार को चिरूडीह गांव नवेली कोयला कंपनी के पदाधिकारियों के साथ मुआवजा हेतु परिजन और ग्रामीण महिला की लाश को लेकर बैठक की गई। बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधि, कंपनी के पदाधिकारी, ग्रामीण और परिजन मौजूद रहें बैठक में परिजन और ग्रामीणों के द्वारा कोयला कंपनी के पदाधिकारियों के समक्ष 15 करोड़ रूपया का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी या भत्ता राशि की मांग रखी गई। करीब छः से सात घंटे चली लंबी बैठक और हो हल्ला हंगामा के बाद राशि घटकर 1 करोड़ 20 लाख रूपया का मुआवजा पर ग्रामीण और परिजन डंटे रहें। जबकि कंपनी पांच लाख रूपया देने की बात अड़ी रहीं आखिरकार देर शाम 6 लाख रूपया और परिवार के पालन-पोषण भत्ता के रूप 25 हजार रूपया प्रति महीना देने पर कंपनी की ओर से सहमति बनी। मुआवजा की मांग पूरी होने पर महिला के शव को उठाया गयो परिजनों के द्वारा शव को उठाकर महिला के गांव काठीकुंड थाना क्षेत्र के बड़ा चापुड़िया गांव ले जाया गयो जहां शव का विधिवत अंतिम संस्कार किया जायेगो बता दें कि बीते बुधवार को मृतका महिला मेरीसिरा बास्की जो काठीकुंड थाना क्षेत्र के बड़ा चापुड़िया गांव की रहने वाली थी, वह अपनी छोटी बेटी किरणशिला हेंब्रम के साथ स्कूटी से चिरूडीह गांव स्थित अपनी बड़ी बेटी की ससुराल आई थी। बुधवार की शाम 4 बजे के करीब दोनों मां-बेटी स्कूटी से अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान चिरूडीह गांव के पोखरा के पास नवेली कोल कंपनी के लिए विस्फोटक ले जा रही पिकअप वाहन ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मेरीसिला बास्की वाहन के नीचे आ गई, जबकि स्कूटी और उसकी चालक बेटी दूर जा गिरी। बताया जा रहा है कि वाहन महिला को कुछ दूरी तक घसीटते हुए ले गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गयी, गंभीर रूप से घायल होने पर कंपनी के एम्बुलेंस से इलाज हेतु सीएचसी गोपीकांदर लाया गया जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए दुमका रेफर किया गयो दुमका ले जाने के दौरान रास्ते में ही महिला ने दम तोड़ दिया था। मृतक महिला के दमाद संतोष मरांडी ने बताया कि मृतका बड़ा चापुड़िया गांव की आंगनबाड़ी सेविका थी, वह अपने पीछे पति और तीन बेटी छोड़ गयी है। बैठक में मुख्य रूप से नवेली कोल कंपनी महाप्रबंधक रमेश गुट्टे, अनुज कुमार, महालक्ष्मी जीएम प्रभु नारायण यादव, शांति भाई, जिला परिषद सदस्य निशा सबनम हांसदा, मुखिया जोगाई गृही?, बड़ा चापुड़िया मुखिया चांदनी देवी, ग्राम प्रधान दुरबिन मुर्मू, मुन्ना मुर्मू, समईल मुर्मू, दिनेश्वर देहरी, देवेन्द्र देहरी, सुतीलाल मुर्मू, रामधन मोहली, डेविड मरांडी सहित भारी संख्या में कोल कंपनी प्रभावित तीन गांव चिरूडीह, महुलडाबर और कुंडापहाड़ी गांव रैयत मौजूद थें।

लातेहार पुलिस को बड़ी कामयाबी, रविंद्र गंझू नेटवर्क का सक्रिय सहयोगी मुकेश गंझू गिरफ्तार

रफ्तार मीडिया लातेहार
लातेहार लातेहार: जिले में नक्सल विरोधी अभियान के तहत पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे भाकपा माओवादी संगठन के सक्रिय सदस्य मुकेश गंझू को गिरफ्तार कर लिया है। वह चंदवा थाना क्षेत्र के बजरीमरी-बेलगढ़ा गांव का निवासी बताया जाता है और कुख्यात नक्सली रविंद्र गंझू का करीबी सहयोगी माना जाता रहा है।पुलिस सूत्रों के अनुसार, मुकेश गंझू की गतिविधियों पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी। गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर उसे उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उससे संगठन की गतिविधियों और अन्य फरार नक्सलियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक मुकेश गंझू के विरुद्ध हत्या, आगजनी, फायरिंग, रंगदारी और सरकारी विकास कार्यों में बाधा पहुंचाने सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं। उस पर वन रक्षा समिति के सदस्य प्रद्युम्न यादव हत्याकांड में भी शामिल रहने का आरोप है। इसके अलावा सड़क निर्माण कार्यों और रेलवे परियोजनाओं को निशाना बनाने की घटनाओं में भी उसका नाम सामने आया है।जिला पुलिस का मानना है कि मुकेश की गिरफ्तारी से क्षेत्र में सक्रिय माओवादी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। बताया जाता है कि वह संगठन और शीर्ष नक्सली नेताओं के बीच संपर्क स्थापित करने तथा विभिन्न गतिविधियों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिले में नक्सल विरोधी अभियान लगातार जारी रहेगा और शेष फरार उग्रवादियों के खिलाफ भी कार्रवाई तेज की जाएगी। सुरक्षा एजेंसियों का दावा है कि हाल के वर्षों में लगातार हुई गिरफ्तारियों और आत्मसमर्पण की घटनाओं से माओवादी संगठन की गतिविधियां काफी कमजोर हुई हैं।मुकेश गंझू को न्यायिक प्रक्रिया के तहत अदालत में प्रस्तुत किए जाने की तैयारी की जा रही है। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

NANDAN VILLA
NANDAN VILLA Laout plan
Not just one house
But a LIFESTYLE statement
6.1 m WIDE ROAD
CHILDREN PLAY AREA
TEMPLE
LANDSCAPE GARDEN
SITE ADDRESS : BELLAHI , OPPOSITE GAYA AIRPORT GAYA (BIHAR)
raftaarhr@gmail.com
6203592707,8709733241,6203764769
7970599666

NANDAN VILLA
SITE ADDRESS : BELLAHI , OPPOSITE GAYA AIRPORT GAYA (BIHAR)
raftaarhr@gmail.com
6203592707,8709733241,6203764769
7970599666

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।